हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 09.01.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 168 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

कांग्रेस ने दिल्ली में की 'जीवन रक्षा योजना' की घोषणा, ₹25 लाख तक के मुफ्त इलाज का वादा

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर में बुधवार को 'जीवन रक्षा योजना' की घोषणा की, जिसके तहत उसने सत्ता में आने पर दिल्ली के लोगों को 25 लाख रुपए तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा देने का वादा किया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस योजना का ऐलान करते हुए कहा कि यह दिल्ली में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी साबित होगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की यह दूसरी 'गारंटी' है। इससे पहले उसने 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की थी जिसके तहत उसने दिल्ली की पात्र महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह देने का वादा किया है।

दिल्ली में 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान पांच फरवरी को होगा और मतगणना आठ फरवरी को होगी। गहलोत ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में संवाददाताओं से कहा, दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनने की संभावनाएं बढ़ रही हैं। मेरा मानना है कि यह देश के लिए भी जरूरी है। गहलोत ने यह भी कहा कि प्रस्तावित योजना दिल्लीवासियों की स्वास्थ्य देखभाल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, दिल्ली कांग्रेस ने 'जीवन रक्षा योजना' को अपने घोषणापत्र में शामिल करने का निर्णय लिया है। जीवन रक्षा योजना के तहत 25 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। हमने राजस्थान में भी ऐसी ही योजना शुरू की, जिसमें प्रदेश के लोगों को 25 लाख रुपए तक का मुफ्त

इलाज दिया। मुख्यमंत्री रहते हुए राजस्थान में 'चिरंजीवी' योजना शुरू करने वाले गहलोत ने कहा कि राजस्थान की उस योजना की खासियत यह रही कि यह सबके लिए थी, उसमें किसी के लिए कोई बाध्यता नहीं थी तथा दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनने पर इसी तर्ज पर योजना शुरू होगी।

इस घोषणा के दौरान पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान का नारा 'होगी हर जरूरत पूरी, कांग्रेस है जरूरी' प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। इसमें सभी के लिए आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के कांग्रेस के 'वादे' पर प्रकाश डाला गया। गहलोत ने कहा कि प्रस्तावित योजना का उद्देश्य परिवारों को व्यापक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करना है जिसके दायरे में गंभीर बीमारियों, अस्पताल में भर्ती होने और उपचार के लिए चिकित्सा व्यय को शामिल किया जाएगा।

कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी मोहम्मद निजामुद्दीन ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी अपनी दूसरी गारंटी लेकर जनता के बीच आई है। उन्होंने कहा, हम जो गारंटी लेकर आए हैं, वह हमारी कांग्रेस की सरकारों में पहले से चल रही हैं, या पहले की सरकारों में लागू हो चुकी हैं। जनता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर विश्वास करती है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा की तरह कभी झूठ नहीं बोलती।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि 'जीवन रक्षा योजना' दिल्लीवासियों को उनके जीवन की सुरक्षा का भरोसा देगी। उनका कहना था, दिल्ली की हवा में जहर है, पानी दूषित है, खाने में मिलावट है। इस कारण दिल्ली को गंभीर बीमारियों ने जकड़ लिया है। जब भी जनता को उसकी जरूरत होती है, तो केंद्र और दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पूरी तरह से चरमरा जाती हैं। यादव ने कहा, हमने 'जीवन रक्षा योजना' को दिल्ली में लागू करने का फैसला किया है, जिसमें सभी निजी अस्पताल शामिल होंगे।

एक नजर

भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के कई धर्मगुरु 'आप' में शामिल

नयी दिल्ली : पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कई धर्मगुरुओं को आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलवाई और भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर ₹आप₹ ने ऐलान किया है कि वो आज सनातन सेवा समिति की शुरूआत करेगी। बुधवार को भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के 100 से ज्यादा से सदस्यों ने केजरीवाल की उपस्थिति में "आप" को जॉइन किया। इस कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के मुख्यालय में संत समाज व विद्वान जनों ने अरविंद केजरीवाल समेत सभी नेताओं को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली क्रांति की शुरूआत करने के लिए परमात्मा ने हमें चुना, इसके लिए हम ऊपर वाले का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन ना जाई। मैंने जो भी घोषणा की है वो मैं पूरी करूंगा। जो लोग सनातन धर्म और परमात्मा की सेवा में हर समय जुटे रहते हैं, उनका सम्मान और सत्कार करने का सौभाग्य हमें और आम आदमी पार्टी को मिला है। हमने संतों और पुजारियों को हर महीने 18,000 सम्मान राशि देने का ऐलान किया है और हम इसे पूरा करेंगे। इस मौके पर आचार्य मधुर दास ने कहा कि आज से आम आदमी पार्टी ने सनातन सेवा समिति की शुरूआत की है। समिति को हम लोग देखेंगे और उस पर विचार करेंगे। सनातन के कई अंग है। केजरीवाल ने कहा है कि आप हमारा मार्गदर्शन करें।

स्कूली बच्चों से भरे ऑटो को ट्रक ने मारी टक्कर, तीन बच्चों समेत चार की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड में हुई सड़क दुर्घटना में तीन बच्चों की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पहुंचे परिजनों के चित्कार से पूरा गोला प्रखंड गूंज उठा। कोई अपने बच्चों के शव को लेकर छाती पीट रहा था, तो कोई घायल बच्चे को इलाज करने के लिए दौड़ रहा था। इस हादसे के बाद ग्रामीण इतने गुस्से में थे कि उन्होंने ट्रक ड्राइवर को पकड़कर जमकर पीटा। उसकी हालत भी नाजुक बनी हुई है। लोगों का गुस्सा इतना अधिक था कि उन लोगों ने उस ट्रक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया जिसने तीन मासूम बच्चों की जान ले ली।

घटना की जानकारी मिलते ही विधायक ममता देवी, रामगढ़ एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, सीडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, गोला अंचल अधिकारी समरेश भंडारी वहां पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया।

तीन स्कूली बच्चे और ऑटो चालक की मौत

गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत तिरला मोड़ पर बुधवार को स्कूली बच्चों से भरे एक ऑटो को एलपी ट्रक (डब्ल्यूबी 33 डी 7015) ने टक्कर मार दी। इस घटना में ट्रक भी पलट गया। इस हादसे में तीन स्कूली बच्चे और एक ड्राइवर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस हादसे में 12 स्कूली बच्चे भी घायल हुए हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी बच्चे सरलाखुर्द और पतरातू गांव के रहने वाले हैं। फिलहाल मृतकों के नाम का पता नहीं चला है, लेकिन वह भी सरलाखुर्द गांव के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं। घायलों में पतरातू गांव निवासी उज्जवल ठाकुर(11), अंश कुमार(5), सुजीत कुमार (11), श्री कुमारी(9), अंशुका कुमारी(11), कृष्णा करमाली (6), राशि कुमारी (5), अनमोल नायक(5), राधिका कुमारी (6) और आयुष कुमार साहू (8) शामिल है। घायलों में ट्रक ड्राइवर भी शामिल है।

बंगाल से आलू लेकर गोला की तरफ आ रहा था ट्रक

बंगाल से आलू लेकर गोला की तरफ आए ट्रक ने स्कूली बच्चों से भरे ऑटो को टक्कर मार दी थी । सभी बच्चे सरलक खुर्द और पतरातू से ऑटो पर सवार होकर तिरला स्थित गुडविल स्कूल में पढ़ने जा रहे थे। तिरला मोड़ पर जैसे ही ऑटो पहुंचा विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने उसे अपने चपेट में ले लिया। इस हादसे में ऑटो चालक संग्रामपुर गांव निवासी सरफराज की भी मौत हो गई है।

सरकार के आदेश के खिलाफ संचालित हो रहा था विद्यालय

गोला प्रखंड का गुडविल स्कूल सरकार के आदेश के खिलाफ संचालित किया जा रहा था। ठंड की वजह से राज्य सरकार ने पहले ही कक्षा 8 तक की छुट्टी 13 जनवरी तक बढ़ा दी थी। इस आदेश के आलोक में जिला प्रशासन ने भी एक आदेश जारी किया था। रामगढ़ डीसी ने भी 13 जनवरी तक विद्यालयों में कक्षा 8 तक के बच्चों की छुट्टी रखना को कहा था। लेकिन गुडविल विद्यालय ने जिला प्रशासन के आदेश को धत्ता बताते हुए ना सिर्फ विद्यालय खोला, बल्कि छोटे बच्चों को असुरक्षित वाहन से आने को मजबूर किया।

बच्चों की मौत पर सीएम हेमन्त ने प्रकट की संवेदना

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के गोला में हुए सड़क हादसे में तीन बच्चों की मौत पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा है कि स्कूल वैन और ट्रक की टक्कर से वैन चालक एवं 3 बच्चों के निधन की दु:खद खबर से मर्माहत हूं। मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दें। दुर्घटना में घायल बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। घटना के बाद मृत बच्चों के परिजनों से डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार ने बात की। दोनों अधिकारी सदर अस्पताल में मृत बच्चों के परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दु:खद है। डीसी चंदन कुमार ने कहा कि सरकारी आदेश के बावजूद विद्यालय का संचालन होना अपराध है। इस मामले में शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि गोला थाने में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रभाकर कुमार के बयान पर गुडविल मिशन स्कूल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। घटनास्थल पर पहुंचे एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने बताया कि सामाजिक कल्याण के तहत मृतकों के परिजनों को तत्काल 10 हजार की सहायता राशि दी गई है।

सीएम से विधायक सहित अधिकारियों ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में बुधवार को विधायक सहित अन्य अधिकारियों ने मुलाकात की। सबसे पहले विधायक जीगा सुसारन होरो ने मुख्यमंत्री से सपरिवार मुलाकात कर नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी उन सभी को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दी। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री से झारखंड भू-संपदा अपीलीय न्यायाधिकरण के चेयरमैन जस्टिस बीबी मंगलमूर्ति ने भेंट कर नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी उन्हें नए वर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दी। इसके अलावा मुख्यमंत्री से पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी, लातेहार के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, विशेष शाखा के पुलिस उप महानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा, पुलिस अधीक्षक नाथूराम मीणा, पुलिस अधीक्षक मूमल राजपुरोहित, पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने शिष्टाचार मुलाकात कर नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दी।

राज्य में महुआ की एमएसपी तय करने की होगी पहल : मंत्री शिल्पी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड के वन उपजों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय होगा। कृषि विभाग सब्जी सहित वन उपजों की एमएसपी तय करने की तैयारी कर रहा है। महुआ जैसे वन उपज को कृषि विभाग एमएसपी के दायरे में लाने पर चर्चा कर रही है। हालांकि, ये चर्चा प्रारंभिक है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विभागीय समीक्षा के बाद नेपाल हाउस में विभाग से संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं कार्य प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की। इस दौरान वो वीएलडब्ल्यू के काम को लेकर नाराज दिखीं।

महाराष्ट्र : 3 गांवों में फैली रहस्यमयी बीमारी, सिर पर हाथ फेरते ही गिरने लगते हैं बाल, 3 दिन में गंजे होने लगे लोग

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के पश्चिम विदर्भ के बुलढाणा जिले के 3 गांवों में एक रहस्यमयी बीमारी फैल गई है। इन गांवों के ज्यादातर पुरुष और महिलाएं इस बीमारी से जूझ रहे हैं। यहां लोगों के सिर और दूसरे अंगों के बाल अपने आप झड़ने लगे हैं। कुछ लोग तो महज 3 दिन के अंदर गंजे हो चुके हैं। उनके हाथ और पैरों के बाल भी जा चुके हैं। लोगों को इस बीमारी का न कारण पता है। न ही कोई समाधान दिख रहा है। डॉक्टर्स भी इसका इलाज नहीं तलाश पा रहे हैं। ऐसे में लोगों में डर का माहौल है। घबराहट और डर के बीच स्वास्थ्य विभाग ने इस रहस्यमयी बीमारी की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बुलढाणा में बीते 3 दिन में करीब 60 लोग गंजेपन का शिकार हो चुके हैं। ऐसा अचानक क्या हुआ कि बुलढाणा के इन गांवों में लोगों के बाल झड़ने लगे। पहले गांव के

सरपंच रामा पाटिल थारकर कहते हैं, मै गांव का सरपंच संघटना का अध्यक्ष हूं। मेरे गांव मे पिछले 10 दिनों से अजब बीमारी फैली है। लोगों के बाल झड़ रहे हैं। इस गांव में कम से कम 20 लोग ऐसे हैं, जिनके बाल तेजी से जा रहे हैं।

सिर पर हाथ फेरते ही हाथ में आ जाते हैं बाल

रामा पाटिल थारकर बताते हैं, कुछ लोगों की हालत तो और भी बुरी है। वो सिर पर हाथ फेरते हैं और उनके बाल हाथ में आ जाते हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी गीते साहब को 3 दिन पहले इस मामलों की जानकारी दे दी गई है। बाल झड़ने से परेशान एक शख्स ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, पहले दिन सिर में बहुत खुजली होती है। फिर खुजलाते खुजलाते बाल गिरने लगते हैं और हाथ में आ जाते हैं। तीसरे दिन से तेजी से बाल झड़ने लगते हैं।

प्रशासन ने लिए पानी के सैंपल

बाल झड़ने और गंजेपन की वजह का पता लगाने के लिए जिला प्रशासन ने पानी के सैंपल लिए हैं और उसे लैब टेस्ट के लिए भेजा गया है। इस बीच पीड़ित लोग प्राइवेट अस्पताल में भी इलाज करा रहे हैं।

स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, शेगांव तहसील के 3 गांवों में बाल झड़ने के केस सामने आये हैं। पानी दूषित होने के कारण यह समस्या ग्रामीणों में देखने को मिल रही है। हमने पानी के सैंपल लिए हैं। इसकी जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने पर गंजेपन की असली वजह सामने आएगी।

कहीं शैंपू का साइड इफेक्ट तो नहीं?

इसकी भी आशंका जताई जा रही थी। इसलिए डॉक्टरों ने पहले बाल झड़ने से परेशान कुछ लोगों को फिलहाल बाल धोने के लिए शैंपू का इस्तेमाल बंद करने की सलाह दी थी। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने बाल धुलने के लिए कभी भी शैंपू का इस्तेमाल नहीं किया, फिर भी उनके बाल गिरने लगे हैं। ऐसे में इसे एक बीमारी ही माना जा रहा है।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

डॉक्टरों का कहना है कि जांच के लिए सैंपल ले लिए गए हैं। इन्हें जांच के लिए लैब भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने में एक हफ्ते का वक्त लग जाता है। जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि बाल झड़ने की असली वजह क्या है।

त्वचारोगतज्ञ प्राथमिक आरोग्य केंद्र वानखड़े के डॉक्टर बालाजी आद्रट कहते हैं, पानी में शार की मात्रा बढ़ने से बाल झड़ने का कारण सामने आ रहा है। फिर भी हमने पानी के सैंपल लिए हैंव जल्द ही इसके निष्कर्ष पर पहुंचेंगे।

अबूझमाड़ में मुठभेड़, मारे गए पांच नक्सली

एजेंसी

जगदलपुर : अबूझमाड़ मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। इनकी पहचान पीपीसीएम पीएलजीए प्लाटून नंबर 32 के सदस्य देवसिंह, दिनेश, सुमती उर्फ कमला उर्फ कविता, सुकमती एवं गट्टाकाल मिलिशिया कमाण्डर महेश उर्फ लच्छू पुंगाटी के रूप में हुई है। मारे गये नक्सलियों पर कुल 21 लाख के इनाम थे। इनके पास से एक एके-47, दो एसएलआर, एक 8 एमएम रायफल, एक 12 बोर रायफल सहित बड़ी मात्रा में विस्फोटक, नक्सल साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई है।

बस्तर आईजी सुन्दरराज पी. ने बुधवार को बताया कि दंतेवाड़ा, नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र जंगल पहाड़ी में प्रतिबंधित नक्सली संगठन सीपीआई (एम) के सदस्य, माड़ डिविजन कमेटी, पीएलजीए प्लाटून नम्बर 32 एवं इन्द्रावती एरिया कमेटी इत्यादि के शीर्ष नक्सलियों की सूचना पर नक्सल विरोधी अभियान पर जिला दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बस्तर,

कोंडागांव की डीआरजी एवं एसटीएफ की संयुक्त टीम अबूझमाड़ रवाना हुई थी। अभियान के दौरान 4 जनवरी को शाम लगभग साढ़े तीन बजे ग्राम गट्टाकाल के जंगल पहाड़ में मुठभेड़ शुरू हुई, जो देर रात तक लगातार चलती रही। फायरिंग बंद होने पर सभी टीमों द्वारा सर्च करने पर दो महिला एवं तीन पुरुष सशस्त्र वदीर्धारी नक्सलियों ऐ शव बरामद हुए।

बस्तर आईजी ने कहा कि नक्सली संगठन के पास अब हिंसा छोड़कर आत्मसमर्पण करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा है इसलिए नक्सली संगठन से अपील है कि वे तत्काल हिंसात्मक गतिविधियों को छोड़कर समाज की मुख्य धारा में जुड़े अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहें।

मुठभेड़ में मारे गयें नक्सलियों में देवसिंह, पीपीसीएम प्लाटून नम्बर 32 सदस्य, (05 लाख इनामी) निवासी बीजापुर, दिनेश, पी.पी.सी.एम. प्लाटून नम्बर 32 सदस्य (05 लाख इनामी) निवासी दक्षिण बस्तर, सुमती उर्फ कमला उर्फ कविता पीपीसीएम प्लाटून नम्बर 32 सदस्य (05 लाख इनामी) निवासी अहेरी जिला गढ़चिरौली, महाराष्ट्र, सुकमती पीपीसीएम प्लाटून नम्बर 32 सदस्य (05 लाख इनामी) निवासी जिला बीजापुर, महेश उर्फ लच्छू पुंगाटी गट्टाकाल मिलिशिया कमाण्डर (एक लाख इनामी) निवासी मेटावाड़ा शामिल हैं।

एक नजर

सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा ने की बैठक

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत हरली गाँव के पंचायत भवन में सदस्यता अभियान को लेकर बैठक कि गई। जिसमें मुख्य रूप से बड़कागांव विधायक सह सदस्यता अभियान के पुर्वी उरीमारी मंडल प्रभारी रोशन लाल चौधरी, सह प्रभारी सर्वेस सिंह उपस्थित रहे। रौशन लाल चौधरी ने कार्यकतार्यों से कहा सदस्यता अभियान को लेकर, क्षेत्र मे अच्छा उत्साह देखा जा रहा है, जिसका श्रेय सभी कार्यकतार्यों को जाता है। राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा जिस प्रकार राज्य मे लगातार अपराध बढ़ रहा है अपराधि बेखौफ है, यह पुरे राज्य के लिए काफी चिंता का विषय है। राज्य सरकार गहरी निंद्रा मे चली गई है, हम इसकी घोर निन्दा करते है। अतः इस कार्यक्रम मे पूर्वी उरीमारी मंडल के मंडल अध्यक्ष खेमलाला महतो, उपाधायक्ष अशोक साव, गणेश यादव, नागेश्वर महतो, त्रिवेणी महतो, जगदीश साहू, भगीरथ ठाकुर, कृष्णा गुप्ता, रवी दाँगी, सूरज गुप्ता, विष्णु गुप्ता, सचिदानंद पाण्डेय, एंव सभी शक्ति केन्द्र प्रभारी, पंचायत संयोजक, सहसंयोजक, बुथ अध्यक्षों, सभी मंच मोर्चा के अध्यक्ष, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता एवं समर्थकों की उपस्थिति रही।

एनटीपीसी के कन्वेयर बेल्ट में लगी आग को दमकल ने बुझाया

बड़कागांव : एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोल माइंस के कन्वेयर बेल्ट में टीपी 3 और टीपी 4 के बीच आग लग गई। समय रहते अग्निशामक पहुंचे। आग पर काबू पाया गया। जिससे बड़ा हादसा होने से बचा बच गया। मौके पर एनटीपीसी और त्रिवेणी सैनिक के पदाधिकारी पहुंचे। घटनास्थल पहुंचकर जयजा लिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आग लगने की करण की जांच की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

चौपारण : मंगलवार की रात्रि चतरा रोड स्थित बेढना बारा के समीप सड़क हादसे में ताजपुर निवासी मनीष सिंह उम्र 30 वर्ष पिता करुणा सिंह की मौत हो गई। मनीष के छोटे-छोटे 2 बच्चे हैं। वहीं बताया जाता है कि मृतक अपने रिश्तेदार से मिलने इटखोरी गया था। जहां से लौटते समय दैहर मोड़ के समीप सड़क दुर्घटना में उसकी मौत हो गयी। इधर घटना की सूचना पाकर बरही अनुमंडल अस्पताल पहुँचे बरही विधायक मनोज यादव ने पीड़ित परिवार से मिलकर घटना की जानकारी ली। उन्होंने घटना के प्रति गहरी संवेदना प्रकट कर हर संभव मदद का भरोसा दिया। विधायक ने चिकित्सा प्रभारी से डॉ प्रकाश ज्ञानी से बात कर पोस्टमार्डम करवाया।

शहीद शेख भिखारी एवं शहीद टिकैत उमरांव सिंह की मनी शहादत दिवस

हजारीबाग : हजारीबाग शहर अवस्थित आर्श कन्या गुरुकुल में बुधवार को शहीद शेख भिखारी एवं शहीद टिकैत उमराव सिंह की 167 वीं शहादत दिवस मनाई गई। इस अवसर पर दोनों शहिदों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और उनको नमन करते हुए उनके शहादत को याद किया। कार्यक्रम का संचालन ओमप्रकाश मेहता एवं अध्यक्षता शहीद जयमंगल पांडेय के वंशज सचिदानंद पांडेय ने किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता शरीक हुए। आर्श कन्या गुरुकुल में इन शहिदों की वीरता और बलिदानों को याद करते अमर शहीद शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह का शहादत दिवस हर्षोल्लास मनाया गया।

संजीवनी सेवा कुटीर स्वास्थ्य सेवाओं में नई क्रांति का प्रतीक है : अन्नपूर्णा देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा सदर अस्पताल प्रांगण में संचालित संजीवनी सेवा कुटीर का महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अवलोकन किया। इस अवसर पर उनके साथ बरकट्ठा विधायक अमित यादव भी उपस्थित थे। मंत्री ने कुटीर में उपलब्ध सुविधाओं और कार्यप्रणाली की गहनता से समीक्षा की और इसकी प्रशंसा करते हुए इसे एक अनुकरणीय पहल बताया। अन्नपूर्णा देवी ने कहा की संजीवनी सेवा कुटीर जैसी पहलें स्वास्थ्य सुविधाओं को जनसामान्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती हैं। यह हेल्प डेस्क मरीजों और उनके परिजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने में सक्षम है। इसके 24 घंटे सेवाएं देने से मरीजों को बड़ी राहत मिलती है। यह पहल स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर साबित होगी। यह सेवा कुटीर सदर अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए एक हेल्प डेस्क के रूप में कार्य करता है। यहां मरीजों को उनकी समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराया जाता है, जैसेः इलाज से जुड़ी जानकारी प्रदान करना, डॉक्टरों की उपलब्धता की जानकारी देना, दवा, टेस्ट, और अन्य मेडिकल प्रक्रियाओं में मदद करना,मरीजों और उनके परिजनों के लिए गाइड के रूप में कार्य करना संजीवनी सेवा कुटीर 24 घंटे कार्यरत है और अस्पताल में आने वाले जरूरतमंद लोगों के लिए यह सहारा बन गया है। बरकट्ठा विधायक अमित यादव ने कहा की यह सेवा न केवल मरीजों की परेशानी को कम करती है, बल्कि उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लाती है। इस तरह की पहल हर अस्पताल में होनी चाहिए। संजीवनी सेवा कुटीर स्वास्थ्य क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा की संजीवनी सेवा कुटीर हमारी सोच और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य है कि किसी भी मरीज को इलाज के दौरान किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। यह कुटीर न केवल समस्याओं का समाधान करता है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जनता के विश्वास को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संजीवनी सेवा कुटीर की सेवाओं का विस्तार किया जाएगा और इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। संजीवनी सेवा कुटीर ने स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक नई राह बनाई है। यह पहल गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए मददगार साबित हो रही है। मंत्री अन्नपूर्णा देवी और बरकट्ठा विधायक अमित यादव ने इस प्रयास को सराहा और उम्मीद जताई कि ऐसी सेवाएं अन्य जिलों और अस्पतालों में भी शुरू की जाएंगी।

होटल प्रबंधन द्वारा मारपीट की घटना में तीनों लड़के सुरक्षित : किशोरी राणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मुंबई के बोरीवली में स्थित लाडली होटल में होटल प्रशासन द्वारा 1 जनवरी को हुई मारपीट की घटना में तीनों लड़के सुरक्षित हैं। उक्त जानकारी मिलने के बाद नव झारखंड फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा एवं मुंबई होटल अध्यक्ष अभय तिवारी एवं राशिद खान, झारखंड वासी महाराष्ट्र युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गणेश गुप्ता उफ संतोष गुप्ता, बाज परिवार के संस्थापक बैजनाथ पांडे एवं झारखंड वासी परिवर्तन संघ के संस्थापक अरविंद आर्य एवं फाउंडेशन के दर्जनों सदस्यों द्वारा कस्तूरबा पुलिस चौकी बोरीवली का दौरा किया एवं वरीय पुलिस इंस्पेक्टर जय राज साहब से आग्रह किया कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उच्च स्तरीय जांच कमेटी कठित की जाए। घटना में दो लड़के बिहार के और एक झारखंड का था। होटल मैनेजमेंट के ऊपर ऋक्षक्र दर्ज की गई है। पुलिस प्रशासन ने तीनों लड़कों से फोन पर बात की और पुष्टि की कि वे सभी सुरक्षित हैं। इस बीच, नव झारखंड फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा ने बताया कि कई लोगों द्वारा झारखण्ड के युवक के मौत की भ्रामक खबरें फैलाई जा रही है जिससे अराजकता की आशंका जताई जा रही है। संगठन द्वारा महाराष्ट्र खास करके मुंबई में हम सभी के सम्यक प्रयासों द्वारा झारखंडियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित प्रदान करने का प्रयास किया जाता रहा और आगे भी किया जाता रहेगा। इसलिए झारखंड वासियों से अनुरोध किया गया है कि वे पूरी जानकारी लेने के बाद ही सोशल मीडिया पर इसके बारे में पोस्ट करें।

मशरूम की खेती को लेकर आईसेक्ट विवि में तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कृषि विभाग की ओर से मशरूम की खेती को लेकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आगामी 16 जनवरी से 18 जनवरी के बीच आईसेक्ट विश्वविद्यालय में किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, कृषि विभाग डीन डॉ अरविंद कुमार, एचओडी डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा सहित अन्य ने इसे लेकर विवरणिका जारी किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने बताया कि मशरूम विटामिन और मुख्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है। साथ ही यह कुपोषण और खून की कमी दूर करने के लिए भी कारगर है। ऐसे में प्रशिक्षण पाकर आमदनी का इसे बेहतर जरिया बनाया जा सकता है। वहीं कुलपति प्रो पीके नायक ने कहा कि आधुनिक तरीके से कृषि कार्य करने से ना सिर्फ उत्पादन अधिक होता है बल्कि गुणवत्ता भी बरकरार रहती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षार्थियों को मशरूम उत्पादन को लेकर कई अहम जानकारियां मिलने वाली है, जिससे आने वाले समय में उनके लिए आय का बेहतर स्त्रोत बन सकता है। कृषि विभाग डीन डॉ अरविंद कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों की शिरकत होगी, जिनके माध्यम से प्रशिक्षण कार्य पूर्ण कराए जाएंगे। इच्छुक विद्यार्थी, किसान, महिला या अन्य लोग आईसेक्ट विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आईसेक्ट युनिवर्सिटी झारखंड डॉट एसी डॉट इन पर जाकर पंजीकरण कर कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। पंजीयन शुल्क 500 रूपए निर्धारित है। बताते चलें कि इस कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आयोजन सचिव डॉ अरविंद कुमार, प्रशिक्षण समन्वयक डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, सह-समन्वयक प्रभात किरण, फरहीन सिद्दीकी व प्रतिभा हेंब्रम को बनाया गया है।

खूबसूरत संघवाद से नए और शक्तिशाली भारत का निर्माण संभव : शशि भूषण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भारत विविधता में एकता का देश है। कभी-कभी लगता है कि यह हमारी कमजोरी है। परंतु इसी में नए भारत को गढ़ने की शक्ति विद्यमान है। और यह कार्य एक खूबसूरत संघवादी व्यवस्था की स्थापना से संभव है। उक्त बातें आर एन महाविद्यालय हाजीपुर, बिहार से आए प्रोफेसर शशि भूषण कुमार ने कही। वह आज विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में 'वर्तमान दौर में संघवाद' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने किया। उन्होंने बताया कि सामान्य धारणा है कि संघवाद को भारत ने अमेरिका जैसे राष्ट्र से लिया है। परंतु जब हम भारत के इतिहास में खोज करते हैं तो संघवादी व्यवस्था की जड़े हमें अपने यहां भी दिखाई देते हैं। इस संबंध में उन्होंने सहयोगात्मक एवं दोहरी संघवाद के मॉडलों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संघवाद में कोई किसी के अधीनस्थ नहीं होते हैं। सभी एक दूसरे से सम्मान और श्रद्धा के सूत्र से जुड़े होते हैं। कुछ लोग एक भारत में एक मजबूत केंद्रीय सत्ता की वकालत करते हैं जो किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं है। आवश्यकता है उसे सूक्ष्म संतुलन को खोज निकालने की जिससे हमारी केंद्रीय सत्ता और राज्यों की सत्ता के बीच खूबसूरत समन्वय की स्थापना होगी। यहीं से नए और आधुनिक भारत के निर्माण की यात्रा प्रारंभ होगी। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने कहा कि आने वाला दूर संघवाद का ही दूर है। आज इसी सिद्धांत के आधार पर यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ का गठन किया गया है जिससे वहां के विकास को नई ऊर्जा मिली है। भूमंडलीकरण ने इस ओर इशारा किया है कि आने वाले समय में विश्व संघ का निर्माण संभव है। इसी के आधार पर एक विश्वराज तथा एक विश्व सरकार की स्थापना पर भी विचार किया जा सकता है।

सांसद की पहल रंग लाई, चरही के यूपी मोड़ में शुरू हुआ कार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सांसद मनीष जायसवाल ने बीते दिनों लोकसभा सत्र के क्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव एवं अन्य अधिकारियों से मुलाकात कर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के तीन प्रमुख ब्लैक स्पॉट की जानकारी दी थी और तत्काल इन ब्लैक स्पॉट पर कार्य करने का आग्रह किया था। सांसद मनीष जायसवाल के पहल और संबंधित विभाग के केंद्रीय मंत्री और उच्चाधिकारी तक इस मामले के पहुंचते ही इस पर पहल शुरू हो गया। चरही के यूपी मोड़ में युद्धस्तर पर काम चल रहा है। यह कार्य टेंपरेरी है लेकिन इससे निश्चित रूप से यहां सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। सांसद मनीष जायसवाल ने खुद त्वरित पहल होने पर खुशी जताई और कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता से संबंधित हर छोटी बड़ी समस्याओं के निदान हेतु हमारा प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

हजारीबाग पुलिस ने साइबर ठगी से बचने के लिये लगायी पाठशाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : साइबर ठगी आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। जहां सात समंदर पार से बैठा कोई व्यक्ति आपकी गाढी कमाई को पल भर में उड़ा सकता है ।सावधानी और जागरूकता से ही इसका बचाव हो सकता है। इसे देखते हुए हजारीबाग पुलिस इन दिनों स्कूल के विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने को लेकर शिक्षा दे रहे हैं। विद्यालय में शिक्षा देने वाले शिक्षकों को तो सभी ने देखा होगा। आज आपको वर्दी वाले गुरुजी से मिलवाने जा रहे हैं। जो छात्रों को साइबर ठगी से बचने के लिए शिक्षा दे रहे हैं। दरअसल साइबर ठगी आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती समाज के सामने आ रही है। छोटी सी गलती जीवन भर का पैसा उड़ा सकता है ।तो दूसरी ओर लापरवाही के कारण साइबर अरेस्ट भी कोई हो सकता है। आलम यह है कि साइबर ठग के चक्कर में लोग ऐसे फस जाते हैं कि उनकी जान भी चली जाती है। इसे देखते हुए हजारीबाग के एडिशनल एसपी छात्रों को साइबर ठगी के बारे में जानकारी दे रहे हैं। सबसे अधिक ठगी के शिकार बच्चे ही हो जाते हैं। जो अनवांटेड लिंक को खोलते हैं और खोलते ही साइबर ठगी के शिकार हो जाते हैं। कार्यक्रम अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की ओर से किया जा रहा है। पूरे देश भर में साइबर ठगी के खिलाफ इस पंचायत में मुहिम चला रखी है। प्रखंड से लेकर जिला मुख्यालय तक स्कूल के बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। ताकि वो भी जागरूक हो और अपने घर वालों को भी साइबर अपराध के प्रति जागरूक कर सके ' हजारीबाग के सीएम उत्कृष्ट विद्यालय जिसे जिला स्कूल के नाम से भी जाना जाता है वहां के छात्रों ने कहा कि वैसे तो हर दिन स्कूल के शिक्षक पढ़ने के लिए पहुंचते हैं। पहली बार वर्दी वाले गुरुजी छात्रों को पढ़ रहे हैं। यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि वर्तमान समय में साइबर अपराध का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस अपराध से हर एक व्यक्ति कैसे बचे। साइबर अपराध से बचने के लिए जागरुकता और सावधानी ही एकमात्र उपाय है ऐसे में अधिक से अधिक लोग इसके बारे में समझे यह बेहद जरूरी भी है। कार्यशाला में एडिशनल एसपी अमित कुमार ने छात्रों को साइबर ठगी से होने वाली परेशानी , ठगी से बचाव की जानकारी दी ।बताया कि एक छोटी सी गलती आपके और आपके परिजन को मुसीबत में डाल सकती है । फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भेजे जाने वाला फ्रेंड रिक्वेस्ट, अनजान व्यक्ति को दिए गए हॉटस्पॉट भी आपको मुसीबत में डाल सकता है। बैंक या कभी भी सरकार की ओर से कोई भी योजना की जानकारी के बदले पैसे की मांग नहीं की आती है और फोन पर किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी जाती है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों से बातचीत की। उनके प्रश्न सुने और जवाब के माध्यम से उन्हें संतुष्ट करने का प्रयास भी किया। उन्होंने छात्रा के प्रश्नों का जवाब देते हुए बताया कि जामताड़ा में नियुक्त थे और और जामताड़ा में साइबर ठगी समाप्ति की ओर है। यह भी जानकारी दी कि जामताड़ा में बंद 90% बंदी साइबर ठगी से जुड़े हैं।

संक्षिप्त खबरें

मजदूरों के घर की माली स्थिति हो रही है खराब, जल्द मिले न्याय : दीपक गुप्ता

चौपारण : प्रखंड पंचायत पाण्डेयबारा में सड़क निर्माण कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर व पेटीदार कम्पनी राज केशरी लिमिटेड एवं कौशल इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा मजदूर एवं इंजीनियरों से काम करवा कर पिछले 8 महीनों से मजदूरी भुगतान नहीं किया गया है। जिसकी मांग में बैठे मजदूर व इंजीनियर से मिले ओबीसी कांग्रेस जिला नेता दीपक गुप्ता। दीपक गुप्ता ने आंदोलन का समर्थन किया, एवं संज्ञान लेते हुए झारखंड सरकार के श्रम मंत्री संजय यादव और कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष के कमलेश महतो और ओबीसी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहू को टेलीफोन के माध्यम से मजदूरों के अनिश्चितकालीन धरना की जानकारी दिया दिया। श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने इस मामले को संज्ञान में लिया और कहा कि मजदूरों को न्याय मिलेगा जल्द ही संबंधित अधिकारी से बात करके मामले को निवारण करता हूं। ओबीसी कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने कहा की इस कड़कते ठंडा में पिछले 7 दिनो से तिरपाल और आग के सहारे मजदूर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं। जिसको कोई सुध लेने कोई सरकारी अधिकारी और कम्पनी वरीय कर्मचारी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मजदूरों से हाल जन कर पता चला कि सभी मजदूरों के घर की माली स्थिति बहुत खराब है। मजदूरों के घर में परिवार वाले अच्छे भोजन के लिए तरस रहे हैं, दूसरी उनके बच्चो को स्कूलों और ट्यूशन से बाहर निकाल दिया जा रहा हैं कई मायूस और रोते हुए घर के तरफ चले गए हैं। बीमार पड़ने पर सही तरीके से इलाज भी नहीं करा पा रहे हैं। कम्पनी के बाहर 150 की संख्या में मजदूर बैठे है। सभी मजदूरों का 8 से 9 माह तक की राशि बकाया हैं। दीपक गुप्ता और मजदूर रोड एक स्वर में कहा एनएचएआईऔर निर्माण कंपनी के अधिकारी नहीं उठाते हैं फोन मिलने पर हमेशा देते हैं झूठा आश्वासन और अब मिलने से भी कर रहे है इंकार।

शहादत दिवस पर शहीद टिकैत उमरांव सिंह व शहीद शेख भिखारी किए गए याद

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में अमर शहीद टिकैत उमरांव सिंह व अमर शहीद शेख भिखारी की 166 वीं पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि सन 1857 की क्रांति ने पूरे देश में आजादी की चिंगारी को सुलगा दिया गया। इस चिंगारी से छोटानागपुर का पहाड़-पठार भी धधकने से बच नही सका। झारखंड के इतिहास में प्रसिद्ध अमर शहीद टिकैत उमरांव सिंह व अमर शहीद शेख भिखारी हमेशा से शोषण और अत्याचार के खिलाफ रहे और अंग्रेजों के विरोध को पूरा छोटानागपुर में फैलाया। अंग्रेजों से लड़ते हुए इन दोनो को 06 जनवरी 1858 को घेर कर अंग्रेजों द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और 07 जनवरी 1858 को उसी जगह चुटूपालू घाटी पर अदालत लगाकर उनकी विरता और साहस से भयभीत अंग्रेजों ने कार्यवाई पूरा किए बगैर दोंनो को फांसी का फैसला सुनाया और 08 जनवरी 1858 को आजादी के दिवाने टिकैत उमरांव सिंह व शेख भिखारी को चुटूपालू पहाड़ स्थित बरगद के पेड़ से लटका कर अंग्रेजों द्वारा फांसी दे दी गई। वह बरगद का पेड़ आज भी चुटूपालू में स्थित है। शहादत दिवस पर महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान वरिष्ठ कांग्रेसी अकिल अहमद, बिनोद सिंह, मिथिलेश दुबे, सुनिल सिंह राठौर, जावेद इकबाल, मनिषा टोप्पो, डॉ. प्रकाश कुमार, गुड्डु सिंह, कृष्णा किशोर प्रसाद, दिलदार अंसारी, सदरूल होदा, अनिल कुमार भुईंया, राजीव कुमार मेहता, निसार अहमद भोला, चन्द्र शेखर आजाद, सैयद अशरफ अली, अर्जुन सिंह, देव नारायण सिंह, कृष्णदेव, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, कैलाश पति देव के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे मजदूर अब मुख्यमंत्री से मिलकर रखेंगे अपनी बात

चौपारण : शीतलहर के प्रकोप के दौरान अनिश्चितकालीन धरना दे रहे मजबूर मजदूर अब मुख्यमंत्री से मिलकर रखेंगे अपनी बात। ओबीसी जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता के समर्थन और मंत्री के संज्ञान लेने एवं प्रत्यूष नवबिहार अखबार में प्रकाशित होने के बाद पाण्डेयबारा रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर कम्पनी गेट के सामने मजदूरों का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में शामिल लोगों की जांच के लिए मेडिकल टीम पहुंची। मेडिकल टीम बीमार धरना दे रहे मजदूर का मेडिकल जांच किया। कई मजदूरों के दवा दिया गया, धरना में मजदूरों से पूछे जाने पर कहा कि बिना अपना बकाया मजदूरी लिए इस धरना से नहीं उठेंगे। लाचार मजदूर लुकन साव ने बताया कि बीते मंगलवार को कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता के द्वारा श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलेश महतो के वातार्लाप के बाद डॉक्टर की टीम पहुंची और समझौता के लिए कम्पनी के वरीय अधिकारी धरना की प्रतिनिधिमंडल के साथ समझौता पर वातार्लाप की। लेकिन बात नहीं बन पाई है, कई मजदूर इस कड़कती ठंड से बीमार भी हो रहे हैं। डॉक्टर ने मजदूरों का कपकपाती ठंड में घर जाने की सलाह दी लेकिन मजदूरों में मना कर दिया। जिला नेता दीपक गुप्ता ने कहा कि आगमी दिनों में लिखित आवेदन के साथ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विभागीय मंत्री से मिलकर कंपनी के मनमानी और मजदूरों इंजिनियर की समस्या को रखेंगे।

जन-जन तक पहुंचकर भाजपा की नीतियों और विकास योजनाओं का प्रचार जरूरी : रंजीत चंद्रवंशी

बरही/चौपारण : भारतीय जनता पार्टी द्वारा चौपारण प्रखंड के बेहरा में सदस्यता अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन सांसद मनीष जायसवाल, विधायक मनोज कुमार यादव और जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह के निर्देशानुसार किया गया। बैठक में बैहरा शक्ति केंद्र और मानगढ़ शक्ति केंद्र के कार्यकताओं ने भाग लिया। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को भाजपा से जोड़ने पर चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने पार्टी की विचारधारा और आगामी चुनावों की तैयारी पर विस्तार से चर्चा की। सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक सक्रिय होकर काम करने की अपील की गई। बैठक के दौरान भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी ने कहा कि सदस्यता अभियान पार्टी के विस्तार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जितने अधिक लोग पार्टी से जुड़ेंगे, संगठन उतना ही मजबूत होगा। हमें जन-जन तक पहुंचकर भाजपा की नीतियों और विकास योजनाओं का प्रचार करना होगा। कार्यक्रम में मौजूद सभी कार्यकताओं ने सदस्यता अभियान को तेज गति से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक का समापन भाजपा की एकजुटता और संगठन को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

एक नजर

मुख्यमंत्री ने बलिदानी शेख भिखारी और टिकैत उमरांव को किया नमन

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बलिदानी शेख भिखारी और टिकैत उमरांव सिंह को शहादत दिवस पर याद किया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि अंग्रेज शोषकों और अत्याचारियों के खिलाफ विद्रोह करने वाले झारखंड की माटी के वीर सपूत अमर वीर शहीद शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह को शत-शत नमन। साथ ही उन्होंने कहा कि झारखंड के वीर शहीद अमर रहें। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ने रामगढ़ के गोला में दुर्घटना में चालक समेत तीन बच्चों के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दें। दुर्घटना में घायल बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है।

पत्रकार राणा गौतम का निधन

रांची : रांची प्रेस क्लब के कार्यकारणी सदस्य राणा गौतम अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनके निधन की दु:खद खबर से रांची का पत्रकार जगत आहत है। कुछ दिनों पहले वे कैंसर से जूझ रहे थे। इसी बीच वे रांची प्रेस क्लब के कार्यकारणी सदस्य बने। उन्होंने कई मीडिया संस्थानों में काम किया था।

रांची में थाना प्रभारी बनने के लिए पैरवी कराने वाले पदाधिकारी होंगे सस्पेंड

रांची : राजधानी रांची में थाना प्रभारी बनने के लिए पैरवी कराने वाले पुलिस पदाधिकारी सस्पेंड होंगे। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। एसएसपी ने बुधवार को क्राइम मीटिंग के दौरान यह बात कही। रांची में कई पुलिस पदाधिकारी अलग-अलग थानों में थाना प्रभारी बनने के लिए अलग-अलग जगहों से पैरवी करवा रहे हैं। ऐसे में एसएसपी ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि किसी तरह की पैरवी हुई तो 24 घंटे के अंदर उन्हें सस्पेंड कर दिया जाएगा। एसएसपी ने कहा कि इंस्पेक्टर हो या सब-इंस्पेक्टर, जो काम और क्राइम कंट्रोल में बेहतर होगा, उसे ही थाना प्रभारी बनाया जाएगा लेकिन यदि कोई यह सोच रहा है कि पैरवी करके उसे थाना मिल जाएगा, तो यह उसकी गलतफहमी है। उसे सीधे सस्पेंड किया जाएगा।

सूचना आयोग का गठन नहीं करना चाहती हेमन्त सरकार : भाजपा

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने कहा है कि राज्य की हेमंत सरकार अपने काले कारनामों के उजागर के भय के कारण सूचना आयोग का गठन नहीं करना चाहती है। न्यायालय में हमेशा की तरह भ्रामक सूचनाएं देकर भ्रमित करने का काम कर रही है। जेवीएम का विलय विधिवत रूप से भाजपा में होने के उपरांत पार्टी ने दल के नेता के रूप में बाबूलाल मरांडी को नियुक्त किया।

शिक्षा के साथ-साथ शत प्रतिशत साक्षरता भी जरूरी : उमाशंकर सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के असाक्षर व्यस्कों के लिए उल्लास नव भारत साक्षर कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। कार्यशाला में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन और प्राथमिक शिक्षा निदेशक शशि प्रकाश, संयुक्त सचिव नंद किशोर लाल, उप-निदेशक शुभ्रा रानी एवं अवर सचिव जागो चौधरी ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों, जिला शिक्षा अधीक्षकों एवं जिला शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्यों को उल्लास कार्यक्रम के संचालन और इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर मार्गदर्शित किया। कार्यशाला में राज्य संसाधन समूह के प्रतिनिधियों को भी उल्लास कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह ने सर्वे कर ऐसे असाक्षर व्यस्कों को इस कार्यक्रम से जोड़ने पर जोर दिया जिन्होंने कभी औपचारिक स्कूली शिक्षा ग्रहण नहीं की। विभागीय सचिव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य शिक्षा के साथ साथ शत प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्यों को हासिल करना भी है। राज्यस्तर पर पदाधिकारी फील्ड में हो रहे सर्वे और जिला, प्रखंड, संकुल एवं विद्यालय स्तरीय नव भारत साक्षरता समिति के कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें। उन्होंने लगातार जन चेतना केंद्रों (नव भारत साक्षरता केंद्र) के अनुश्रवण का निर्देश भी दिया है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड़ पर लागू किया गया है, मगर सर्वे के दौरान ऑनलाइन डाटा उल्लास एप और उल्लास NILP पोर्टल पर अपलोड अवश्य करें, जिससे राज्य को सर्वे का डाटा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के लिए जिला शिक्षा अधीक्षकों को जिलास्तर पर नोडल पदाधिकारी बनाया गया। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए उल्लास झारखंड के नोडल पदाधिकारी मनोज कुमार निराला ने बताया कि हमारा लक्ष्य झारखंड को शत प्रतिशत साक्षर बनाना है। इस योजना के पांच महत्वपूर्ण घटक है जिनमे बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, आर्थिक, वैधानिक, स्वास्थ्य, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन साक्षरता, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल निर्माण और शिक्षा में निरंतरता शामिल है। इस कार्यक्रम के तहत असाक्षरों को जन चेतना केंद्रों के माध्यम से साक्षर किया जाता है। इस कार्यक्रम के तहत कोई भी स्वैच्छिक शिक्षक बन सकता है। विशेष रूप से प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक शिक्षक, विद्यालय के कक्षा 8-9 और उससे ऊपर के कक्षाओं के विद्यार्थी, कॉलेज के विद्यार्थी, एनजीओ, नेहरू युवा केंद्र और झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के सदस्य स्वैच्छिक शिक्षक बन सकता है। स्वैच्छिक शिक्षकों को पहचान पत्र, प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित भी किया जाता है। इस कायक्रम के अंतर्गत साक्षर होने वालो को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के द्वारा आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षण के माध्यम से साक्षरता का प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

क्या है जन चेतना केंद्र?

जन चेतना केंद्र विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों, निजी आवासों, शिक्षार्थियों के घरों आदि स्थानों पर परिकल्पित और संचालित होते है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में जो भूमिका विद्यालयों की है, वहीं भूमिका नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में जन चेतना केंद्रों की होती है। विद्यालय स्तरीय चेतना केंद्र और मॉडल चेतना केंद्र इस कार्यक्रम के मुख्य चेतना केंद्र है, जहां शिक्षार्थियों के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उन्हें दी जाती है। मॉडल जन चेतना केंद्र आईसीटी सुविधाओं से संपन्न होते है। उल्लास के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में रजिस्ट्रेशन/नामांकन पंजी, उपस्थिति पंजी, टैग (असाक्षर और वीटी) पंजी, एवं विद्यालय नव भारत साक्षरता समिति के गठन एवं बैठकों की कार्रवाई से संबंधित पंजी का संधारण आवश्यक है। प्रत्येक जन चेतना केंद्र पर 'उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम एवं जन चेतना केंद्र' का नाम लिखना भी आवश्यक है।

राजभवन के सामने एक दिवसीय धरने पर बैठे निजी स्कूल के संचालक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची स्थित राजभवन के सामने नेशनल प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन रांची द्वारा गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों की समस्याओं से संबंधित एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन रखा गया। यह एकदिवसीय धरना प्रदर्शन सरकार द्वारा मान्यता के लिए निकाले गए समय सीमा के अंदर आवेदन करने और आवेदन न करने वाले विद्यालयों को बंद करने के आदेश के विरोध में था। यह धरना संगठन के पदाधिकारी गण और सदस्यों द्वारा किया गया। इसमें सरकार से सीधी मांग रखी गई कि जिन विद्यालयों को यू डाइस कोड प्राप्त है, उन्हें बिना शर्त मान्यता दें। साथ ही सरकार से निवेदन किया गया है की मान्यता प्रक्रिया को लचीला करें। इसके अलावा जो जमीन की बाध्यता है, उसे समाप्त करें ताकि सभी छोटे-बड़े स्कूल आसानी से मान्यता ले सके। इसके साथ ही अपने विद्यालय का संचालन सफलतापूर्वक कर सके। बता दें कि समारोह की अध्यक्षता रंजीत खत्री ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम सरकार के साथ चलने और उनका सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। लेकिन सरकार का जो फरमान है और विद्यालयों के ऊपर जो कार्रवाई की जा रही है। सरकार इसे वापस ले और यू डाइस प्राप्त विद्यालय को बिना किसी शर्त के मान्यता दें। वहीं, इस दौरान विनय केशरी ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में समाज के बच्चों को शिक्षित कर रहे है। शिक्षा दान महादान है। उन्होंने सरकार से मांग की सरकार सभी स्कूलों को यू डाइस को आधार के पर मान्यता दें। इस मौके पर रांची और आसपास के विभिन्न विद्यालयों के संचालक व उनके शिक्षक शामिल रहे।

राज्यपाल ने किया 28वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के प्रतिभागियों से संवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को राजभवन में '28वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2025' में राज्य के प्रतिभागियों से संवाद किया। महोत्सव 10 जनवरी से 12 जनवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगा। राज्यपाल ने सभी चयनित प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह महोत्सव न केवल युवाओं के कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर है, बल्कि भारत की विविध और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी उजागर करता है। उन्होंने कहा कि आप अपनी कला, ज्ञान और कौशल को प्रस्तुत कर राज्य और देश का नाम रोशन करें। आप अपनी प्रतिभा से विशिष्ट पहचान स्थापित करें एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। राज्यपाल ने प्रतिभागियों के साथ स्टार्ट अप से संबंधित उनके विचार साझा किए। साथ ही युवाओं को प्रेरित किया कि वे रचनात्मक सोच और समाधान आधारित दृष्टिकोण अपनाकर राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाएं। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने प्रतिभागियों को बेहतर पीपीटी प्रस्तुति के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि प्रस्तुति ऐसी हो जो श्रोताओं में उत्सुकता जगाए और उसमें समाधान प्रस्तुत करने की स्पष्टता हो। कार्यक्रम में युवाओं ने मेकिंग इंडिया स्टार्टअप कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड, टेक फॉर विकसित भारत, एंपावरिंग वूमेन एंड इंफ्रविंग, सोशल एंपावरिंग वूमेन एंड इंफ्रविंग सोशल इंडिकेटर, एनहांसिंग प्रोडक्टिविटी इन एग्रीकल्चर विषयों पर पीपीटी प्रस्तुत दी। इस दौरान राज्यपाल ने '28वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025' के वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव, सचिव, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग मनोज कुमार, निदेशक, खेलकूद एवं युवा कार्य संदीप कुमार, राज्य निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन ललिता कुमारी एवं युवा प्रतिभागी उपस्थित थे।

68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता अंतर्गत अंडर 19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का हुआ समापन

- केरल दोनों वर्गों में 138 अंको के साथ बना ओवरआल चैंपियन, बालिका वर्ग में महाराष्ट्र ओवरआल चैंपियन।
- सीबीएससी की वंशिका को बालिका वर्ग और महाराष्ट्र के सैफ चफेकर को बालक वर्ग में बेस्ट एथलीट का मिला पुरस्कार।
- विजेताओं को कांके विधायक सुरेश बैठा ने किया पुरस्कृत।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 68वी राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता अंतर्गत अंडर 19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हो गया। बुधवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन देशभर के खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स के विभिन्न विधाओं में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। केरल 138 अंको के साथ अंडर 19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का ओवरआल विजेता बना। केरल के बाद 123 अंक के साथ महाराष्ट्र और 104 अंको के साथ तमिलनाडु प्रतियोगिता में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहा। बालक वर्ग में बेस्ट एथलीट का पुरस्कार महाराष्ट्र के सैफ चफेकर को मिला। सैफ 1,134 अंको के साथ पहले स्थान पर रहे, दूसरे स्थान पर 1,068 अंको के साथ कर्णाटक के चिरनाथ और केरल के सरवन केसी ने 1,042 अंको के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में सीबीएससी की वंशिका 988 अंको के साथ पहले स्थान पर रही, 968 अंको के साथ तमिलनाडु की थिया दूसरे और 951 अंको के साथ दिल्ली की हर्षिता गोस्वामी तीसरे स्थान पर रही। महाराष्ट्र के सैफ चफेकर और सीबीएससी की वंशिका को बेस्ट एथलीट का पुरस्कार दिया गया। बुधवार को पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में कांके के विधायक सुरेश बैठा आयोजन में शामिल हुए और विजेताओं को पुरस्कृत किया।

झारखंड को मिले तीन पदक

मेजबान झारखंड को 68वी राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता अंतर्गत अंडर 19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कुल तीन पदक मिले। झारखंड को 400 मीटर दौड़ बालक वर्ग प्रतियोगिता, बालिका वर्ग लॉन्ग जंप और बालिका वर्ग 400 मीटर हर्डल रेस में पदक प्राप्त हुआ है। 400 मीटर दौड़ बालक वर्ग प्रतियोगिता में झारखंड के साकेत मिंज ने स्वर्ण पदक जीता है। बालिका वर्ग लॉन्ग जंप में झारखंड की प्रीती लकड़ा को स्वर्ण पदक और बालिका वर्ग 400 मीटर हर्डल रेस में झारखंड की शिवानी कुमारी को रजत पदक प्राप्त हुआ है। झारखंड पदक तालिका में 33 अंको के साथ नौवे स्थान पर है।

आयोजित हुए कुल 41 इवेंट, अब 11 जनवरी से 14 जनवरी तक अंडर 14 एथलेटिक्स की तैयारी

68वी राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता अंतर्गत अंडर 19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कुल 41 इवेंट्स में खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। केरल 138 अंको के साथ अंडर 19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का ओवरआल विजेता बना। 68वी राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत झारखंड में अब दिनांक 11 जनवरी, 2025 से दिनांक 14 जनवरी, 2025 तक अंडर 14 एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं होंगी। झारखंड को वर्ष 2024-25 के अंतर्गत चार खेल आयोजनों की मेजबानी मिली है। राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से सफल आयोजन की तैयारी शुरू कर दी गयी है।

संक्षिप्त खबरें

मर रहे किसान, कृषि विभाग दृष्टिहीन : जेपी जनता दल

रांची : झारखण्ड के किसान मर रहे हैं। सब्जियों का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण वह तबाह हैं। मगर सरकार का कृषि विभाग दृष्टिहीन है। उसे कुछ नजर नही आ रहा। झारखण्ड जेपी जनता दल संगठन मंत्री पंकज मिश्र ने केंद्र और राज्य सरकार पर किसानों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की आमदनी दूनी करने की बात कही। जिसका नतीजा सिफर साबित हुआ। झारखण्ड सरकार भी चुनाव के समय बढ चढ़कर वायदे की। वास्तविकता यह है कि किसान हरी सब्जियों के खेत में ट्रैक्टर चला कर फसल बर्बाद कर रहे हैं या फिर जानवरों को खिला रहे हैं। सही दाम नही मिलने के कारण बची खुची उम्मीद बिचौलिए औने पौने दाम पर खरीद लेते है। आर्थिक रूप से किसान टूट चुके हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों को इन सब बातों से कोई मतलब नहीं। पूरी सरकार का फोकस मइंया योजना पर है। सरकार लाभुकों के खाते में राशि भेजने को ही अपना दायित्व मान रही। जेपी जनता सरकार से किसानों के हितों में योजना बनाने और आगामी बजट किसानों के नाम समर्पित करने का आग्रह करती है ताकि देश के अन्नदाता खुशहाल हो सकें।

बाबूलाल ने शेख भिखारी और टिकैत उमरांव के बलिदान दिवस पर किया नमन

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के स्वतंत्रता सेनानी शेख भिखारी और टिकैत उमरांव सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें शत-शत नमन किया। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें सादर नमन। मरांडी ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा को भी जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। साथ ही बाबा बैद्यनाथ से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की है।

मंईयां को सम्मान देने के लिए राज्य के सभी मंत्री अपनी सुविधाओं में करें कटौती : विजय शंकर नायक

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कहा कि मंईयां को सम्मान देना राज्य की आधी आबादी का आर्थिक रूप से सशक्तिकरण करना है जो स्वागत योग्य कदम है जिसका आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच स्वागत करता है। नायक ने आगे कहा कि मंईयां सम्मान सरकार दे रहीं है तो दूसरी ओर कई माह से वृद्धावस्था पेंशन/ विधवा पेंशन/ छात्रवृति की राशि बंद हो गई है जो वृद्धावस्था पेंशन/ विधवा पेंशन तथा अनु जाति/जनजाति के छात्र छात्राओं के साथ घोर अन्याय है। इसलिए हेमंत सरकार को चाहिए कि सबका साथ सबका विकास के मॉडल को अपनाते हुए एक अधिसूचना जारी करें कि राज्य के सभी मंत्री सिर्फ एक एस्कार्ट्स पुलिस सुरक्षा बल गाड़ी और एक मंत्री की सरकारी गाड़ी का ही सिर्फ उपयोग करें। अभी वर्तमान मे सभी मंत्री बहुत विभागो के मंत्री है वे सभी विभागों की गाड़ी को अपने काफिला मे शामिल कर बेवजह सरकारी राशि की फिजूलखर्ची को बढ़ावा दे रहे है जो राज्यहित मे नहीं है। नायक ने यह भी कहा कि आज जो मंईयां सम्मान योजना को सफल बनाने के लिए राज्य के विकास की राशि को सभी विभागों से 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत राशि जो विकास की राशि है उसको कन्वर्ट कर मंईयां लोगों को राशि दी जा रही है वह राज्य की गरीब जनता के लिए शुभ नहीं है। इस योजना को सफलतापूर्वक चलाने के लिए गैर योजना एवं स्थापना मद में व्यापक रुप से। कटौती करने एवम फिजूलखर्ची पर रोक लगाने की दिशा मे सख्ती से कदम उठाया जाना चाहिए और सरकार को अपना आंतरिक संसाधन को विकसित कर वित प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा मे ठोस पहल करना चाहिए ना कि राज्य के विकास की राशि को दुसरे मद मे खर्च करके वाह-वाही लुटना गरीब राज्य के लिए अच्छे संकेत नही है मैया सम्मान योजना चलता रहे और हर मईया को सम्मान मिलता रहे मगर योजना की राशि की कटौती कर के नहीं।

झारखंड में पड़ रही कड़ाके की ठंड, छाया रहेगा कोहरा

रांची : झारखंड में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। राजधानी रांची में बुधवार को सुबह कोहरा छाया रहा। धीरे-धीरे मौसम साफ हुआ। राज्य के 11 जिलों में 9 जनवरी को घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ जिले में कहीं-कहीं घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेंटीग्रेड की गिरावट आ सकती है। इसके बाद अगले 2-3 दिन में इसमें किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटे के दौरान डाल्टनगंज में हल्के दर्जे की बारिश हुई। नौ और दस जनवरी को कोहरा छाया रहेगा जबकि 11 से 14 जनवरी तक कोहरा के बाद आंशिक रूप से बादल छाये रहने की संभावना है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में डाल्टनगंज का अधिकतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस संबंध में रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेंटीग्रेड लातेहार में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 29.4 डिग्री सेंटीग्रेड चाईबासा में रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य के एक स्थान डाल्टनगंज में बहुत हल्के दर्जे की वर्षा हुई। राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा भी देखा गया।

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनीं लोगों की समस्याएं, जल्द समाधान करने का दिया आश्वासन

रांची : रांची उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने जनता दरबार में लोगों से मुलाकात की। उपायुक्त ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि संज्ञान में आये शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द समाधान किया जाएगा। जनता दरबार के दौरान ही उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा आये शिकायत के संबंध में संबंधित अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया कि सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए जल्द से जल्द समाधान करें। साथ ही शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए यथाशीघ्र प्रतिवेदन उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करने का निर्देश भी उन्होंने दिया। जनता दरबार में आए लोगों से उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभ के संबंध में भी जानकारी ली। लोगों ने बताया कि घर की महिलाओं को योजना का लाभ मिल रहा है। जिसपर उपायुक्त ने कहा कि योजना के तहत मिल रही सम्मान राशि का सदुपयोग करें।

एक नजर

आभाविप के कार्यकर्ता ने दी छात्र नेता शुभम हजारी को बधाई

धनबाद: कतरास कॉलेज में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता और शिक्षको ने फूल एवं माला पहना के दिया बधाई। धनबाद में आयोजित अभाविप के 25वें प्रांतीय अधिवेशन में कतरास का गौरव बढ़ा है। अधिवेशन में श्री शुभम हजारी को झारखंड प्रांत के प्रदेश कार्यकारणी सदस्य नियुक्त किया गया। जिले में छात्र हितों के लिए कई सफल आंदोलन किये, जिसमें शिक्षा सुधार व छात्र अधिकारों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। संगठन को मजबूत बनाने में अहम योगदान रहा हैं। प्रदेश स्तर पर दायित्व सौंपे जाने पर कतरास नगर इकाई ने आभार व्यक्त किया है। मौके पर मौजुद कतरास कॉलेज के शिक्षक डॉ बिना झा, डॉ धनंजय पाठक, गोपाल केवट, शिवम, आनंद, शुभम सिंह, सौरव गुप्ता, रोहित राज,एवं अन्य के साथ साथ युवा मोर्चा कतरास मंडल महामंत्री विवेक हजारी ने भी दी बधाई ।

ठंड में वृद्ध व असहायजन की सेवा करना हमारा प्रथम कर्तव्य : विधायक

धनबाद : इस कड़ाके की ठंड और शीतलहर में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। बाघमारा विधायक शत्रुधन महतो ने मलकेरा एवं कंचनपुर पंचायत में गरीबों जरूरतमंदो के बीच आज बुधवार को कंबल वितरण किया। विधायक शत्रुधन महतो ने कहा कि ठंड को देखते हुए गरीब जरूरतमंद के लिए कंबल वितरण किया जा रहा है। क्षेत्र के जरूरतमंदों तक कंबल पहुंचानें का काम करेंगे ताकि उन्हे ठंड से कुछ राहत मिले। हमारा एक ही लक्ष्य है कि अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचे एवं किसी गरीब को ठंड से नहीं ठिठुरने दिया जाएगा। कड़ाके की ठंड में वृद्ध व असहायजन की सेवा करना हमारा प्रथम कर्तव्य है। वही इस कड़के की ठंड में कम्बल प्राप्त करने के बाद गरीब जरूरत मंदो के चेहरे खिले हुए दिख रहे थे।

ग्राहक सेवा केन्द्र बंद, ग्राहक परेशान

बोकारो : चास प्रखण्ड जिला परिषद मार्केट बिजुलिया स्थित ग्राहक सेवा केन्द्र एक माह से बंद है, जिसके कारण ग्राहक परेशान हो रहे हैं। ग्राहक पति दिन ग्राहक तथा पैंशन धारी ग्राहक सेवा केन्द्र पहुँचते हैं, घंटो इंतजार कर निराश हो घर लोट जातेहै। मईया योजना के लाभुक भी परेशान हो रहे हैं । ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक अब्दुल कादिर ने ने बताया कि बहुत जल्द ही केन्द्र खुलेगा। तकनीकी समस्या है। विभाग को सुचना दिया गया है।

सुकन्या फाउंडेशन ने मनायी सावित्री बाई फुले की जयंती

बोकारो : आधी आबादी, आधी हक, के आवाज को बुलंद करने एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के दिशा में लगातार काम कर रही सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमेटी के प्रधान कार्यालय चास में आज देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले के जयंती संस्था के संस्थापक सह सचिव अमल दास जी ने उनके छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर मनाया गया,संस्था के संस्थापक ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि माता सावित्री बाई ने अपने मेहनत एवं उनके पति के सहयोग से महिलाओं के लिए देश में पहला स्कूल खोले थे इसी लिए उनको शिक्षा के माता कहा जाता है।

बीएसएल में ग्रीनको रेटिंग सिस्टम शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारतीय उद्योग परिसंघ के द्वारा विकसित ग्रीनको रेटिंग सिस्टम उत्पादन कंपनियों को पर्यावरण को बेहतर बनाने में सहायता प्रदान करता है.ग्रीनको रेटिंग सिस्टम ऊर्जा के क्षेत्र में दस मुख्य कारकों दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, अपशिष्ट प्रबंधन, सामग्री संरक्षण, पुनर्चक्रण हरित आपूर्ति श्रृंखला, उत्पाद भण्डारण, जीवन चक्र मूल्यांकन, पर्यावरण और हरित बुनियादी ढांचे के लिए नवाचार और पारिस्थितिकी जैसे प्रथाओं के मूल्यांकन और उन्हें बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। बुधवार को बी एस एल के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में भारतीय उद्योग परिसंघ के द्वारा विकसित ग्रीनको रेटिंग सिस्टम पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यकारी निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक सुरेश रंगानी के द्वारा परंपरागत तरीके से दीप प्रज्वलित कर शुरू किया गया। इस मौके पर अधिशासी निदेशक सी आर मिश्रा ,अधिशासी निदेशक विकास मनवटी, बी जी एच के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय, भारतीय उद्योग परिसंघ के श्री सी शिवानंद, विवेक कुमार सिंह एवं रवि कुमार के साथ मुख्य महाप्रन्धक, विभागाध्यक्ष तथा वरीय अधिशासीगण उपस्थित थे. उल्लेखनीय है कि बोकारो स्टील प्लांट को सेल की पहली इकाई के रूप में ग्रीनको रेटिंग सिस्टम के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चुना गया है. बी एस एल में इसके परिचालन और कार्यान्वयन के आधार पर इस सिस्टम को सेल के अन्य इकाइयों में लागु करने का निर्णय लिया जाएगा। वर्तमान में, 1000 से अधिक इकाइयाँ अपनी वृद्धि के लिए ग्रीनको रेटिंग को लागू करने पर काम कर रही हैं। ग्रीनको को अपनाने के बाद कंपनियों को 3500 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत हुई है। एन पी श्रीवास्तव , महाप्रबंधक ने सभी लोगों का स्वागत किया। नितेश रंजन, सहायक महाप्रबंधक के द्वारा बोकारो स्टील में अपनायी गयी प्रक्रियाओं पर एक प्रस्तुतीकरण किया गया। भारतीय उद्योग परिसंघ के ग्रीनको टीम के द्वारा भी एक प्रस्तुतीकरण किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्रॉस फंक्शनल टीमों का गठन किया गया है जो मिलकर ग्रीनको रेटिंग प्रणाली के लागु करने के बारे में काम करेंगी। कार्यक्रम का आयोजन बिजनेस एक्सीलेंस विभाग के विभागाध्यक्ष ऐ के सिन्हा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का सञ्चालन बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की वरीय प्रबंधक सुश्री देव्यानी चक्रवर्ती ने किया तथा कार्यक्रम का समापन सुश्री अनुपमा तिवारी, महा प्रबंधक के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

मिनी संत जेवियर स्कूल में मनायी गयी सावित्रीबाई फुले की जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : देश की प्रथम महिला शिक्षक सावित्री बाई फूलों जी की जयंती सेक्टर 12 मिनी संन जेवियर स्कूल मैं मनाई गई जहां स्कूल की संस्थापिका धर्मशिला त्रिपाठी ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि कर कहां की आज के समाज में सावित्रीबाई फुले जैसी समाज सुधारक महिला की जरूरत है वही बोकारो विकास फोरम के अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि सावित्रीबाई फुले जिनकी जयंती मनाने हम लोग आए हैं पहली महिला शिक्षक जिन्होंने भारत में पहली बार महिलाओं का स्कूल अंग्रेजी हुकूमत में खोलकर महिला सशक्तिकरण महिला सम्मान अधिकार की लड़ाई लड़ इस देश की सभी महिलाओं को शिक्षित करने का काम किया ऐसी महान वीरांगनाओं को हम सच्ची श्रद्धांजलि तभी दे पाएंगे जब हम समझ में महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचार और जुल्म के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए आगे आएंगे मैं देश के शिक्षा मंत्री से मांग करता हूं कि सीबीएसई बोर्ड एवं राज्य सरकार बोर्ड के सभी इतिहास के सिलेबसों में सावित्रीबाई फूलों की जीवनी पढ़ना अनिवार्य करें ताकि हमारी नई जनरेशन उनके सिद्धांत और विचारों पर अमल कर नए समाज का निर्माण कर सके कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थे नितेश मिश्रा, सुषमा, शिशिर, जयशंकर, पूजा, सुमन, प्रतिभा, अमरनाथ लाल दास मौजूद रहे।

सावित्रीबाई फुले की जयंती मनायी गयी पारिवारिक सहायता केंद्र ने किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : माता सावित्रीबाई फुले 194वा जयंती समारोह विदित हो कि पारिवारिक सहायता केंद्र के तत्वाधान में विस्थापित चौक सेक्टर 8 सी बोकारो इस्पात नगर में माता सावित्रीबाई फुले की 195 वां जयंती समारोह मदन मोहन महतो के अध्यक्षता एवं जयप्रकाश महतो के संचालन में संपन्न हुए कार्यक्रम में सर्वप्रथम माता सावित्रीबाई फुले के तस्वीर में पुष्प अर्पित कर नमन की गई तथा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मदन मोहन महतो ने कहा पितृ सत्तात्मक समाज में बालिकाओं महिलाओं के सामाजिक उत्थान हेतु संघर्ष के साथ शिक्षा का अलख जगाने वाली रूढ़िवादी अंधविश्वास पाखंडवाद ऊंच -नीच और भेदभाव के खिलाफ महिलाओं को जागरुक करते हुए शिक्षा हेतु विद्यालय का निर्माण कर समाज में एक सामाजिक क्रांति का आगाज माता सावित्रीबाई फुले ने किया गुलाम भारत के प्रथम महिला शिक्षिका बनने का गौरव तथा मुस्लिम महिलाओं में प्रथम शिक्षिका फातिमा शेख का नाम भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाना चाहिए वर्तमान दौर में महिलाओं द्वारा हर क्षेत्र में क्रांति के साथ शीर्ष पदों पर आसीन होने का श्रेय माता सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख जी को जाता है पारिवारिक सहायता केंद्र, केंद्र सरकार से मांग करती है माता सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख को भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करें कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संतोष कुमार महतो, समरेश कुमार महतो ,उमेश प्रसाद महतो, देवरंजन कुमार, धनेश्वर महतो, जेपी कुमार, मनोज कुमार ,जयप्रकाश कुमार, शंकर कुमार, अजीत कुमार, सुधीर कुमार, रिजवान अंसारी ,केशव नाथ प्रसाद, केपी यादव, एस डी प्रसाद, परशुराम सिंह, आकाश कुमार सिंह, गोलक सिंह, नारायण ठाकुर, सुरेश प्रसाद महतो, उपस्थित थे ।

ईएसएल स्टील ने एनसीक्यूसी में ऐतिहासिक सफलता का मनाया जश्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ई एस एल स्टील लिमिटेड ने एबीवी-आईआईआईटीएम, ग्वालियर में आयोजित राष्ट्रीय गुणवत्ता अवधारणा सम्मेलन 2024 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। 607 कंपनियों की 2,227 टीमों और 12,000 से अधिक प्रतिनिधियों के चुनौतीपूर्ण पूल के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, ई एस एल ने प्रतिष्ठित पार उत्कृष्टता पुरस्कार और 2 उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त की। ई एस एल स्टील द्वारा पुरस्कार विजेता परियोजनाएं एसएमएस रिफ्रैक्टरी की टीम उड़ान को पार उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया जिसमें कुमार दिवाकर, प्रियदर्शिनी और जितेंद्र कुमार शामिल थे। उनकी परियोजना के लिए जिसने एसएमएस के अब तक के सबसे अधिक बीओएफ जीवन को प्राप्त किया जबकि सबसे कम विशिष्ट रिफ्रैक्टरी खपत दर्ज की। उत्कृष्टता पुरस्कारों ने दो उत्कृष्ट टीमों को उनके अभिनव योगदान के लिए मान्यता दी। टीम प्रयासः एसएमएस, जिसमें जयदेव मुर्मू, अरिंदम कोटल और अभिनीत कुमार शामिल हैं, को उनके प्रोजेक्ट के लिए सम्मानित किया गया। जिसने एसएमएस में विशिष्ट नाइट्रोजन की खपत को काफी कम कर दिया। इसके अलावा, बार मिल की टीम परिवर्तन , जिसमें सुभेंदु बनर्जी, शालू राज और ऋचा शुक्ला शामिल हैं, ने हुकिंग को कम करने और मिल की उपलब्धता बढ़ाने की अपनी पहल के लिए प्रशंसा अर्जित की। सफलता की यात्रा को ई इस एल की व्यावसायिक उत्कृष्टता टीम के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध और क्रियान्वित किया गया, जिसने आंतरिक चयन और तैयारी प्रक्रिया का प्रबंधन किया। इस व्यापक प्रयास में प्रारंभिक स्क्रीनिंग शामिल थी, जहां CCQC 2024 उत्कृष्टता विजेताओं को एक संरचित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से चुना गया था। तकनीकी और गुणवत्ता पद्धतियों में टीमों की विशेषज्ञता का कड़ाई से मूल्यांकन करने के लिए एक ज्ञान परीक्षण, केस स्टडी ड्राफ्टिंग, जिसमें नवीन समाधानों और मापने योग्य परिणामों पर प्रकाश डालने वाले विस्तृत केस स्टडी विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

जोहर स्थान के पुनरुत्थान के लिए किया गया भूमि पूजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो व गिरीडीह सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी बाघमारा विधानसभा अंतर्गत दरिदा, सिंदवारटांड़ में जोहर स्थान पुनरुत्थान एवम भूमि पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ विधिगत पूजन कर संयुक्त रूप से फीता काटकर आदिवासी समाज को समर्पित किए,जहां आदिवासी समाज ने माननीय विधायक जी को आदिवासी समाज के प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया। संपूर्ण आदिवासी समाज को संबोधित करते हुए माननीय विधायक जी कहे आज मैं अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि आपके समाज द्वारा आदिवासी समाज के धर्म, संस्कृति के बहुलता को प्रशस्त करने हेतू जोहर जैसे पवित्र स्थान का भूमि पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ,हम सभी प्रयासरत हैं जितना जल्द से जल्द आदिवासी समाज के पवित्र जोहर स्थान का निर्माण कार्य प्रारंभ हो सकें। इसके उपरांत दरिदा के ग्रामीणों के जन समस्या से अवगत होकर तत्काल समाधान का दिशा निर्देश दिए। मौके पर आदिवासी समाज ने बाघमारा विधायक को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित व अभिनंदन किए।

स्टील प्लांट के विकास और रोजगार के मुद्दों पर विधायक ने सेल चेयरमैन से की वार्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विधायक श्वेता सिंह और किमश नेता संग्राम सिंह ने सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश से विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त जनसमस्याओं को लेकर वार्ता की। इस अवसर पर श्वेता सिंह एवं संग्राम सिंह ने सर्व प्रथम बोकारो वासियों के तरफ से नए वर्ष की शुभकामना दी साथ ही जनहित में लंबित अहम 20 सूत्री बिंदुओं पर चर्चा किया। वर्तमान समय में बोकारो स्टील प्लांट के विस्तारीकरण की प्रक्रिया में सक्रियता बढ़ाने के संदर्भ में बात हुई और बोकारो की जनता के हित में आवाज उठाते हुए सिंह ने कहा कि प्रबंधन को जनता के रोजगार हित में कब से कार्य शुरू होगा। सेल बोकारो स्टील प्लांट की ग्रीन फील्ड परियोजना जिससे कि प्लांट का उत्पादन 12 मिलियन टन पहुंचेगा जिसके कारण राज्य सरकार और केंद्र सरकार के साथ साथ क्षेत्र की जनता के लिए भी रोजगार और विकास का लाभ सुनिश्चित होगा यह कार्य कब तक शुरू होगा और कब तक यह कार्य धरातल पर उतरेगा। इस कार्य को धरातल पर उतारने के लिए अभी तक क्या प्रतिक्रिया हुई है इसे जनता के बीच में साझा करे। बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन का बोकारो एयरपोर्ट कब से शुरू होगा अगर विलंब है तो क्या कारण है। बोकारो सेल प्रबंधन जल्द से जल्द एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को एयरपोर्ट के संचालन हेतु जो राशि का भुगतान करना है इसे कब तक किया जाएगा ज्ञात हो कि राउरकेटा सेल प्रबंधन द्वारा वहा निर्मित एयरपोर्ट का राशि एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को भुगतान कर दिया गया है जहां जनता के लिए विमान सेवा अब शुरू होने जा रही है। इन सभी मामलों को जनता के बीच पहुंचाने का कार्य करे और जल्द से जल्द जनहित में एयरपोर्ट को शुरू करवाए। बोकारो स्टील प्रबंधन एवं झारखंड प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सांझा पहल पर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाने की बात थी लेकिन वर्तमान समय तक यह कार्य धरातल पर नहीं उतर पाया है अगर यह कार्य करने के लिए झारखंड प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन तैयार नहीं है तो यह जमीन राज्य सरकार को दिया जाए राज्य सरकार इसको प्राथमिकता में रखते हुए यह कार्य जल्द से जल्द जनता के हित में धरातल पर उतारने के लिए सकारात्मक पहल सुनिश्चित करेगी।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने चलाया संगठन पर्व सदस्यता अभियान

धनबाद : भारतीय जनता युवा मोर्चा धनबाद महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल के नेतृत्व में कई जगह सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें काफी संख्या में लोगो को भाजपा का सदस्य बनाया गया। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज बुधवार को धनबाद महानगर पहुंचे उनका जोरदार स्वागत किया गया। इसी संदर्भ में बुधवार को बाघमारा विधानसभा के जेएनएम कॉलेज ग्राउंड में सदस्ता अभियान कार्यक्रम हुई जिसमें 476 सदस्य बनाए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा शामिल हुए। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने अपने संबोधन में कहा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पूरी मुस्तैदी के साथ सदस्ता अभियान में लग चुके है, धनबाद महानगर अपने पूर्व के रिकार्ड को तोड़े, आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी ओर सदस्यता वाला दल भाजपा ही है, जनता भाजपा की सदस्यता लेना चाहती है यह देखने को मिल रहा है।भारत माता को परम बैभव के शिखर पर ले जाने के संकल्प को लेकर पार्टी कार्यकर्ता कटिबद्ध है। पूरे उत्साह के साथ संगठन महापर्व सदस्यता अभियान में लोगों को जोड़े। विधायक शरद महतो ने अपने संबोधन में कहा सदस्यता वहां पर अपने सभी को शामिल होना चाहिए भाजपा के सदस्य बनने से कोई छोटा नहीं या ध्यान रहे भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो लगातार कार्यक्रम करती है। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने कहा संगठन पर्वत सदस्यता अभियान में ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ना है इसके लिए चौराहो नुक्कड़ों,कॉलेज परिसरों सहित सभी सार्वजनिक स्थानों पर कैंप लगाए जाएंगे। साथ ही अधिक से अधिक चिकित्सक, शिक्षक खिलाड़ी अधिवक्ता गीतकार संगीतकार चित्रकार इंजीनियर सहित विभिन्न वर्गों के प्रबुद्ध जनों को भाजपा का सदस्य बनाना है। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री तमाल राय ने किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा ने अपने विचार व्यक्त किये एवं कार्यकर्ताओ मे ऊर्जा भरने का कार्य किया।

अखिल भारत किन्नर समाज के महाअधिवेशन में शामिल हुईं उपायुक्त

धनबाद: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा बुधवार को अखिल भारत किन्नर समाज के महाअधिवेशन में शामिल हुई।

इस अवसर पर सभी को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ने थर्ड जेंडर के अधिकारों को लागू करने और उसकी निगरानी करने के लिए एक अलग सेल का गठन किया है। इसलिए थर्ड जेंडर को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। सबके लिए समान व्यवहार, समान अधिकार और समान अवसर प्रदान करने तथा समाज के अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं को क्रमशः लागू करने के लिए सरकार के साथ साथ धनबाद जिला प्रशासन भी प्रतिबद्ध है।

साथ ही कहा कि समाज के लोग दुनिया भर में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। इससे अन्य लोग प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि अधिवेशन में जो सीखा है, उसे अपने जीवन में अवश्य उतारें।

महाअधिवेशन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सहयोग प्रदान करने के लिए किन्नर समाज ने उपायुक्त को बहुत दुआएं दी। साथ ही शॉल ओढ़ाकर और मोमेंटो प्रदान कर उपायुक्त को सम्मानित किया। इस मौके पर उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, किन्नर समाज की झारखंड प्रदेश अध्यक्ष छम छम देवी नायक, आलव्या नायक, बबीता नायक, ज्योति नायक, जोधाबाई नायक, अरुणा नायक, लालन नायक, मुन्नी नायक, श्वेता किन्नर, निर्मला किन्नर, रेखा किन्नर, राखी किन्नर आदि मौजूद थे।

बूथ स्तर पर बड़ी संख्या में बनायें भाजपा के नये प्राथमिक सदस्य : रंजीत सिंह

कतरास (धनबाद): भारतीय जनता पार्टी राजगंज मंडल के अंतर्गत बौआकला दक्षिण पंचायत के छोटकी बौआ, नया क्वार्टर व बौआकला उत्तर, पंचायत के सात नंबर कॉलोनी में एवं सेफ होम सोरीटांड में भाजपा राजगंज मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह के नेतृत्व में संगठन महापर्व सदस्यता अभियान विशेष रूप से चलाया गया रंजीत सिंह ने कहा सदस्यता अभियान को सभी पंचायत के बूथ में भाजपा के प्राथमिक सदस्य सभी लोग को बनाना है। सभी लोग मिलकर सदस्यता अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें एवं सभी लोग को 50 सदस्य बनना है। उसके बाद सक्रिय सदस्य बनेंगे इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्रामीण जिला के उपाध्यक्ष एवं सदस्यता प्रभारी मोहन कुंभकार, रमेश महतो, जसवंत सिंह, संजीत सिंह, अमरेश कुमार, लक्ष्मण कुमार, डी के निषाद,डब्लू कुमार, पंकज श्रीवास्तव, पिंटू सिंह, सरजू विश्वकर्मा, धारो भुइयां सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

खनन विभाग ने चलाया सघन जांच अभियान, 3 ट्रैक्टर को किया जब्त

बोकारो: गुरूवार को बेरमो थानांतर्गत बेरमो–अंगवाली दामोदर नदी घाट क्षेत्र में खनन विभाग द्वारा छापामारी अभियान चलाया गया। जिसमें अवैध रूप से बालू खनिज उत्खनन कर उठाव करते हुए 3 ट्रैक्टरों को पकड़ा' गया। जिसे जप्त कर थाना लाने के क्रम में कदमाडीह ग्राम के समीप ग्रामीण महिलाओं द्वारा रोका गया एवं अपराधिक षडयंत्र रचकर उक्त ट्रैक्टरों को जबरन छुड़ा लिया गया एवं सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई। जिसके आलोक में ट्रैक्टर, ट्रैक्टर के मालिक, चालक एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध बेरमो थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उक्त अभियान में खान निरीक्षक सीताराम टुडू, पुलिस बल आदि मौजूद थे। इसकी जानकारी जिला खनन पदाधिकारी श्री रवि कुमार सिंह ने दी।

एक नजर

उपमुखिया रोहित यादव ने अपने वार्ड क्षेत्र में किया कंबल वितरण

बरही : ठंड और शीतलहरी को देखते हुए उपमुखिया रोहित यादव ने अपने वार्ड क्षेत्र में कंबल का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार की यह योजना अत्यंत महत्वाकांक्षी है, लेकिन हर वार्ड और गांव में और भी अधिक संख्या में कंबल वितरित किए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कंबल की गुणवत्ता बेहतर होनी चाहिए, ताकि लोग ठंड से पूरी तरह सुरक्षित रह सकें। साथ ही, रोहित यादव ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से और कंबल मुहैया कराने की अपील की, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल सके।

रसोइया संयोजिका की मांग जायजा है : मनोज यादव

बरही : झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया संयोजिका अध्यक्ष संघ की बैठक प्रखंड परिसर में प्रखंड अध्यक्ष पूनम राणा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में बरही के विधायक मनोज कुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक का संचालन देवंती देवी ने किया। इस मौके पर जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव और जिला अध्यक्ष महेंद्र राम पासवान भी उपस्थित थे। बैठक में प्रखंड अध्यक्ष पूनम राणा ने सभी रसोइया और सहायिकाओं की समस्याओं को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों से रसोइया स्कूलों में सेवाएं दे रही हैं, लेकिन उन्हें मात्र 2,000 रुपये मासिक मानदेय मिलता है। उन्होंने कहा कि यह राशि अत्यंत कम है, जबकि दैनिक मजदूरी की दर 400 रुपये है। पूनम राणा ने मुख्यमंत्री से अपील की कि हटाए गए रसोइयों को फिर से बहाल किया जाए और मानदेय को 3,000 रुपये मासिक किया जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि सभी रसोइयों को संगठन में सदस्यता दिलाकर संकुल कमिटी का गठन करना और प्रखंड सम्मेलन आयोजित करना आवश्यक है, जिसमें जिला अध्यक्ष और प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। विधायक मनोज कुमार यादव ने रसोइया सह संयोजिका की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनकी मांगों को जायज ठहराया। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को विधानसभा में प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि रसोइया और सहायिकाएं स्कूलों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनकी मांगें पूरी तरह से जायज हैं, और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने भी रसोइया सह सहायिकाओं की समस्याओं पर चिंता व्यक्त की और उनके हक की लड़ाई में साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। इस बैठक ने रसोइया और सहायिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनकी आवाज को एकजुट करने का मंच प्रदान किया।

सीसीएल के जीएम तत्काल बंद कराएं अवैध मुहाने, कोयला तस्करों पर हो कार्रवाई : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले में कोयला तस्करी और अवैध कारोबार पूरी तरीके से बंद होगा। बुधवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक में डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार ने इस मामले पर गंभीरता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। रामगढ़ डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता एवं एसपी अजय कुमार की उपस्थिति में आयोजन बैठक में पूर्व में किए गए कार्यों की जानकारी ली गई। इस दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा अवैध मुहानों को बंद करने के तहत किए गए कार्यों की जानकारी ली गई। इस क्रम में उपायुक्त ने कहा कि कहीं से भी अवैध मुहानों से खनन होने की सूचना प्राप्त हो तो त्वरित रूप से उसे अच्छी तरह बंद करें। अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक सुनिश्चित करने एवं अवैध मुहानों की अच्छी तरह से डोजरिंग करने को लेकर उपायुक्त ने सभी संबंधित परियोजनाओं के महाप्रबंधकों एवं एरिया सिक्योरिटी ऑफीसर्स को कार्य करने को कहा।

पूरे जिले में संचालित क्रेशर की होगी जांच

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा अधिकारियों को जिले के अलग-अलग क्षेत्र में संचालित क्रेशर की जांच करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बिना अनुमति अथवा अवैध तरीके से क्रेशर का संचालन करने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने एवं तत्काल रूप से अवैध क्रशरों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया। अवैध खनन अथवा परिवहन के विरुद्ध चलाए गए जांच अभियान के दौरान जप्त किए गए खनिज का नियमानुसार नीलामी आदि के कार्रवाई को लेकर भी बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए।

चिन्हित छह बालू घाटो का जल्द शुरू हो संचालन

बैठक के दौरान जिला खनन पदाधिकारी के द्वारा रामगढ़ जिले के अलग-अलग क्षेत्र में चिन्हित छह बालू घाटों के संबंध में जानकारी दी गई। जिस पर उपायुक्त द्वारा सभी प्रक्रियाएं जल्द से जल्द पूर्ण करते हुए बालू घाटों का नियमित संचालन शुरू करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उपायुक्त के द्वारा जिले के अलग-अलग क्षेत्र में अन्य बालू घाटों को भी चिन्हित कर उनकी बंदोबस्ती हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के संबंध में निर्देश दिए गए।

नरेश साहू ने मजदूरों के बीच किया कंबल वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : भारतीय जनता पार्टी के रांची जिला ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष नरेश साहू के सौजन्य से अंगड़ा प्रखंड के मजदूरों को बहुत ज्यादा कड़ाके की ठंड को देखते हुए कंबल वितरण किया गया। आगे नरेश साहू ने कहा कि इस कड़ाके कि की ठंड को देखते हुएइ गरीब मजदूरों को कंबल देकर मन को बहुत सुकून मिला। मौके पर राजेश महतो सर्मा आदि शामिल थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, लातेहार

सूचना

एतद् द्वारा भवन निर्माण विभाग के सभी संवेदकों को सूचित किया जाता है कि **PR संख्या–343142 Building (24-25).D** एवं ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–**(23/2024-25/EE/BCD/LATEHAR)** द्वारा प्रकाशित ई–निविदा **(Proposed Construction of Swimming Pool at Latehar)** योजना को अपरिहार्य कारण वश रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, लातेहार

PR 343744 Building(24-25).D

सिल्ली प्रखंड में जनता दरबार का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत लोवादाग पंचायत के धरमपुर गांव में जनता दरबार कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार, अंचलाधिकारी अरुणिमा एक्का उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने अपने-अपने समस्याओं से पदाधिकारी को अवगत कराया। वहीं अबुआ आवास का 27 आवेदन, पेयजल का 3, पेंशन का 6 आवेदन आए। साथ ही साथ अबूआ आवास के 7 आवेदन का निष्पादन, पेयजल हेतु कुआं के लिये 3 आवेदन का निष्पादन, पेंशन योजना के 6 आवेदन का निष्पादन किया गया। दूसरी ओर प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि पेयजल की समस्या ज्यादातर है। जिसको देखते हुए पेयजल विभाग को जानकारी दिया गया है ताकि जल्द से जल्द जितने चापाकल खराब है। उसे दुरुस्त किया जाए एवं कुआं भी गांव में दिया गया और वृद्ध व्यक्तियों के बीच कंबल का वितरण किया गया।

शेख भिखारी और टिकैट उमरांव की प्रतिमा पर राजेश कच्छप ने किया माल्यार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : ओरमांझी खिजरी विधायक राजेश कच्छप चुटुपालू शहादत स्थल पहुंच अमर शहीद शेख भिखारी, टिकैत उमराव सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया कहा इन दोनों शहीदों का बलिदान झारखंड के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है। उनका संघर्ष और बलिदान आज भी हमें प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा 1857 भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अमूल्य था। 1856 में जब अंग्रेजों ने राजाओं महाराजाओं पर चढाई करने की योजना बनायी तो इसका अंदाजा भारत के राजाओं महाराजाओं को होने लगा। जब इसकी भनक ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को मिली तो उन्होंने अपने वजीर पाण्डे गणपत राय, दीवान शेख भिखारी, टिकैत उमराव सिंह से मशवरा किया। इन सभी ने अंग्रेजों से लोहा लेने की ठान ली। शेख भिखारी ने बड़कागढ़ की फौज में राँची तथा चाईबासा के नौजवानों को भर्ती करना शुरू किया था। इस तरह उनकी यादों को भुलाई नहीं जाती /मौके पर अब्बास अंसारी कुलेसर मुंडा आदि शामिल थे।

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल,
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, राँची

अल्पकालिन ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0–19/2024-25/EE/BCD/DIV-2,RANCHI. दिनांक–08.01.2025

1.	कार्य का नाम	Raising of Boundary Wall of New High Court of Jharkhand at Dhurwa, Ranchi.
2.	प्राक्कलित राशि (रू0)	राशि रू0 1,68,55,400.00/– (एक करोड़ अरसठ लाख पचपन हजार चार सौ) रूपये मात्र।
3.	कार्य पूर्ण की अवधि	6 (छः) माह
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	16.01.2025 को 11:00 बजे
5.	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	22.01.2025 को 11:00 बजे तक
6.	निविदा प्रकाषित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, राँची।
7.	निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान	24.01.2025 को 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, मुख्य अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, लाईन टैंक रोड, झारखण्ड, राँची
7.	ई–प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	6203309676
8.	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या	7992430721

9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।

- अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

Note:- UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल संख्या–02, राँची।

PR 343827 (Building) 24-25 (D)

बैंक ऑफ इंडिया के खाताधारकों को केवाईसी और पैसा निकासी में हो रही परेशानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : चैनपुर मुख्यालय स्थित बैंक ऑफ इंडिया में खाताधारकों को केवाईसी और पैसा निकासी में परेशानी हो रही है। खाताधारकों ने बताया कि दो से तीन महीने तक में भी केवाईसी नहीं हो रहा है, जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि वे दूर दराज गांवों से भाड़ा लगाकर बैंक आते हैं, लेकिन उनका काम नहीं होता है। कई बुजुर्ग खाता धारक भी बैंक का चक्कर लगा लगाकर परेशान हो रहे हैं।खाताधारकों ने कहा कि पैसा निकासी में भी काफी परेशानी होती है। उन्होंने बताया कि घंटों लाइन लगने के बाद भी जरूरी भर पैसा नहीं मिल पाता है। 10000 का विड्रोल भरने पर भी उन्हें 2000 और 3000 ही दिया जा रहा है। इससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है।जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने खाताधारकों की समस्या को सुना और बैंक पहुंचकर शाखा प्रबंधक से मिलने की कोशिश की। हालांकि, शाखा प्रबंधक उस दिन बैंक में नहीं थे, लेकिन बैंक के अन्य कर्मचारियों ने समस्या की जानकारी ली और बताया कि सिस्टम में प्रॉब्लम होने के कारण समस्या हो रही है, जिसे सुधार किया जा रहा है। जिप सदस्य ने खाताधारकों को हो रही परेशानी का जल्द समाधान करने को कहा और बैंक कर्मियों से कहा कि वे लोगों की समस्या को समझें और उन्हें बेवजह परेशान न करें। उन्होंने कहा कि कई बुजुर्ग खाता धारक दूर दराज गांवों से ऑटो में भाड़ा देकर बैंक में अपना काम करने के लिए आते हैं और उनका काम नहीं होने से उन्हें बार-बार बैंक आने में काफी परेशानी हो रही है।

सड़क के निर्माण की मांग लेकर सैकड़ों ग्रामीण सड़क पर उतरे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : एनएच 23 पलमा - गुमला सड़क चौड़ीकरण के निमित भरनो के पलमाडीपा एलिफेंट अंडर पास ब्रिज के पास तुरीअम्बा पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण सड़क पर उतरकर सर्विस सड़क बनाने को लेकर आंदोलन किया। ग्रामीणों ने कुछ देर निर्माण काम को भी बंद करा दिया। ग्रामीण ब्रिज के दोनों ओर सर्विस सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं। पूर्व में ही ग्रामीणों ने सर्विस सड़क बनाने की मांग को लेकर एनएचएआई,उपायुक्त गुमला एवं आरकेडी कंपनी को आवेदन दिया है। इस पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है । इसके बाद बुधवार को ग्रामीण सड़क पर उतरे। सूचना पर एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजीव रंजन, आरकेडी कंपनी के जीएम संदीप सिंह एवं साइड इंचार्ज सुब्रतो दास कार्यस्थल पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनी। ग्रामीणों ने कहा कि पलमा डीपा के पास मेन रोड एलिफेंट अंडर पास ब्रिज के दोनों ओर सर्विस सड़क बनाया जाय।

कार्यालय, जिला परिवहन पदाधिकारी, राँची।
प्रेस विज्ञप्ति
वाहन स्वामियों के लिए आवश्यक सूचना

सचिव, परिवहन विभाग, झारखण्ड रांची की अधिसूचना सं0– परि0आ0(करमाफी) 120/2020 1067 दिनांक 31.07.2024 के द्वारा झारखण्ड राज्य में निबंधित सभी प्रकार के वाहनों के वाहन स्वामियों को One Time Settlement के रूप में अर्थ दण्ड माफी की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत् कर प्रमादी (Tax Defaulter) वाहनों को अधिसूचना की निर्गमन की तिथि से 180 दिनों के भीतर की अवधि में बकाया पथकर के अतिरिक्त 50% अर्थदण्ड की राशि जमा करने पर उस वाहन पर देय अर्थ दण्ड, जो भी होगा, की माफी करने एवं उक्त वाहन को विनियमित किया जायेगा अर्थात यह कर माफी का प्रावधान दिनांक 26.01.2025 तक है। इस तिथि के पश्चात् पुनः कर प्रमादी (Tax Defaulter) वाहनों पर पथकर पूर्ववत की तरह ही रहेगा।

जिला परिवहन पदाधिकारी,
राँची।

PR 343784 Transport(24-25)D

बीबी पाण्डेय की पहल और ब्रह्म पिंड बना आध्यात्मिक केंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मझिआंव : शिक्षा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में अपनी अनुकरणीय सेवाओं के लिए पहचाने जाने वाले बृजबिहारी पांडेय, जो अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रह चुके हैं, ने अपने पैतृक गांव दलको में विकास और समर्पण की एक नई मिसाल पेश की। सोमवार को उन्होंने गांव के उत्तर में स्थित ध्वस्त हो चुके प्राचीन देवबृक्ष पीपल के स्थान पर नया पीपल का पौधा लगाकर अपने गांव की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। इस मौके पर श्री पांडेय ने भावुक होकर कहा, ₹जैसे-जैसे यह पीपल का पौधा बढ़ेगा, वैसे-वैसे मेरा गांव भी विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।₹ उन्होंने गांववासियों से अपील की कि वे अपने गांव के उत्थान में हरसंभव सहयोग दें और एकजुट होकर इसके समृद्ध भविष्य की दिशा में काम करें। शिक्षा के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध श्री पांडेय ने देशभर में शिक्षकों के अधिकार, सम्मान और उनकी स्थिति में सुधार के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्राथमिक शिक्षकों की समस्याओं को राष्ट्रीय मंच पर उठाया और उनकी बेहतरी के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए। उनकी यह सेवाएं आज भी शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने शिक्षा को समाज के विकास का आधार मानते हुए कहा, ₹गांव और समाज का विकास तभी संभव है जब हमारी शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो। शिक्षकों का उत्थान शिक्षा के स्तर को सुधारने का पहला कदम है। मंदिर और चबूतरे का पुनर्निमार्णः आध्यात्मिक धरोहर का सृजन गांव की धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं को सहेजने के लिए श्री बृजबिहारी पांडेय ने न 3केवल पीपल का पौधा लगाया, बल्कि इसके साथ एक अत्यंत विशालकाय चबूतरे का भी निर्माण करवाया, जिसे ब्रह्म पिंड कहा जाता है। यह चबूतरा गांव की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को सजीव बनाए रखने का प्रतीक है। इसके साथ ही श्री पांडेय ने गांव के ठाकुर बाड़ी मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। यह मंदिर अब पूरी तरह से विकसित धार्मिक स्थल के रूप में खड़ा है और गांव के श्रद्धालुओं के लिए एक आध्यात्मिक केंद्र बन चुका है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासी और प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इनमें द्वारिका नाथ पांडेय, योगेश्वर पांडेय, ललित शर्मा, कामाख्या नारायण पांडेय, धर्मराज तिवारी, मारकंडे पांडेय, नंदन कुमार पासवान, सुभाष पांडेय, चेतन पांडेय, उज्जवल दुबे और शिवम शर्मा शामिल रहे। सभी ने इस पहल को ऐतिहासिक बताते हुए गांव के विकास में अपना सहयोग देने का वादा किया। श्री बृजबिहारी पांडेय न केवल एक कुशल नेता और समाजसेवी हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं, जो हमेशा समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए प्रयासरत रहते हैं। उन्होंने दिखाया है कि सच्चा नेतृत्व केवल बड़े पदों पर बैठे रहकर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य करके दिखाया जाता है। उनका यह कदम इस बात का उदाहरण है कि गांव का विकास केवल इमारतें खड़ी करने से नहीं होता, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को सहेजकर और सामूहिक भागीदारी से ही हासिल किया जा सकता है।

जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, लातेहार
(जिला पर्यटन, कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)
Email Id- dsoltr2020@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशायलय, झारखण्ड, राँची के कार्यालय पत्रांक–771 दिनांक 01.01.2025 के आलोक में पर्यटन, कला –संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग,झारखण्ड सरकार के अधीनस्थ खेलकूद एव युवाकार्य निदेशायलय, झारखण्ड, राँची के नियंत्रणाधीन लातेहार जिला अन्तर्गत संचालित आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षुओं के रिक्त स्थनों को भरने हेतु प्रतिभा चयन ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 20.01.2025 से 21.01.2025 तक किया जाना निर्धारित है।

विवरणी निम्नवत है :–

क्र	प्रशिक्षण केन्द का नाम	खेल विधा का नाम	वर्ग	आयोजन स्थल	निर्धारित तिथि व समय	रिपोर्टिंग का समय व स्थान
1	आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द, एस0एस0वि0, लातेहार	एथलेटिक्स	बालक	जिला खेल स्टेडियम, लातेहार	20.01.2024	8:00 बजे पूर्वा0
2	आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द, संत तेरेसा उच्च विद्यालय, महुआडांड	एथलेटिक्स	बालिका	संत तेरेसा उच्च विद्यालय, महुआडांड	21.01.2024	8:00 बजे पूर्वा0
3	आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द, संत जोसफ उच्च विद्यालय, महुआडांड	हॉकी	बालक	संत जोसफ उच्च विद्यालय, महुआडांड	21.01.2024	8:00 बजे पूर्वा0

सामान्य दिशा निर्देश:–

1. लातेहार जिलान्तर्गत संचालित आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्रों में निर्धारित खिलाडियो की संख्या के अनुरुप रिक्त स्थानों को भरा जायेगा एवं प्रतिक्षा सूचि तैयार की जायेगी।
2. चयन मानक के आधार पर (बैटरी टेस्ट एवं स्कील टेस्ट) खिलाडियो का परी पर खिलाड़ियों का परीक्षा किया जायेगा एवं परीक्षण परिणामों के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जायेगा।
3. खिलाड़ियों को झारखण्ड राज्य का निवासी होना अनिवार्य होगा।

आवसीय प्रतिभा चयन ट्रायल हेतु निर्धारित दिशा–निर्देश निम्नवत् है :–

1. आवासीय प्रशिक्षण केन्द्रों में नामांकन हेतु 1 अप्रैल 2024 को 10 वर्ष की पूर्ण कर ली होगी एवं 14 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं किया हो। (मान्य जन्म प्रमाण–पत्र/आधार कार्ड के साथ स्कूल का बोनाफाईड प्रमाण–पत्र संलग्न करना पड़ेगा)।
2. ऐसे खिलाड़ी जिनकी आयु 14 वर्ष से अधिक है, लेकिन जिन्होने कम से कम राष्ट्रीय चैम्पयनशिप में भाग लिया हो अथवा राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में पदक प्राप्त किया हो अथवा जिला स्तरीय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया हो, उन्हें आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द में प्रवेश देने हेतु विचार किया जायेगा।
3. मेडिकल फिटनेश–खिलाड़ी को निर्धारित चिकित्सीय परीक्षण में फीट होने पर ही नामाकन किया जायेगा।
4. खिलाड़ी को माता/पिता अभिभावक का सहमति पत्र (Consent Letter) प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

उक्त प्रतिभा चयन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक प्रतिभागी आवेदन पत्र जिला के वेबसाईट www.latehar.nic.in से डाउनलोड कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु संबंधित जिला समन्वयक– श्री लखेश्वर मण्डल, मोबाईल नम्बर 8789303968 एवं खेल प्रशिक्षक (एथलेटिक्स– आलोक कुमार, मोबाईल नम्बर 8084445454, तरसियुस कुजूर मोबाईल नम्बर 8987468713 एवं पिटर किण्डो, मोबाईल नम्बर 9608904087) से सम्पर्क किया जा सकता है।

नोट:– भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ी एथलेटिक्स बालक, जिला खेल स्टेडियम, लातेहार, हॉकी संत जोसफ प्लस 2 उच्च विद्यालय, महुआडांड (बालक), एवं एथलेटिक्स बालिका, संत तेरेसा प्लस 2 उच्च विद्यालय, महुआडांड में रिपोर्टिंग करेंगे। अधिक जानकारी हेतु उपर दिये गये नम्बर पर सम्पर्क करें।

जिला क्रीड़ा पदाधिकारी,
लातेहार।

PR 343773 (District) 24-25 (D)

नये भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों की शक्ति लगे

प्रवासी भारतीय दिवस

ललित गर्ग

दुनिया में सर्वाधिक प्रवासी भारतीय हैं। वर्तमान में खाड़ी देशों में लगभग 8.5 मिलियन भारतीय रहते हैं जो दुनिया में प्रवासियों की सबसे बड़ी आबादी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 4 मिलियन भारतीय हैं। यहाँ मैक्सिको के बाद भारतीयों की दूसरी सबसे अधिक आबादी है। इसके अतिरिक्त कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल सहित अन्य देशों में प्रवासी भारतीयों की बड़ी आबादी रहती है।

प्रवासी भारतीय दिवस भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को चिह्नित करने के लिए हर साल 9 जनवरी को मनाया जाता है। 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी, सबसे बड़े प्रवासी के रूप में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौट थे और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया। यह दिवस भारत सरकार का एक प्रमुख, दूरगामी एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम है, जो विदेशों में बसे भारतीयों को भारत के साथ जोड़ने और आपस में संवाद करने का एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष का 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी 2025 के बीच ओडिशा राज्य सरकार के सहयोग से भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष के इस दिवस की थीम है ह्वविकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदानह्व। यह थीम भारत को आत्मनिर्भर और विश्वस्तरीय विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों के योगदान को रेखांकित करती है। क्योंकि प्रवासी भारतीय आज वैश्विक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण और विशिष्ट शक्ति बन गया है, जो हर क्षेत्र में एक ऊर्जावान और आत्मविश्वासी समुदाय के रूप में विकसित होकर भारत का गौरव बढ़ा रहा है और विभिन्न देशों में उच्च पदों पर स्थापित होकर विश्व मामलों में शानदार योगदान दे रहा है। प्रवासी भारतीयों ने असाधारण समर्पण, प्रतिभा कौशल, लगन और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन करते हुए कला, साहित्य, संस्कृति, राजनीति, खेल, व्यवसाय, शिक्षा, फिल्म परोपकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट बनने के लिए कई चुनौतियों को पार किया है।

दुनिया में सर्वाधिक प्रवासी भारतीय हैं। वर्तमान में खाड़ी देशों में लगभग 8.5 मिलियन भारतीय रहते हैं जो दुनिया में प्रवासियों की सबसे बड़ी आबादी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 4 मिलियन भारतीय हैं। यहाँ मैक्सिको के बाद भारतीयों की दूसरी सबसे अधिक आबादी है। इसके अतिरिक्त कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल सहित अन्य देशों में प्रवासी भारतीयों की बड़ी आबादी रहती है। विदेशों में रहते हुए भी प्रवासी भारतीय अपने देश, अपनी माटी, अपनी संस्कृति एवं अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। आज की तारीख में भारतीय नई शक्ति के तौर पर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर अपना लोहा मनवा चुके हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि पूरी दुनिया में सबसे अधिक पैसा भारतीयों ने अपने देश भेजा है। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चला है कि 2024 में भारत को प्रवासी भारतीयों से 129 बिलियन डॉलर का धन मिला है। यह अब तक का सबसे ज्यादा है। भारत की विकास गाथा लिखने के साथ परोपकारी कार्य करने के लिए प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे गए धन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रवासी भारतीयों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के कारण ही साझा पहचान मिली है। उनकी सफलता का श्रेय उनकी परम्परागत सोच, सांस्कृतिक मूल्य, शैक्षणिक योग्यता एवं प्रतिभा को दिया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर सूचना तकनीक के क्षेत्र में क्रांति में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रवासी भारतीयों की ताकत को देखते हुए और उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए 2002 में एनडीए की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने हर वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का निर्णय किया था।

नौकरी, उद्योग, व्यापार और दूसरे कई कारणों से अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में रहने वालों में भारतीयों की आबादी दुनिया में सर्वाधिक है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और कई अन्य देशों में भारतीय वहां की सरकारों में मंत्री और सांसद तो निर्वाचित हुए ही हैं बल्कि नीति निर्धारक विभागों में उच्च पदों पर आसीन हैं। भारतीयों की खासियत है कि वे जिस भी देश में गए उन्होंने वहां की संस्कृति और संविधान को आत्मसात कर लिया। वहां के व्यापार, उद्योग, चिकित्सा क्षेत्र आदि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भले ही प्रवासी भारतीयों ने वहां का सब कुछ आत्मसात कर लिया है लेकिन वह भारत माता की माटी की सुगन्ध को नहीं भूले। उनकी रगों में भारत की संस्कृति एवं संस्कार रचे-बसे हैं। प्रवासी भारतीयों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता एक वास्तविकता बन सकती है। भारत ने नवंबर 2017 में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायमूर्ति दलवीर भंडारी की पुनर्नियुक्ति के लिए संयुक्त राष्ट्र में दो-तिहाई मत हासिल कर अपने राजनयिक प्रभाव का प्रदर्शन किया। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं।

दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती भी हैं और हरसंभव तरीके से भारत के विकास में अपना अहम योगदान देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशों की नई संस्कृति में ढलकर इस तरह की सफलता हासिल करना आसान नहीं होता है। ऐसे विभिन्न क्षेत्रों के चमकते सितारे अपनी चमक का लाभ मातृभूमि भारत के लिए भी विस्तारित कर रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में भारत को विकास की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए भारत हितैषी संगठन काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष 2023 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता और विगत 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने में प्रवासी भारतीयों के संगठन ह्वइंडियास्पोराह्व का अभूतपूर्व योगदान रहा है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, इस वर्ष प्रवासी भारतीय दिवस पर भुवनेश्वर में आयोजित सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के प्रवासी भारतीय भाग ले रहे हैं। निश्चित ही प्रवासी भारतीयों की सामूहिक शक्ति और क्षमता राष्ट्र के समावेशी विकास को और बल प्रदान करेगी। सशक्त भारत-नया भारती एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को प्राप्त करने हेतु हमारी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वे अपनी ऊर्जा, अनुभव, विचारों, व्यापार कौशल, निवेश, तकनीकी विशेषज्ञता और नॉलेज शेयरिंग में योगदान देंगे। मातृभूमि की माटी की पुकार ऐसी होती है जो समय और दूरी की बाधाओं को नहीं देखती है। प्रवासी भारतीयों ने दुनिया के विभिन्न कोनों में अपने निवास के देशों में समृद्ध और उत्पादनशील जीवन का निर्माण किया है। इस सम्मेलन में असाधारण योग्यता के व्यक्तियों के भारत के विकास में उनकी भूमिका की सराहना करने के लिए प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित करने की प्रोत्साहन योजना भी है। 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के साथ, यह सम्मेलन भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी मंच है। भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरणा का एक सशक्त माध्यम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्राओं में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए भरोसा दिलाना चाहा है कि भारत आर्थिक सुधारों की राह पर चल रहा है और भारत में निवेश करना तथा व्यापार करना पहले से कहीं आसान हो गया है, इसलिए भारत में पूंजी लगाने में वे तनिक न हिचकें।' भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, इन सुखद स्थितियों में विदेशों में प्रवासी भारतीयों की स्थिति का मजबूत बनाना अच्छी बात है, लेकिन देश में बदलते हालातों एवं नये बनते भारत में प्रवासी भारतीयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होना अपेक्षित है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

दहशत न फैलाएं

कर्नाटक में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस यानी एचएमपीवी के दो मामलों की पुष्टि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार तीन महीने की बच्ची को ब्रोंकोन्यूमोनिया की शिकायत थी, जांच में एचएमपीवी संक्रमित होने का पता चला। दूसरा आठ महीने का शिशु इससे संक्रमित पाया गया। हालांकि दोनों मरीजों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा का कोई इतिहास नहीं है।

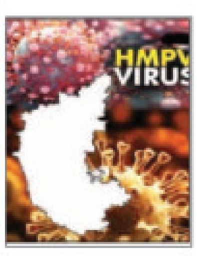

मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान आंकड़ों से पता चला गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी के मामले में कोई असामान्य वृद्धि नहीं पाई गई। सरकार की संक्रमण के मामलों पर गंभीर नजर बताई जा रही है। कोविड़-19 महामारी के विश्व को चपेट में लेने के पांच सालों बाद एचएमपीवी वायरस के चीन में तेजी से फैलने की खबरों की दहशत के असर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट आ गई। एचएमपीवी संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने से यह वायरस फैल रहा है। संक्रमित के खांसने-छींकने- छूने और हाथ मिलाने से यह बढ़ रहा है। इस संक्रमण की खोज 2001 में की जा चुकी है। यह रेस्पेरेटरी संकाइटियल वायरस के साथ न्यूमोविरिडे.का भी हिस्सा बताई जा रही है। चीन समेत नीदरलैंड़, फिनलैंड़, ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में 2023 में इसके संक्रमित मिल चुके हैं। भारत सरकार का कहना है कि मौसम को देखते हुए यह स्थिति असामान्य नहीं है। सरकार ने वायरस की गंभीरता को भांपते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन से चीन की स्थिति के विषय में अपडेट देने को भी कहा है। विशेषज्ञ इसे अभी जानलेवा वायरस नहीं बता रहे हैं जो छोटे बच्चों में आम है। जिन्हें अस्थमा है या फेफड़ों से संबंधी कोई गंभीर बीमारी है, उन्हें चेतावनी दी गई है। इससे बचाव के लिए लगातार हाथ धोने, मास्क पहनने तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन की सलाह दी जा रही है। एंटी वायरल दवाएं बगैर चिकित्सकीय सलाह के लेने के प्रति चेतावनी भी दी गई है। कोविड़ संक्रमण से खौफजदा लोगों में आकस्मिक भय व्याप्त है, जिसे दूर करने की जिम्मेदारी मीड़िया और चिकित्सकों को गंभीरता से निभानी चाहिए। शेयर बाजार का गिरना और कोविड़ की पुरानी तस्वीरों/वीड़ियो को वायरल कर दहशत फैलाने वालों को भी चेतावनी दी जानी चाहिए। जब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती, बेवजह लॉकड़ाउन लगाने या रोजमर्रा की जरूरी चीजों को जमा करने की सलाह जैसी दहशत फैलाना कतई अनुचित है।

चिंतन-मनन

प्रेम और दया से ही प्रसन्न होंगे ईश्वर

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हमें जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करे। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है।

हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होता है वह प्रसन्न होता है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराता है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है। ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साईं सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

हमारा सबसे अच्छा दिन आज ही है ..!

डॉ मयंक मुरारी

इस जगत में कुछ भी रुकता नही है। हमारे जीने के वर्षो की गणना संभव है, लेकिन जीवन उन वर्ष में सिमटा नहीं होता है। जीवन बस अभी के पल को अर्थपूर्ण जीने और बनाने में है। यह क्षण ही जीवन है। जीवन प्रतिपल है। हमने अगर उस पल को खो दिया, तो पल-पल के साथ दिन, साल और अंततः जीवन भी खो देते हैं। यही प्रकृति का नियम है कि जो अभी है वह कुछ देर बाद नहीं होगा। सुबह का फूल शाम को मुरझा जाता है, यद्यपि वह पेड़ से जुड़ा होता है। इसी प्रकार जीवन में बूंद-बूंद सुख आते हैं, इकटठा सुख कभी नहीं बरसता है। सब कुछ बूंद-बूंद मिलता है। बस उसको ही स्वीकार करना होता है। एक पल ही अपना है, वहीं हमारे हाथ में आता है, फिर वह हमारे साथ नहीं रहता है। सुख बस उस क्षण को पूर्णतः में जीना है। उस पल को पीना है। हम विराट की आशा करते है, और लघुता से असहमति जताते हैं। हमारी चाहत शाश्वत सुख की होती है और उस सुख के क्षण में स्थिर होना नहीं चाहते हैं। हम हर पल को नष्ट करते हुए शाश्वत को दूर करते जाते हैं।

सुख क्षणिक है। उस पल की स्थिरता में ही शाश्वत का दर्शन है, उसमें ही विराट की अनुभूति है। कल जो बीत गया, वहीं श्रेष्ठ था। हमने उसे क्षणिकता में छोड़ दिया। सुख प्रतिपल है। जो सुख मैंने बीते कालखंड में बिताया, उसे अब दुबारा कहां पाया जा सकता है ? समय का सवाल उस सुख को अब सपना बना दिया है। उन सुनहरे पल के साथ सुख की धारा चली थी, संगीत की लहर बही थीं और परिवेश में एक मादक प्यास का आलम था। आज सब खत्म हो गया। ऐसे पल में एक पंक्ति याद आती है-कभी कभी दो लम्हों का साथ जिंदगी का प्रेम दे जाता है। और कभी-कभी जिंदगी भर का साथ भी दो लम्हों का सुकून नहीं दे पाता है। हमारी सुख हमारी इंद्रियों का मोहताज है। हमारी तार्किक बुद्धि हरेक सुख को दुखद अंत में बदल डालती है। हम अपने सुख की निंदा करते हैं। प्रेम की, मित्रता की, भोजन की और अपने शरीर की भी निंदा से नहीं चुकते हैं। वर्तमान का जीवन दुखी जीवन है जिसमें सुख के कोई पल नहीं है। बगीचा में ओस की बूंदों के कारण चमकने वाले फूल की पंखुड़ियां सदैव वैसी नहीं रहती है। इस कारण हम फूल के सौंदर्य को इंकार नहीं कर सकते हैं। ऐसा फूल नहीं मिलेगा, जो खिला रहे।

शक्ति क्षण में ही नीहित है। इस पर प्रख्यात लेखक द्वय स्विच और मेड टू स्टिक ने एक किताब लिखी है, जिसका नाम है- दी पावर ऑफ मोमेंट। इसमें उन्होने इस का पता लगाया है कि कुछ संक्षिप्त अनुभव हमें कैसे झकझोर सकते हैं, हमें ऊपर उठा सकते हैं और हमें बदल सकते हैं - और हम अपने जीवन और काम में ऐसे असाधारण क्षणों का निर्माण कैसे कर सकते हैं। जबकि मानव जीवन अंतहीन रूप से परिवर्तनशील है। हमारे जीवन में क्षण भी निर्णायक हो सकते है। इस किताब में बताया गया है कि हमारे सबसे यादगार सकारात्मक क्षणों में चार तत्व हावी होते हैं- उत्थान, अंतर्दृष्टि, गर्व और संबंध। यदि हम इन तत्वों को अपनाते हैं, तो हम और अधिक महत्वपूर्ण क्षणों को याद कर सकते हैं। क्यों हम किसी अनुभव के सबसे अच्छे या सबसे बुरे पल को याद रखते हैं, साथ ही अंतिम पल को भी, और बाकी को भूल जाते हैं ? क्यों जब चीजें निश्चित होती हैं तो हम सबसे अधिक सहज महसूस करते हैं, लेकिन जब वे निश्चित नहीं होती हैं तो हम सबसे अधिक जीवंत महसूस करते हैं। और क्यों हमारी सबसे प्रिय यादें हमारी युवावस्था के दौरान एक संक्षिप्त अवधि में एकत्रित होती हैं ? हममें से अधिकतर लोग जीवन को अपने से दूर जाने देते हैं। हम जीते नहीं। हम बस मौजूद रहते हैं, लेकिन सवाल जरूर करते है कि समय नहीं मिलता है ! काफी व्यस्त जिंदगी है। अगर हम हर पल का सबसे अच्छा उपयोग करते हैं तो ही जीवन सफल बनता है।

हमारे जीवन में कई निर्णायक क्षण संयोग या दुर्भाग्य के परिणाम होते हैं - लेकिन हम अपने सबसे सार्थक, यादगार और ऊर्वर क्षणों को संयोग पर क्यों छोड़ना चाहेंगे ! सभी क्षण समान नहीं होते हैं तो सभी क्षण में से कुछेक की यादें हमारे साथ चलती है। हमारी स्मृति उन्हीं क्षण को याद रखती है जो हमारे जीवन में अर्थपूर्ण होते हैं, ऊंचाई की ओर ले जाते है या हमका दुख का कारण बन जाते हैं। हम किसी क्षण को तभी अर्थपूर्ण बना पायेंगे, जब हमारी अंतर्दृष्टि सहज रहेगी। अंतर्दृष्टि सहज होने पर हमारा नजरिया बदल जाता है और जीवन जीने के तरीके में भी बदलाव आ जाता है। ऐसी स्थिति में हम खुद सत्य को जानते हैं उसके साथ रहना पसंद करते हैं। यह सकारात्मकता को बढ़ता है और दूसरों की पहचान में मदद करता है। कभी-कभी मोमेंट के कुछेक शब्द ही जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। परिवर्तन उसी क्षण संभव है जब हम चीजों की वास्तविकता को उसी रूप में स्वीकार कर लेते हैं, जैसी वे हैं। भविष्य चिंता, पछतावा, योजना, दिवास्वप्न आदि चरित्रगत बातों को छोड़ना सीख सकं तो हमारी दुनिया अधिक सरल, दयालु और आकर्षक बन जायेगी।

वर्तमान क्षण से हमारा क्या तात्पर्य है ? हम पहले से ही मान लेते हैं कि हमें पता है कि क्या होना है, जबकि यह ऐसा नहीं है। वर्तमान क्षण पर ध्यान देने का एक तरीका है अतीत और भविष्य को छोड़ देना। हरिवंश राय बच्चन की कविता है- जो बीत गई सो बात गई...। इस बात पर चिंतन करते हुए ज्ञान बोध के साथ स्वयं आगे बढ़े, न कि हम अतीत की ओर देखें ? टेरेसा अमाबिले और स्टीवन क्रेमर ने द प्रोग्रेस प्रिंसिपल में बताया है कि कार्य के दौरान खुशी, जुड़ाव और रचनात्मकता को उर्वर बनाने के लिए छोटी जीत या खुशी का उपयोग करना चाहिए। प्रगति को सक्षम करने वाली दो शक्तियों को सक्रिय करना होता है। पहली शक्ति उत्प्रेरक है, जो सीधे कार्य को सुविधाजनक बनाती हैं। दूसर तत्व पोषक है। पारस्परिक घटनाएँ जो लोगों का उत्थान करती हैं, जिसमें प्रोत्साहन और सम्मान और सहकारिता का प्रदर्शन शामिल है। दूसरों को पहचानें, तो कभी-कभी कुछ सकारात्मक शब्द ही प्राप्तकर्ता के लिए गर्व का बड़ा क्षण बन सकते हैं। समय में रिश्तों को मजबूत करने की शक्ति होती हैं। एक सार्थक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक साथ काम करना शक्तिशाली हो सकता है। इसमें रोचक कहानी, प्रेरणा और खट्टे मीठे अनुभव होते हैं, जो जीवन में शक्तिशाली क्षणों को बार-बार लाते हैं।

गंभीर चिंता का विषय है ऑनलाइन गेमिंग

विनीत पाण्डेय

आज के डिजिटल युग में इंटरनेट और स्मार्टफोन ने दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल दिया है। इन तकनीकों के चलते मनोरंजन के नए तरीके भी उभरकर सामने आए हैं, जिनमें ऑनलाइन गेमिंग का प्रचलन सबसे तेजी से बढ़ा है। यह प्लेटफॉर्म न केवल युवाओं के लिए मनोरंजन का एक प्रमुख स्रोत बन गए हैं, बल्कि इसने सट्टेबाजी के रूप में एक नए और खतरनाक उद्योग को भी जन्म दिया है। ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी का मिलाजुला रूप युवाओं के लिए बेहद आकर्षक और नुकसानदायक साबित हो रहा है।

ऑनलाइन गेमिंग का क्षेत्र आज बहुत विस्तृत हो चुका है हालांकि, कुछ ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और ऐप्स ने इन खेलों को एक नए रूप में पेश किया है, जिसमें सट्टेबाजी की सुविधा जोड़ी गई है। यानी खिलाड़ी अपनी गेमिंग क्षमताओं के आधार पर पैसे दांव पर लगाते हैं और यदि वे जीतते हैं, तो वे पैसे जीतते हैं, और यदि हारते हैं तो पैसा गंवा बैठते हैं। सट्टेबाजी की प्रवृत्ति धीरे-धीरे पारंपरिक खेलों से होते हुए ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया में भी प्रवेश कर चुकी है। इस तरह के स्वरुप में मैच से पहले क्रिकेट की टीम बनाना, ताश खेलना और दूसरे अंजान लोगों के साथ खेलने के लिए लूडो जैसे खेल शामिल हो चुके हैं। खिलाड़ियों को अपनी गेमिंग क्षमता के अनुसार पैसे जीतने का मौका मिलता है, जिससे उनकी संलिप्तता और जोश दोनों बढ़ जाते हैं। समय के साथ गेमिंग का यह रूप सट्टेबाजी में बदलने लगता है, जो अंततः वित्तीय नुकसान और मानसिक तनाव का कारण बनता है। ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी का मिलाजुला रूप युवाओं को इस कदर आकर्षित करता है कि वे धीरे-धीरे जुए की लत में फंसने लगते हैं। युवा, जो पहले केवल मनोरंजन के लिए गेमिंग करते थे, अब इन खेलों को जीतने के लिए बड़े पैमाने पर पैसे दांव पर लगाने लगते हैं। यह आदत इतनी गंभीर हो सकती है कि युवा अपनी पढ़ाई, काम, और पारिवारिक संबंधों को नजरअंदाज कर देते हैं। सट्टेबाजी का सबसे बड़ा और स्पष्ट प्रभाव आर्थिक नुकसान के रूप में सामने आता है। कई युवा खिलाड़ियों की मानसिकता यह हो जाती है कि वे खेल में जीतने के लिए पैसे दांव पर लगाएंगे। लेकिन यह प्रक्रिया अक्सर उनकी हार की स्थिति में परिणत होती है, और वे अपनी जमा पूंजी, या यहां तक कि अपने परिवार का पैसा भी खो सकते हैं। आर्थिक संकट के कारण कई बार वह युवा आत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठाने तक पहुंच सकते हैं। हाल ही में समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही युवा की आपबीती काफी चर्चा में रही जिस पर ऑनलाइन गेमिंग में पैसे लगाने और हारने की वजह से करीब 96 लाख का कर्ज हो गया। सट्टेबाजी की लत मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डाल सकती है लगातार हारने के कारण मानसिक अवसाद और चिंता जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन गेम्स के लिए घंटों तक बैठने से शारीरिक समस्याएं, जैसे आंखों की समस्या, सिरदर्द, गर्दन और कमर दर्द, भी हो सकता हैं। अधिक समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से युवा शारीरिक गतिविधियों से वंचित हो जाते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। सट्टेबाजी में संलिप्त लोगों को सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है और इस तरह की आदत विकसित होने से वे अपने परिवार और मित्रों से भी दूर हो सकते हैं। वे अपने परिवार के खर्चों के लिए पैसे चुराने, उधार लेने या जुए के लिए गलत रास्ते अपनाने तक पहुंच सकते हैं। इस प्रकार, यह न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में भी खटास पैदा करता है। इसके परिणामस्वरूप परिवारों में विवाद और टूटन हो सकती है। इस तरह के प्लेटफॉर्म्स पर अक्सर धोखाधड़ी भी होती है कई फर्जी वेबसाइट्स और ऐप्स खिलाड़ियों को धोखा देती हैं, जहां वे जीतने के बाद भी पैसे नहीं प्राप्त कर पाते। इसके अलावा, सट्टेबाजी के दौरान व्यक्तिगत डेटा चोरी होने का खतरा भी रहता है, जिससे साइबर अपराधों की संभावना बढ़ जाती है।

भारत में अधिकांश राज्यों में जुआ और सट्टेबाजी अवैध है हालांकि, ऑनलाइन सट्टेबाजी के मामले में कानूनी ढांचा पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। कई प्लेटफॉर्म्स विदेशों से संचालित होते हैं, जिससे उन्हें भारतीय कानूनों का सामना नहीं करना पड़ता। इसके कारण ऐसे वेबसाइट्स पर सट्टेबाजी की गतिविधियां अवैध होने के बावजूद कानून के दायरे से बाहर होती हैं, जिससे युवाओं को धोखा देना आसान हो जाता है। ऑनलाइन गेमिंग से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सरकार को इस मामले में कड़े कानून बनाने और लागू करने की आवश्यकता है साथ ही सक्षम सरकारी एजेंसियों को ऐसे प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए, जो अवैध सट्टेबाजी की पेशकश कर रहे हैं साथ ही, इन प्लेटफॉर्म्स की निगरानी भी आवश्यक है। इसके अलावा नागरिकों को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए सट्टेबाजी के खिलाफ सिर्फ कानूनी उपायों के भरोसे न रह कर सामूहिक जागरूकता और व्यक्तिगत सजगता का रास्ता भी अपनाना होगा। सबसे पहले, युवाओं और उनके अभिभावकों को इस खतरे के बारे में जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में इस मुद्दे पर विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर सट्टेबाजी कितनी खतरनाक हो सकती है और इसके क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं। इसका ये मतलब नहीं की इसे बिल्कुल बंद ही कर देना चाहिए पर ऑनलाइन गेमिंग को सुरक्षित रूप से खेलने के लिए सुरक्षित और अनुशासित तरीके अपनाए जाने चाहिए। गेमिंग कंपनियों को जिम्मेदार बनाना चाहिए ताकि वे खिलाड़ियों को सट्टेबाजी से बचाने के लिए उचित नियम और प्रोटोकॉल लागू करें।

इसके अलावा, बच्चों और युवाओं को यह सिखाना चाहिए कि गेमिंग केवल मनोरंजन के लिए किया जाए, न कि पैसों की कमाई का एक तरीका बनाया लिया जाए। अलग-अलग जगहों पर विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अनेक स्तर पर इसके खिलाफ मुहीम भी चलाई जा रही है। पर विडम्बना यह है कि इस मुहीम में इनका साथ देने के बजाए कई नामी गिरामी चेहरे अपने निजी लाभ के लिए इसका प्रचार करते दिख जाते हैं। हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि ऑनलाइन गेमिंग मनोरंजन का एक माध्यम हो सकता है, लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज करना किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है। यह समाज और परिवारों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन चुका है, और इसे नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। यदि हम इस मुद्दे पर समय रहते सचेत नहीं होते हैं, तो यह न केवल नयी पीढ़ी के व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करेगा, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी बाधा उत्पन्न करेगा।

एक नजर

खनन विभाग ने चलाया सघन जांच अभियान, दो मशीन जब्त

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निदेशानुसार मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया गया। इसी क्रम में चास मुफस्सिल थाना अंतर्गत पूपंकीघाटबेड़ा के समीप अवैध रूप से बालू खनिज का उत्खनन कर लोड करते हुए 01 हाइवा एवं 01 जेसीबी मशीन को पकड़ा गया, जिसे टीम ने विधिवत जप्त कर चास मुफस्सिल थाना को सुपुर्द करते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। उक्त अभियान में खान निरीक्षक सीताराम टुडू, पुलिस बल आदि मौजूद थे।

झारखंड आंदोलनकारी धानसिंह मुंडारी की मनाई गई 9वीं पुण्यतिथि

बोकारो : झारखंड आंदोलनकारी धानसिंह मुंडारी की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सेक्टर 8 स्थित ग्रीन टाइगर फोर्स कार्यालय में ग्रीन टाइगर फोर्स और बिरसा मुंडा समिति के तत्वाधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनकी आत्मा शांति की प्रार्थना की गई। अध्यक्षता ग्रीन टाइगर फोर्स के अध्यक्ष संजय गागराई ने किया। संबोधित करते हुए श्री गागराई ने कहा कि स्व मुंडारी झारखंड राज्य का निर्माण के लिए अपनी जीवन का स्वर्णिम समय आंदोलन में बिताए। अलग राज्य के आंदोलन में इनकी भूमिका जुझारू नेता के रूप में रही।

बरहरवा में 2023 से नहीं मिली है प्रसुति लाभार्थियों को राशि

बारहरवा: प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा में जननी शिशु योजना के मद मे व्यापक रूप से गड़बड़ होने का समाचार प्रकाश में आया है। जानकारी मिली है कि, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा में अपने बच्चों को जन्म देने वाली सैकड़ो प्रसुति लाभार्थियों को अप्रैल 2023 से प्रति महिला मिलने वाली 1400 रुपया का लाभ अभी तक नहीं मिला है,जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रंगा मे भी गलत तरीके से ममता वाहन की फर्जी परिचालन देखा कर पैसे की निकासी करवाने का मामला भी सामने आ चुका है। सूत्र बताते हैं कि,कई दिनों से यह मामला अखबार में छपने के बाद, इसे उपायुक्त साहिबगंज ने गंभीरता से लिया है, तथा जिले के सिविल सर्जन से इसका जांच करने की बात कही है। कहानी यहां पर ही खत्म नहीं हो जाती, जिले के उधवा, राजमहल के अलावे और भी कई प्रखंडों से इस तरह के समाचार आए दिन अखबारों की सुर्खियां बटोरती रही है, पर स्वास्थ्य विभाग के कान में जूए तक नहीं रेंगती। हैरानी की बात यह है कि, जो गरीब प्रसूता प्रसव पीड़ा के बाद उससे मिलने वाली 1400 रुपए की प्रोत्साहन राशि से अपने एवं अपने बच्चों के लिए दवाइयां एवं अन्य सामग्री खरीदती हैं।, उस राशि से वह एक-दो दिन नहीं बल्कि अप्रैल 23 से अभी तक महरूम है। अर्थात पिछले दो वर्ष के दरमियान बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जिस किसी प्रसुति ने भी अपने बच्चों को जन्म दिया है उस लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि अभी तक नहीं मिला है। इस संबंध में पूछे जाने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा के लेखपाल दिनेश कुमार ने बताया कि, जिला के सिविल सर्जन कार्यालय से जिस तरह के आदेश हम लोगों को भेजा जाता है उसी के आधार पर हम लोग पेमेंट करते हैं, प्रसुति को पेमेंट के लिए जिला को लिखा गया है,राशि मिलने के बाद सभी लाभार्थियों को भुगतान कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने आगे बताया कि, बीटीटी को अक्टूबर 24 तक तथा ममता वाहन को जून 24 तक एवं सहिया साथी को अक्टूबर 24 तक का भुगतान कर दिया गया है, ऐसे में सवाल यह उठता है।

सरकारी कार्यालयों में 15 से 19 जनवरी तक चलाया जाएगा सफाई अभियान : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में आगामी गणतंत्र दिवस 2025 के सफल आयोजन एवं तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस बीच बताया गया कि पिछले वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुरूप 2025 में भी गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह सिद्धो कान्हो स्टेडियम साहिबगंज में आयोजित किया जाएगा। वही बैठक में निर्णय लिया गया कि मुख्य आयोजन स्थल सिद्धो कान्हो स्टेडियम में पूर्वाह्न 9:05 पर झंडोतोलन किया जाएगा।जबकि समाहरणालय साहिबगंज में 10:10 बजे। विकास भवन साहिबगंज में 10:20 बजे। जैप-9 साहिबगंज में 10:30 बजे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 10:50 एवं अनुमंडल कार्यालय साहिबगंज में 11:00 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा।वहीं उपायुक्त ने संबंधित सरकारी कार्यालय एवं संस्थाओं के कार्यालय प्रधान एवं सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया कि अपने कार्यालय एवं विद्यालयों में ध्वजारोहण समारोह मुख्य झंडोतोलन के पूर्व करना सुनिश्चित करें। इस क्रम में माल्यार्पण से संबंधित निर्णय लिया गया कि मुख्य समारोह स्थल सिद्धो कान्हो स्टेडियम में सिद्धो कान्हो प्रतिमा पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा। गांधी प्रतिमा, सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा, भगत सिंह बोस की प्रतिमा एवं डॉ भीमराव अंबेडकर प्रतिमा पर कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद साहिबगंज द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा। डॉ राजेंद्र प्रसाद के प्रतिमा पर उप विकास आयुक्त साहिबगंज, चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा पर पुलिस उपाधीक्षक सदर द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा। इस बीच संबंधित पदाधिकारी को पर्याप्त फूलमाला एवं अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। राष्ट्रीय ध्वज झंडा बांधने, मुख्य समारोह स्थल पर बैठने अतिथि गणों के लिए व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित आवश्यक निर्णय लिए गए एवं पदाधिकारी को इसके लिए दायित्व सौंपा गया। इस बीच सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की 26 जनवरी 2025 समारोह परेड का प्रबंध पुलिस अधीक्षक साहिबगंज द्वारा किया जाएगा। जिसमें जिला सशस्त्र बल,जैप-9 के जवान, जैप-9 की महिला पुलिस बल, जैप-9 की पुरुष बल एनसीसी महिला एवं पुरुष तथा वन विभाग के प्लाटून द्वारा परेड किया जाएगा। बैठक के दौरान निर्णय लिया गया की परेड का पूर्वाभ्यास 18 जनवरी से 24 जनवरी तक होगा जिसमें सभी कैडेट्स को सार्जेंट मेजर पूर्व अभ्यास करायेंगे। इस बीच निर्णय लिया गया की 26 जनवरी को पूर्वाह्न 7:00 से 8:00 तक प्रभात फेरी की व्यवस्था की जाएगी इसके लिए संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के क्रम में परेड निरीक्षण हेतु वाहन, राष्ट्रीय गान हेतु गायन टोली परेड एवं सलामी में भाग लेने वाले एनसीसी के छात्रों,महिला कैडेट्स हेतु वाहन की व्यवस्था से संबंधित निर्देश दिए गए। बैठक के क्रम में झांकी से संबंधित भी आवश्यक निर्णय लिए गए जिसमें बताया गया कि जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, वन विभाग, सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, स्वास्थ्य विभाग, पहाड़िया कल्याण विभाग, पुलिस सुरक्षा/पिंक पेट्रोल, जिला उद्योग केंद्र, श्रम विभाग,पेयजल एवं स्वच्छता, शिक्षा विभाग, बाल विकास परियोजना, कृषि, खनन, भूमि संरक्षण, मत्स्य, जिला जनसंपर्क द्वारा झांकी प्रस्तुत की जाएगी। बैठक

ग्राम पंचायत में हुई पंचायत स्तरीय समिति की बैठक

बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बड़ा सोनाकड़ और रूपसपुर पंचायत में मंगलवार को ग्राम पंचायत समन्वयक समिति की बैठक मुखिया की अध्यक्षता में हुई। प्राप्त जानकारी अनुसार बड़ा सोनाकड़ पंचायत में मुखिया सोना मुर्मू एवं रुपसपुर पंचायत में मुखिया जिशु मुर्मू की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में पंचायत सचिव सुधिर साहा और विक्की मुंडा ने ग्राम पंचायत समन्वयक समिति की बैठक के उद्देश्य की जानकारी दी गई। इसके साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पंचायत में शत प्रतिशत धरातल पर उतारने पर चर्चा की गई। बैठक में साथ ही पंचायत में शिक्षा, जनवितरण प्रणाली, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी केंद्र आदि अन्य जनकल्याणकारी योजनाएं शुचारू रूप से संचालन करने एवं जनहित में योजनाओं का चयन करने, तथा पंचायत का चहुंमुखी विकास करने पर चर्चा की गई।

माह के आठवें दिन सड़क सुरक्षा जागरूकता बाइक रैली निकाली गयी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में जागरुकता हेतु जिला परिवहन कार्यालय, साहिबगंज से बाइक रैली को हरी झंडी दिखा कर जिले के सभी प्रमुख स्थानो, सरकारी कार्यालय, थाना क्षेत्र, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, टैम्पो टोटो स्टैंड, चौक चौराहे पर बाइक रैली के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साहिबगंज जिले के सभी बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, टैम्पो टोटो स्टैंड, चौक चौराहे पर चालकों, बस ड्राइवर, कंडक्टरों को भी जागरूकत किया गया जिसका उद्देश्य सभी वाहन चालकों के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर संवेदनशीलता एवं जागरूकता फैलाना है। हेलमेट, सीटबेल्ट जैसे सेफ्टी उपकरण का प्रयोग के साथ यातायात नियमों का पालन करना है। सड़क पर हो रहे सड़क दुर्घटनाओं को कम करना तथा सड़क दुर्घटना में हो रहे मृत्यु दर में कमी लाने का प्रयास है। साथ ही सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु बाइक रैली के माध्यम से पम्पलेट, बुकलेट, हैंडबिल वितरण कर आम जनमानस को जागरूक किया गया। सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ जिले भर में घूम-घूम कर यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा जागृत पुस्तिका, हैंडबिल, पम्पलेट वितरण का कार्य कराया जा रहा है। जिससे लोगों में यातायात नियमों के प्रति जानकारी का अभाव न रहे एवं सभी वाहन चालक अपने वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह ने वाहन चालको एवं आमजनों से अपील किया कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का आवश्यक रूप से पालन करें। सभी चालक मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट अवश्य पहने साथ ही चार पहिया या उससे अधिक के वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का इस्तेमाल करे, वाहन चलाते समय शराब का सेवन एवं नशे के हालत में वाहन ना चलाए, बिना ड्राइविंग लाइसेंस का वाहन का परिचालन ना करें समेत अन्य सभी यातायात नियमों का पालन करने का अनुरोध किया गया।अंतिम में मुख्य रूप से दो पहिया, चार पहिया वाहन पर सड़क दुर्घटना में कमी लाने हेतु रिफ्लेक्टिव टेप परावर्तक पट्टी लगाया गया जिससे अँधेरा, कोहरा, कुहासा, वर्षा में दो पहिया, चार पहिया वाहन पर सड़क दुर्घटना में कमी लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित परिवहन विभाग के लिपिक अभिषेक कुमार, जिला सड़क सुरक्षा कोषांग के जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस, सड़क सुरक्षा योद्धा ओम प्रकाश पंडित मौजूद रहे।

आग लगने से पूरा घर जलकर हुआ राख, हजारों रुपये का नुकसान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : बुधवार को बीते रात्री समय करीब 8:00 बजे उधवा प्रखण्ड अंतर्गत आने वाले पंचायत पश्चिम प्राणपुर के खासमहल कार्तिक टोला गोलढाब चुवार में नरेश मंडल उर्फ खलीफा के घर में अचानक आग लग जाने से घर पूरी तरह से जलकर रख हो गया। आग लग जाने के करण उनका घर के अंदर रखा हुआ पैसा 30 हजार रुपए व किसी दूसरे रिस्तेदार का रखा हुआ खेत में पानी पटाने वाला दो चाइना मशीन जल गया। साथ ही घर का सभी सामान आग में धु-धु कर जल के राख हो गया। ग्रामीणों के प्रयास से काफी मुश्किल के बाद घर के पास बंधा हुआ गाय व घर के अंदर रखा हुआ बकरी को बचाने में कामयाब रहा। उसके बाद आग पीड़ित परिवार बहुत गरीब व लाचार होने के वजह से कड़ाके की ठंड में जीवन बिताने को मजबूर हो गए क्योंकि उनका कोई बच्चा नहीं है। वे लोग सिर्फ पति-पत्नी घर में रह रहे थे इसलिए पीड़ित ने सभी जनप्रितिनिधि व पदाधिकारीगण एवं प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगा रहे है। आग लग जाने की खबर सुनकर स्थानीय वार्ड सदस्य प्रतिनिधि व समाज सेवी सायेद अली ने घटना स्थल पर जाकर घटना की जानकारी लेते हुए काफी दुःख व्यक्त की और जहां तक हो सके आर्थिक मदद दिलाने की भरोसा दिए और उन्होंने खासकर के राजमहल लोकसभा के सांसद विजय कुमार हांसदा एवं नवनिर्वाचित विधायक एमटी राजा साथ ही पूर्व प्रत्यासी व राजमहल नगर अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख से आग्रह करते हुए आग पीड़ित परिवार वालो से मिलके आर्थिक मदद देने के लिए अपील की है।

घरेलू विवाद में बेटा व समधी ने मां को मारपीट कर किया घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के महाराजपुर मोती झरना निवासी महिला को घरेलू विवाद में बेटा व समधि ने मारपीट कर किया घायल, अस्पताल में भर्ती बताया जा रहा है कि महाराजपुर मोती झरना निवासी शेख आंसर कि 40 वर्षीय पत्नी खैरून बीवी को अपना ही बेटा व समधी ने मारपीट कर घायल कर दिया। घायल महिला के पति शेख आंसर ने आरोप लगाते हुए बताया कि इससे पहले कई बार घरेलू विवाद में झगड़ा लड़ाई हुई थी,और मेरी पत्नी को मारपीट कर घायल भी कर दिया था। मैं गाड़ी चालक ड्राइवर हूं मैं घर से बाहर हमेशा रहता हूं। वही आज फिर बुधवार को बेटा व समधि के द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया फिलहाल घायल महिला का इलाज सदर अस्पताल में डॉक्टर के देखरेख में चल रहा है।

जंगली हाथी से प्रभावित परिवारों को मिला मुआवजा

सरायकेला : चांडिल वन क्षेत्र काय्रालय परिसर में बुधवार को जंगली हाथी से प्रभावित परिवारों को मुआवजा राशि का चेक सौंपा गया। ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने अपने हाथों से वन विभाग की ओर से मिलने वाली मुआवजा राशि का चेक पीड़ित परिवार के सदस्यों को सौंपा। छ्ह माह पहले झुंड से अलग घम रहे दंतैल हाथी ने नीमडीह प्रखंड के सीमा गांव की रहने वाली ममता महतो और मुरु गांव के रहने वाले सूरज महतो का मकान क्षतिग्रस्त कर दिया था।

विधानसभा में हाथियों का कहर किसानों की फसलें कर रहे बर्बाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : इन दिनों ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के किसान हाथियों के आतंक से परेशान हैं। चांडिल अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत कुकड़ू प्रखंड के सिरूम पंचायत के रूपरू गांव में हाथियों के झुंड ने किसानों की सब्जियों के खेतों को बर्बाद कर दिया है।

हाथियों ने खेतों को किया तहस-नहस

ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों के झुंड ने संजय महतो, अरुण कुमार महतो, ठाकुरदास महतो, नवकेश्वर महतो और शिशुपाल महतो के टमाटर, आलू, प्याज और अन्य सब्जियों के खेतों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। किसानों ने बताया कि वे महीनों से इन फसलों की देखभाल कर रहे थे, लेकिन हाथियों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। क्षेत्र के किसान पहले ही मौसम और बाजार की मार से जूझ रहे हैं। अब हाथियों के आतंक ने उनकी समस्या को और बढ़ा दिया है। कई किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं, क्योंकि उनकी पूरी फसल बर्बाद हो गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग और जिला प्रशासन से हाथियों को नियंत्रित करने और नुकसान की भरपाई के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि अगर जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो उनकी आजीविका पर बड़ा खतरा मंडराएगा। हाथियों का आतंक न केवल फसलों को बर्बाद कर रहा है, बल्कि ग्रामीणों की जान पर भी खतरा बन रहा है। रात के समय हाथियों का झुंड गांव के आसपास देखा जा रहा है, जिससे लोग दहशत में हैं। वन विभाग को इस क्षेत्र में हाथियों के बढ़ते आतंक पर नियंत्रण के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से किसानों में नाराजगी है। यह देखना होगा कि प्रशासन और वन विभाग हाथियों के आतंक को रोकने और किसानों को राहत देने के लिए क्या कदम उठाते हैं। फिलहाल, ग्रामीण और किसान दोनों ही चिंता और निराशा के माहौल में जी रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

पशुपालकों के बीच सुअर का हुआ वितरण

पटमदा : बोडाम प्रखंड में मुख्यमंत्री पशुधन विकाश योजना के अंतर्गत सुकर विकाश योजना के तहत दस लाभुकों के बीच सुकर पांच मादा और एक नर पशुधन का वितरण किया गया। जानकारी देते हुए बीडीओ किकू महतो ने बताया कि झारखंड सरकार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक सुकर पालन करने वाले पशुपालकों के बीच योजना के लाभ पहुंचाया गया। ताकि पशुपालक योजना के लाभ उठाकर आर्थिक स्वावलंबी बन सके इस दौरान बीडीओ किकू महतो,कल्याण पदाधिकारी सुधाकर महतो,पशु पालन विभाग के अधिकारी,किसान उपस्थित थे।

उपायुक्त ने खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं से संबंधित स्थल का किया निरीक्षण

साहिबगंज: जिला दंडाधिकारी -सह-उपायुक्त हेमंत सती के निदेर्शानुसार कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, साहिबगंज, सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल, साहिबगंज, कनीय अभियन्ता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा बोरियो के द्वारा संयुक्त रूप से प्रखंड बोरियो अंतर्गत करम पहाड़ में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं से संबंधित स्थलीय निरीक्षण किया एवं सम्बंधित संवेदक को शेष कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

ई रिक्शा ने ट्यूशन पढ़कर आ रहे बच्चे को मारी टक्कर

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ट्यूशन पढ़कर आ रहे बच्चे राकेश बेसरा 8 वर्षीय को मदनशाही के पास तेज रफ्तार ई रिक्शा ने अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे वह घायल होकर सड़क पर बेहोश हो गया। घायल बच्चे का पिता जगन बेसरा, निरापाड़ा मदनशाही के रहने वाले से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि उनका बेटा राकेश बेसरा दोपहर में मदनशाही से ट्यूशन पढ़कर अपने घर निरापाड़ा मदनशाही आने के क्रम में ताड़ी से भरा हुआ तेज रफ्तार ई रिक्शा ने टक्कर मार दिया जिससे उसका सर में गंभीर चोट और बाया पैर टूट गया। ई-रिक्शा और चालक को ग्रामीणों ने पड़कर रख लिया है। वहीं परिजनों को सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचकर अपने बच्चे को इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर मालदा रेफर कर दिया। घटना की सूचना संबंधित थाना को दे दी गई थी।

एचएमपीवी वायरस से निपटने के लिए अस्पताल तैयार, मरीजों के लिए छः बेड रेडी

साहिबगंज: चीन में फैला ह्यूमन मेटाप्नेयूमो वायरस एचएमपीवी झारखंड के काफी करीब आ चुका है। कोलकाता में एक मामला सामने आया है। वायरस की संभावित खतरे को देखते हुए झारखंड अलर्ट मोड में आ गया है। हेल्थ डिपार्टमेंट भी सजग हो गया है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स सहित राज्य के सदर अस्पतालों को भी अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। जिसको लेकर साहिबगंज जिले के बड़े सदर अस्पताल में तैयारी किया गया है। जिसको लेकर अस्पताल के वेयरहाउस के निचली तल्ला में छः बेड का एचएमपीवी वार्ड तैयार किया जा चुका है। वही सिविल सर्जन कार्यालय के द्वारा ह्यूमन मेटाप्नेयूमो वायरस एचएमपीवी को लेकर स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की गई है। सदर अस्पताल परिसर स्थित वेयर हाउस के हॉल मे छः बेड का एचएमपीवी वार्ड तैयार कराया गया है,ताकि अगर जिले मे ह्यूमन मेटाप्नेयूमो वायरस का मरीज मिलता है तो उक्त मरीज को एचएमपीवी वार्ड मे रखकर समुचित इलाज किया जा सके। इस संबंध मे सदर अस्पताल के प्रशासनिक डीएस डॉ मुकेश कुमार ने बताया कि अभी छः बेड का एचएमपीवी वार्ड तैयार कराया गया है। जरूरत पड़ने पर और उक्त बेड लगाया जा सकता है। बता दे कि चीन में फैला ह्यूमन मेटाप्नेयूमो वायरस एचएमपीवी झारखंड के काफी करीब आ चुका है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स सहित राज्य के सदर अस्पतालों को भी अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है।

उद्यानिकी का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

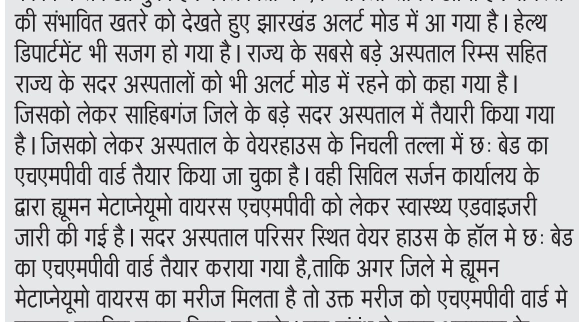

साहिबगंज: वितीय वर्ष 2024-25 उद्यान विकास योजना अंतर्गत जेएसएलपीएस, द्वारा चयनित कृषको के बीच आज बोरियो, मंडरो, साहिबगंज एवं राजमहल में पांच दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण का शुभारंभ जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन, कृषि विज्ञान केंद्र से माया कुमारी के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिला उद्यान पदाधिकारी के द्वारा बागवानी के क्षेत्र में सरकार के द्वारा चलाई जारी योजनाओं के बारे में बताया गया। बताया गया कि परंपरागत खेती की तुलना में बागवानी की खेती से जुड़कर अधिक मुनाफा किया जा सकता है। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से आए डॉक्टर माया मैडम के द्वारा बागवानी फसलों के वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की जानकारी दी गई। मौके पर जिला उद्यान पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र से डॉक्टर माया, बागवान मित्र उद्यान मित्र, जेएसएलपीएस की दीदी एवं अन्य कृषक गण मौजूद थे।

जन औषधि केंद्रों ने नवंबर 2024 तक 1255 करोड़ से ज्यादा की दवाइयां बेची

-पीएमओ ने कहा- इन आउटलेट्स से नागरिकों को 5,020 करोड़ की हुई बचत

नई दिल्ली। जन औषधि केंद्रों से नवंबर 2024 तक 1255 करोड़ रुपए से ज्यादा की दवाइयों की बिक्री हुई। यह जानकारी पीएमओ द्वारा दी गई। सोशल मीडिया एक्स पर पीएमओ ने कहा कि इन आउटलेट्स के जरिए दवाइयों की खरीद करने से नागरिकों को 5,020 करोड़ रुपए की बचत हुई। जन औषधि केंद्र आम जनता को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराते हैं। इसकी स्थापना प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत की गई थी, जो नवंबर 2008 में शुरू की गई एक जन कल्याणकारी योजना है। इस योजना को फार्मास्युटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइस ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) के जरिए क्रियान्वित किया जाता है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने बताया कि नवंबर 2024 तक देशभर में 14,320 जन औषधि केंद्र खोले गए हैं। 2023-24 में पीएमबीआई ने 1,470 करोड़ रुपए की दवाइयों की बिक्री दर्ज की थी, जिससे नागरिकों को 7,350 करोड़ रुपए की बचत हुई थी। पिछले दस सालों में इस परियोजना के तहत करीब 30 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई है। 2024 में पीएमबीजेपी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और असम राइफल्स के साथ कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिससे सीएपीएफ, एनएसजी और एआर (एमएचए) अस्पतालों में जन औषधि दवाएं उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा मॉरीशस में पहला विदेशी जन औषधि केंद्र खोला गया। मंत्रालय ने कहा कि फार्मास्युटिकल्स विभाग ने भी चालू वित्त वर्ष में 500 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ फार्मास्युटिकल उद्योग को मजबूत करने के लिए एक योजना लागू की है। इस योजना का उद्देश्य देश में मौजूदा फार्मा क्लस्टरों और एमएसएमई को उनकी उत्पादकता, गुणवत्ता और एमएसएमई क्लस्टरों में सुधार करने के लिए सहायता प्रदान करना है।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में लॉन्च किया जाएगा क्रेटा ईवी

नई दिल्ली। हुंडई मोटर्स के बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी क्रेटा ईवी को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में लॉन्च किया जाएगा। हुंडई क्रेटा ईवी में दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। पहला 42 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जो 390 किलोमीटर की रेंज देगा, और दूसरा 51.4 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जिसकी रेंज 473 किलोमीटर तक होगी। क्रेटा ईवी चार वेरिएंट्स एग्जीक्यूटिव, स्मार्ट, प्रीमियम और एक्सीलेंस में उपलब्ध होगी। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार मात्र 7.9 सेकंड में पकड़ सकती है। हालांकि, इसके इलेक्ट्रिक मोटर के स्पेसिफिकेशंस अभी साझा नहीं किए गए हैं। डिजाइन की बात करें तो क्रेटा ईवी का लुक पेट्रोल और डीजल वर्जन जैसा है, लेकिन इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल का टि्वस्ट दिया गया है। इसमें व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) सपोर्ट, लेवल-2 अडास फीचर्स (जैसे एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और लेन कीप असिस्ट), 360-डिग्री कैमरा और 6 एयरबैग्स दिए गए हैं। हुंडई क्रेटा ईवी में डीसी फास्ट चार्जर है, जो 10-80प्रतिशत चार्जिंग मात्र 58 मिनट में कर सकता है। 11 केडब्ल्यू एसी चार्जर के जरिए यह 4 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो सकती है। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा कर्व ईवी, महिंद्रा बीई 6, एमजी झेडएस ईवी और आगामी मारुति ई विटारा जैसे मॉडल्स को कड़ी टक्कर देगी। फ्रंट फेसिया क्रेटा एन लाइन से प्रेरित है, जिसमें ब्लैंक्ड-ऑफ

ग्रिल और ग्लॉस ब्लैक क्यूबिकल एलिमेंट्स हैं। चार्जिंग पोर्ट हुंडई के लोगो के नीचे, बीच में स्थित है। इसमें 17-इंच के एयरोडायनामिक अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। हुंडई क्रेटा ईवी में ड्यूल-टोन इंटीरियर, पैनोरमिक सनरूफ, दो डिजिटल डिस्प्ले और लोअर सेंटर कंसोल में नए कंट्रोल्स हैं।

मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़ी

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने बताया

मुंबई। देश में चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के बीच दोपहिया तथा यात्री वाहनों की मजबूत मांग से 2024 में मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़ी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा, 2024 में कुल वाहन पंजीकरण 2,61,07,679 इकाई रहा, जबकि कैलेंडर वर्ष 2023 में यह 2,39,28,293 इकाई था। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने कहा, वर्ष 2024 में भीषण गर्मी, केंद्र तथा राज्यों में चुनाव और असमान मानसून सहित कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत बना रहा।'' उन्होंने बताया कि कि दोपहिया वाहन खंड में बेहतर आपूर्ति, नए मॉडल तथा मजबूत ग्रामीण मांग ने वृद्धि को बढ़ावा दिया, हालांकि वित्तीय बाधाएं तथा बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रतिस्पर्धा चुनौतियां पेश करती रहीं। यात्री वाहनों की बिक्री 2024 में 40,73,843 इकाई रही, जो 2023 में 38,73,381 इकाई की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 1,89,12,959 इकाई हो गई। 2023 में यह 1,70,72,932 इकाई थी। वहीं तिपहिया वाहनों का पंजीकरण सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 12,21,909 इकाई हो गया जो 2023 में 11,05,942 इकाई था। ट्रैक्टर की बिक्री में सालाना आधार पर तीन प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 8,94,112 इकाई रही, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2024 में 10,04,856 इकाई पर स्थिर रही।

सेबी की फटकार के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 5 फीसदी लुढ़के

सोशल मीडिया पर योजनाओं का खुलासा करने पर चेयरमैन को दी हिदायत

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक का शेयर आज यानी बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई पर 5 फीसदी लुढ़क गया। ईवी कंपनी के शेयरों में यह गिरावट मार्केट रेगुलेटर सेबी की फटकार के बाद आई। मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को फटकार लगाई है। रेगुलेटर ने नियमों के उल्लंघनों पर कंपनी को चेतावनी लेटर भी जारी किया है। ओला इलेक्ट्रिक की रेगुलेटरी फाईलिंग के मुताबिक कंपनी को मंगलवार को ईमेल के जरिए सेबी ने यह भेजा। यह लेटर इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के एक्सचेंजों को सूचित करने से पहले एक्स पर अपनी योजनाओं का खुलासा करने के चलते मिला है। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इस चेतावनी के कारण कोई वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक ने कॉर्पोरेट एक्शन की बजाय सोशल मीडिया एक्स पर अपनी योजनाओं का पहले खुलासा कर दिया। लेटर में ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन को इस संबंध में आगे से ऐसा न करने की हिदायत दी है। नियमों के मुताबिक सभी खुलासे पहले स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित करना है और वह 12 घंटों के भीतर। सेबी ने कहा कि इससे उन शर्तों का भी उल्लंघन हुआ कि सभी निवेशकों को समय पर समान रूप से सूचित करना चाहिए। सेबी ने लेटर में कहा कि पहले स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचना प्रसारित करने में विफल रहने और इसके बजाय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी घोषणा करने से आप सभी निवेशकों के लिए जानकारी तक समान और समय पर पहुंच प्रदान करने में विफल रहे हैं। सेबी के इस एक्शन के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में बुधवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट आई है। कंपनी का शेयर बीएसई पर इंट्रा-डे ट्रेड में 5 फीसदी तक फिसल गया। सुबह 10 बजे यह 3.53 रुपए या 4.46 फीसदी गिरकर 75.63 रुपए प्रति शियर के भाव पर कारोबार कर रहा था। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 9 अगस्त, 2024 को स्टॉक मार्केट में लिस्ट हुआ था। लिस्टिंग के एक हफ्ते के बाद कंपनी के शेयर ऑल टाइम हाई 157.53 रुपए तक पहुंच गए थे। हालांकि, तब से कंपनी के शेयर करीब 20 फीसदी गिर चुके हैं।

2024 में कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत रहा

-फाडा ने कहा-दोपहिया में आपूर्ति, नए मॉडल और ग्रामीण मांग से हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दोपहिया और यात्री वाहनों की मजबूत मांग से 2024 में मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा है कि 2024 में कुल वाहन पंजीकरण 2,61,07,679 इकाई रहा, जबकि 2023 में यह 2,39,28,293 इकाई रहा था। फाडा के अध्यक्ष कहा है कि 2024 में भीषण गर्मी, केंद्र और राज्यों में चुनाव और असमान मानसून सहित कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत बना रहा। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन खंड में बेहतर आपूर्ति, नए मॉडल और मजबूत ग्रामीण मांग ने बढ़ोतरी को बढ़ावा दिया, हालांकि वित्तीय बाधाएं और बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रतिस्पर्धा चुनौतियां पेश करती रही हैं। यात्री वाहनों की बिक्री 2024 में 40,73,843 रही, जो 2023 में 38,73,381 इकाई की तुलना में पांच फीसदी ज्यादा है। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11 फीसदी से बढ़कर 2024 में 1,89,12,959 हो गई। 2023 में यह 1,70,72,932 थी। वहीं तिपहिया वाहनों का पंजीयन सालाना 11 फीसदी से बढ़कर 12,21,909 इकाई हो गया जो 2023 में 11,05,942 इकाई रहा था। ट्रैक्टर की बिक्री में सालाना आधार पर तीन फीसदी की वृद्धि देखी गई और यह 8,94,112 इकाई रही, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2024 में 10,04,856 पर स्थिर रही। वहीं दिसंबर में फाडा के मुताबिक मोटर वाहन क्षेत्र की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 12 फीसदी घटकर 17,56,419 इकाई रही। दिसंबर 2023 में 14,54,353 इकाइयों की तुलना में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण 18 फीसदी से घटकर 11,97,742 इकाई रह गया। दिसंबर 2023 में 2,99,351 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री भी दो फीसदी घटकर 2,93,465 इकाई रह गई थी।

सप्लाई तेज होने से गिर रहे हैं हरी सब्जियों के दाम

नई दिल्ली। ठंड के मौसम में सप्लाई तेज होने से हरी सब्जियों के दाम अब गिरने लगे हैं। लोगों को अब बढ़ी हुई हरी सब्जियों की कीमतों से राहत मिलने लगी है। गोभी, मटर, आलू, मूली और गाजर जैसी हरी सब्जियों की नई खेप और बढ़ी हुई सप्लाई के चलते इनके दाम में गिरावट आई है। गोभी से लेकर हरी मिर्च, मूली, पालक सहित कई मौसमी सब्जियां सस्ती होने से बड़ी राहत मिली है। कारोबारियों का कहना है कि टमाटर, जो एक हफ्ते पहले 40 रुपए प्रति किलो बिक रहा था, अब 20 रुपए में उपलब्ध है। आलू और अन्य सब्जियों की कीमतों में भी कमी देखी जा रही है और आने वाले दिनों में इनके रेट्स में और गिरावट की उम्मीद है। हालांकि, आने वाले दिनों में आलू, टमाटर, शिमला मिर्च, मटर से लेकर बींस के भी रेट और कम हो सकते हैं। हफ्ते भर पहले 40 रुपए प्रति किग्रा के हिसाब से बिकने वाला टमाटर सोमवार को रिटेल में 20 रुपए प्रति किग्रा के हिसाब से मिला। इसके अलावा 100 रुपए में ढाई किग्रा मिलने वाला आलू अब 100 में चार किलोग्राम मिल रहा है।

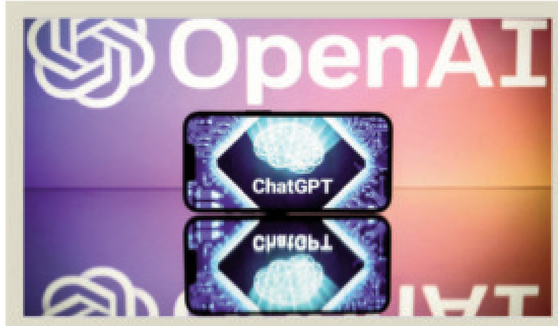

चैटजीपीटी को सब्सक्राइबर बढ़ने से घाटा?

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआईचैटबाट के सब्सक्राइबर तेजी से बढ़ रहे हैं। उसी तेजी के साथ कंपनी का घाटा भी बढ़ रहा है। कंपनी के सह संस्थापक सैम आल्टमैन का कहना है। सब्सक्राइबर बढ़ने के कारण कंपनी को नुकसान हो रहा है। चैट जीटीपी का सालाना सब्सक्राइबर शुल्क भारत में करीब 17000 रुपए प्रति वर्ष है। भारत में तेजी के साथ सब्सक्राइबर बढ़ रहे हैं। जिसके कारण चैट जीपीटी कंपनी की लागत बढ़ती चली जा रही है। ग्राहकों को प्रीमियम सुविधा देने के लिए ओपन एआई की कंप्यूटिंग लागत पर कंपनी को ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। कंपनी के इस बयान के बाद ऐसा लग रहा है कि कंपनी भारत में अपना शुल्क बढ़ाने की तैयारी कर रही है। भविष्य में सालाना सब्सक्रिप्शन और भी महंगा हो सकता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में बैंकों की लाभप्रदता पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली। खराब परिसंपत्तियों में वृद्धि के चलते वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय बैंकों की लाभप्रदता पर असर पड़ सकता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 बैंकों के लिए मुनाफे का चरम साल था, लेकिन अब यह लाभप्रदता टर्निंग पॉइंट पर है और अगले वित्तीय वर्ष में इसमें और कमी की आशंका है। एजेंसी के प्रमुख और निदेशक (वित्तीय संस्थान) करण गुप्ता ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों की लाभप्रदता पर ऋण चूक और बढ़ती ऋण लागत का दबाव रहेगा। उन्होंने कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता पर दबाव मुख्य रूप से बिना गारंटी वाले खुदरा कर्ज जोखिम से उत्पन्न होगा, हालांकि इसका कोई प्रणालीगत प्रभाव नहीं होगा। रेटिंग एजेंसी ने 50,000 रुपये से कम के खुदरा असुरक्षित कर्ज को बैंकों के कुल कर्ज का 0.4 प्रतिशत बताया और कहा कि केवल 3.6 प्रतिशत कर्ज ऐसे हैं जिनकी उधारी दर 11 प्रतिशत से अधिक है। हालांकि, ऋण वृद्धि की गति धीमी होने की संभावना जताई गई है, और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रणालीगत ऋण वृद्धि अनुमान को 15 प्रतिशत से घटाकर 13-13.5 प्रतिशत कर दिया गया है। एजेंसी ने बताया कि बढ़ती कर्ज चूक, पिछली बढ़ोतरी और लेखांकन नीतियों में बदलाव के कारण अगले वित्त वर्ष में बैंकों का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 0.10 प्रतिशत तक घट सकता है। साथ ही, ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर भी कम होने का अनुमान है। गुप्ता ने परिसंपत्ति गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्तिगत ऋण, बिना गारंटी वाले व्यावसायिक ऋण और सूक्ष्म-वित्त पर दृष्टिकोण को स्थिर से घटाकर बिगड़ता हुआ कर दिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इस दबाव को संभालना संभव है और इसका कोई बड़ा व्यवस्थित प्रभाव नहीं होगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों में हुए नुकसान से आयी है। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों से भी निवेशकों ने सतर्कता बरती जिससे भी बाजार नीचे आया। अमेरिकी बाजारों में कमजोरी से भी बाजारों पर दबाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में सेंसेक्स 50.62 अंक तकरीबन 0.06फीसदी नीचे आकर 78,148.49 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में निफ्टी 18.95 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी नीचे आकर 23,688.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान देसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों को लेकर निवेशक बाजार से दूर रहे। इन परिणामों की शुरुआत 9 जनवरी को टीसीएस के साथ होगी। अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुआ। इसका प्रभाव भी एशियाई बाजारों के साथ घरेलू बाजार पर भी पड़ा। दिसंबर में सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में तेजी और नवंबर में नयी नौकरियों में बढ़त के आंकड़े जारी होने के बाद वॉल स्ट्रीट पर गिरावट आई है। इससे तय है कि फेडरल रिजर्व 2025 में ब्याज दरों में कम दर कटौती करेगा। दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटी दिग्गज टीसीएस और आईटीसी के शेयरों में तेजी ने बाजार को दिन की बड़ी गिरावट से संभाला। इंट्रा-डे ट्रेड में सेंसेक्स 700 से ज्यादा अंक गिर गया था। डाबर इंडिया और हीरो मोटोकॉर्प समेत अन्य कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणामों के उम्मीद अनुसार नहीं रहने से भी बाजार नीचे आया। निवेशकों को डर है कि तीसरी तिमाही में कॉर्पोरेट परिणाम पिछली (दूसरी) तिमाही से बेहतर होंगे या नहीं। बता दें कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे पिछले चार वर्षों में सबसे खराब थे। जानकारों के अनुसार कंपनियों की आय में कमी और महंगे वैल्यूएशन को लेकर चिंताएं घरेलू बाजारों पर दबाव डाल रही हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 78,319 अंक पर खुला। खुलने के कुछ ही मिनटों के भीतर इसमें गिरावट आने लगी। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी सकारात्मक शुरुआत के साथ खुला। मगर खुलने के कुछ ही देर में यह गिरावट में चला गया।

वहीं दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट में बंद हुए। इसका असर एशियाई बाजारों के साथ घरेलू बाजार पर भी पड़ा है। सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी और नवंबर में नयी नौकरियों में वृद्धि के आंकड़े जारी होने के बाद वॉल स्ट्रीट पर गिरावट आई है। ये आंकड़े संकेत देते है कि फेडरल रिजर्व 2025 में ब्याज दरों में कम कटौती करेगा। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में प्रमुख तकनीकी शेयरों की कमजोरी से गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.11 फीसदी गिरा, डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.42 फीसदी की गिरावट रही, और नैस्डैक कंपोजिट 1.89 फीसदी नीचे आया। वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था।

छोटी और मझोली कंपनियों के प्रमोटरों ने बेचे 1.2 लाख करोड़ के शेयर

आम निवेशकों में दहशत, निवेशकों मे सुरक्षित निकलने की होड़

मुंबई। छोटी एवं मध्यम कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। छोटी और मझोली कंपनियों के प्रमोटर और उनके छोटे निवेशक इन दिनों बिकवाली कर रहे हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में मंदी और बिकवाली का बड़ा दौर देखने को मिल रहा है। प्रमोटरों के शेयर बिकने के बाद छोटे निवेशकों में भगदड़ मच गई है। अब मुनाफे की जगह छोटे निवेशक अपने निवेश को बचाने के चक्कर में शेयर बेचकर बाहर निकलना चाहते हैं। 2023 के दिसंबर माह से सितंबर 2024 के बीच में 384 मिडकैप और स्मॉल कैप कंपनियों के प्रमोटर अपने शेयर बड़े पैमाने पर बेच चुके हैं। डीएसपी म्युचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार विचार स्मॉल कैप और मिड कैप कंपनियों के 4 प्रमोटर में एक प्रमोटर ने अपने इक्विटी शेयरों की शुद्ध बिकवाली की है। बाजार में प्रमोटरों ने अपने 1.2 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेच दिए हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति देखने को मिल रही है।

वीआई ने की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ साझेदारी

नई दिल्ली। अपने नेटवर्क को बेहतर बनाने और ग्राहकों को मजबूत कनेक्टिविटी देने के लिए वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने एरिक्सन, नोकिया और सैमसंग जैसी प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ साझेदारी की है। 2024 में वीआई ने 46,000 नए साइट्स जोड़कर अपने नेटवर्क का बड़ा विस्तार किया और 58,000 लोकेशन्स पर नेटवर्क की क्षमता को मजबूत किया। कंपनी ने अगले तीन सालों में हजारों नए साइट्स लगाने की योजना बनाई है, जिससे यूजर्स को पहले से बेहतर अनुभव मिलेगा। इसके अलावा, इनडोर कवरेज प्लस टेक्नोलॉजी ने घर और ऑफिस में भी कनेक्शन की गुणवत्ता को और बेहतर बना दिया है। ग्राहकों की सुविधा के लिए कंपनी ने स्पैम डिटेक्शन फीचर लॉन्च किया, जिससे अनचाहे कॉल और मैसेज को नियंत्रित किया जा सके। इसके साथ ही, वीआई ने लाइंसगेट प्ले के साथ साझेदारी की है, जिससे ग्राहकों को प्रीमियम ओटीटी कंटेंट का भी लाभ मिलेगा। कंपनी के इन प्रयासों का सकारात्मक असर शेयर बाजार में भी दिखा। वीआई का शेयर 2.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ रुपए 8.07 पर बंद हुआ। कंपनी के सीईओ अक्षय मूंदड़ा ने ग्राहकों का धन्यवाद करते हुए कहा, आपके भरोसे ने हमें हर दिन बेहतर करने की ताकत दी है। 2025 में और भी रोमांचक चीजें आने वाली हैं, इसलिए जुड़े रहें। वीआई के ये प्रयास कंपनी के बाजार में मजबूत स्थिति बनाने और ग्राहकों को उन्नत सेवाएं देने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

अरबपति बिल गेट्स ने परिवहन क्षेत्र में किया 3730 करोड़ रुपए का निवेश

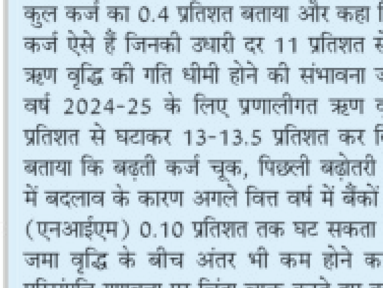

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने परिवहन क्षेत्र में 3730 करोड़ रुपए यानी 373 मिलियन डॉलर का बड़ा निवेश किया है। गेट्स ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब यह क्षेत्र चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। उनका मानना है कि 2025 में इस क्षेत्र में शानदार वापसी करेगा। गेट्स ने फेडएक्स और पेसकर कंपनियों में एक-एक मिलियन शेयर खरीदे। फेडएक्स में निवेश की कुल राशि 2730 करोड़ रही, जबकि पेसकर में 1000 करोड़ यानी 100 मिलियन डॉलर का निवेश किया। पेककर, जो पेटरबिल्ट और केनवर्थ जैसे प्रसिद्ध ट्रक ब्रांड्स का निर्माता है, वैश्विक क्लास 8 ट्रक बाजार में 31.1 फीसदी हिस्सेदारी रखता है। ये ट्रक भारी माल ढुलाई के लिए जाने जाते हैं। वहीं फेडएक्स एक प्रमुख लॉजिस्टिक कंपनी है, जो अपने ड्राइव पहल के तहत परिचालन को सुव्यवस्थित करने और लागत में कटौती की योजना पर काम कर रही है। 2024 में एसएंडपी 500 ट्रांसपोटेशन इंडेक्स में 0.5 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि एसएंडपी 500 में 23 फीसदी की बढ़त हुई। इसके बावजूद बिल गेट्स को परिवहन क्षेत्र में आर्थिक सुधार और ब्याज दरों में गिरावट के कारण मांग बढ़ने की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि गेट्स का यह निवेश इस क्षेत्र के दीर्घकालिक लचीलापन पर उनके भरोसे को दर्शाता है। पेसकर और फेडएक्स दोनों कंपनियां परिवहन और लॉजिस्टिक्स की बढ़ती मांग से लाभ उठाने के लिए स्थिति में हैं। बिल गेट्स के पास वर्तमान में 8515 अरब रुपए यानी 103.1 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट में अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचकर निवेश किया। उनकी परोपकारी संस्था बिल एंड मेलिंडा गेस्ट फाउंडेशन का पोर्टफोलियो 3735 अरब रुपए यानी 45 बिलियन डॉलर का है।

मारुति और टोयोटा की इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत में साल 2025 में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में प्रतिस्पर्धा एक नए स्तर पर पहुंचने वाली है। मारुति और टोयोटा कंपनी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी में हैं, जबकि लगभग 12 अन्य ऑटो निर्माता 30 से अधिक नए ईवी मॉडल पेश करेंगे। फिलहाल भारतीय बाजार में 7 लाख से 2.15 करोड़ रुपये तक की 45 इलेक्ट्रिक कारें उपलब्ध हैं। नई ईवी कारें 500 किमी से अधिक की रेंज प्रदान करने में सक्षम होंगी और इनकी अनुमानित कीमत 19 लाख रुपये के आसपास होगी। इंटरनेट-कनेक्टेड और प्रीमियम फीचर्स वाली कारों की मांग बढ़ रही है, जो पिछले साल की कुल कार बिक्री का 40 प्रतिशत हिस्सा थी। 2024 में कारों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 2.53 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2023 में 2.32 प्रतिशत थी। 2025 में यह हिस्सेदारी दोगुनी होकर 4.61 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। ईवी के बढ़ते प्रभाव के बीच, सीएनजी वाहनों की बिक्री में 38.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि हाइब्रिड कारों की बिक्री 14 प्रतिशत बढ़ी। डीजल वाहनों की मांग 7.2 प्रतिशत बढ़ी, लेकिन पेट्रोल वाहनों की बिक्री में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में बैटरी की कीमतों में 23 प्रतिशत की कमी आई है और 2025 में इसके और 20 प्रतिशत कम होने की संभावना है। इसका मतलब है कि इलेक्ट्रिक कारों की कीमत पेट्रोल कारों के करीब आ सकती है।

लोकसभा चुनाव तक ही था इंडी अलायंस

बक्सर में तेजस्वी यादव बोले- दिल्ली विधानसभा चुनाव पर अभी कुछ तय नहीं

बक्सर। तेजस्वी यादव ने बुधवार को इंडिया गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'इंडिया गठबंधन सिर्फ 2024 के लोकसभा चुनाव तक के लिए बना था। तेजस्वी यादव बुधवार को कार्यकर्ता संवाद यात्रा पर बक्सर पहुंचे थे। जहां पत्रकारों ने उनसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी (AAP) और कांग्रेस के बीच बढ़ती तकरार को लेकर सवाल किया। तेजस्वी यादव ने कहा, 'यह अस्वाभाविक नहीं है कि कांग्रेस और आप जैसे दलों में मतभेद हों। गठबंधन का मुख्य उद्देश्य लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना है, और यह गठबंधन उसी लक्ष्य तक सीमित है।' ये दल हैं I.N.D.I. का हिस्सा गठबंधन में कांग्रेस, TMC, DMK, AAP, RJD, JMM, NCP (शरद गुट), शिवसेना (उद्धव गुट), SP,

एनसी, PDP, CPM, CPI, MDMK, KMDK, VCK, RSP, COI (ML), फॉरवर्ड ब्लॉक, IUML, केरल कांग्रेस (जोसेफ), केरल कांग्रेस (मणि), अपना दल (कामेरावादी) और MMK शामिल हैं। तेजस्वी यादव ने नीतीश भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'सीएम कब किसका पैर छू दें ये पता नहीं। अधिकारियों, इंजीनियरों का पैर छूने पड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री का चेहरा आगे कर के सब अपना रोटी सेक रहा है। डबल इंजन सरकार पर निशाना तेजस्वी यादव ने बिहार और केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा, '20 साल बिहार में और 11 साल केंद्र में डबल इंजन की सरकार रही। बिहार को नंबर वन राज्य बनाने की बात कही गई थी, लेकिन हकीकत यह है कि नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, गरीबी, पलायन, और बेरोजगारी में बिहार सबसे ऊपर है।' तेजस्वी ने विशेष राज्य के दर्जे के वादे का भी जिक्र करते हुए कहा कि यह वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने इसे जनता के साथ 'धोखा' करार दिया। नीतीश की प्रगति यात्रा को बताया 'दुर्गति यात्रा' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा पर सवाल उठाते हुए तेजस्वी ने कहा, 'मुख्यमंत्री के संवाद यात्रा का नाम चार बार बदला जा चुका है। इसे प्रगति यात्रा का नाम दिया गया है, लेकिन यह असल में दुर्गति यात्रा है।' उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जनता से संवाद करने के लिए रिटायर्ड अधिकारियों का सहारा ले रहे हैं। तेजस्वी ने यह भी दावा किया कि इस यात्रा पर 2 अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री एक तरफ बिहार को गरीब राज्य बताते हैं, तो दूसरी तरफ इतने पैसे सिर्फ यात्रा पर खर्च कर रहे हैं। इससे प्रदेश के विकास का अंदाजा लगाया जा सकता है।' 17 महीने की सरकार की उपलब्धियां गिनाई मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने अपनी 17 महीने की सरकार के दौरान की गई उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस दौरान बिहार में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई थी और जनता को राहत देने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए थे। तेजस्वी यादव ने कार्यकर्ताओं को 2024 और 2025 चुनावों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है, और राजद के नेतृत्व में बिहार नई दिशा में आगे बढ़ेगा। 'माई-बहन मान योजना' के तहत 2500 रुपए महिलाओं को मिलेंगे तेजस्वी यादव ने मंगलवार को बक्सर में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम से पहले अतिथि गृह में महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने आगामी चुनाव के बाद बनने वाली इंडिया गठबंधन की सरकार के लिए बड़े वादे किए। उन्होंने महिलाओं के लिए 'माई-बहन मान योजना' की घोषणा करते हुए कहा कि उनकी सरकार बनने पर हर महिला को 2500 रुपए का मासिक सम्मान दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा, 'बिहार की करोड़ों माताओं और बहनों के आशीर्वाद से हमने यह निर्णय लिया है। 2025 में हमारी सरकार बनने के एक महीने के अंदर इस योजना को लागू किया जाएगा। इससे हर महिला आत्मनिर्भर, समृद्ध और सुखी बनेगी। नए बिहार के निर्माण की नींव महिलाओं की समृद्धि से रखी जाएगी।' उन्होंने यह भी वादा किया कि हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। वृद्धा और सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर 1500 रुपए किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

दरभंगा में 15 साल की नाबालिग का अपहरण

दरभंगा। में 30 दिसंबर को 15 साल की नाबालिग का अपहरण हुआ था। पीड़िता की मां ने घनश्यामपुर थाना में आवेदन दिया है। अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन में बताया है कि मेरी बेटी बेलवाड़ा हाईस्कूल 9वीं कक्षा में पढ़ती है। 30 दिसंबर की सुबह वो साढ़े नौ बजे घर से निकली थी। जिसके बाद वो घर नहीं पहुंची। मैंने स्कूल में खोजने गई तो पता चला कि वो विद्यालय पहुंची ही नहीं। रास्ते में पता चला कि विशाल प्रधान और साकिन ने मेरी बेटी को उठाया है। मामला घनश्यामपुर थाना क्षेत्र का है। जल्द ही नाबालिग को बरामद कर लिया जाएगा पीड़िता ने मां विशाल के घर गई तो उसके पिता शंकर प्रधान ने कहा कि मेरा बेटा घर पर नहीं है। तुम यहां से भाग जाओ। मेरे घर दोबारा अपने बेटी को खोजने के लिए नहीं आना। मेरा बेटा जवान है, उसका जो मन होगा वही करेगा। पीड़िता की मां को आशंका है कि आरोपी कहीं उसे गलत हाथ बेच नहीं दें। उसके साथ कोई अप्रिय घटना न हो। आरोपी पहले भी मेरी को परेशान किया करते थे। घनश्यामपुर थाना अध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि पीड़ित परिजन के आवेदन पर केस दर्ज किया गया है। इस मामले का अनुसंधान चल रहा है। जल्द ही नाबालिग को बरामद कर लिया जाएगा।

ठंड के साथ ही अस्पताल में बढ़ी मरीजों की संख्या

लखीसराय। में बढ़ती ठंड और कनकनी ने जिले में लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है। ठंड के कारण न केवल आम जनजीवन की रफ्तार धीमी हो गई है, बल्कि स्वास्थ्य समस्याओं में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। सदर अस्पताल में मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। सदर अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में सर्दी, खांसी, बुखार, और हाइपर टेंशन के मरीज पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, बदलते मौसम और ठंड के कारण लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है, जिससे सर्दी-खांसी के साथ अन्य बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। अस्पताल में बच्चों और बुजुर्ग मरीजों की संख्या में अधिक वृद्धि देखी गई है, क्योंकि ये वर्ग ठंड से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। डॉक्टर गोपाल कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों का उपयोग करें, घर से बाहर निकलते समय खुद को पूरी तरह से ढकें और ठंडी चीजों के सेवन से बचें। नियमित रूप से गर्म पानी पीने और पौष्टिक भोजन करने की भी सलाह दी गई है। साथ ही, जिन लोगों को पहले से हृदय रोग या उच्च रक्तचाप की समस्या है, उन्हें विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

ट्रेनिंग सेंटर में एक्सीडेंटल फायरिंग,2 महिला सिपाही को लगी गोली

मुजफ्फरपुर। के झपहा ट्रेनिंग सेंटर में फायरिंग रेंज में दो महिला सिपाही को गोली लगी है। घटना के बाद कर्मियों में अफरा तफरी मच गई। घायल महिला सिपाही को आनन फानन में इलाज के लिए SKMCH लाया गया है। डॉक्टर ने उसका इलाज शुरू कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फायरिंग रेंज में मिस फायरिंग की वजह से दोनों महिला सिपाही कर्मी को गोली लगी थी, जिसके बाद ट्रेनिंग सेंटर के कर्मी ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। इसके बाद इलाज के लिए आनन-फानन में अस्पताल भर्ती करवाया। डॉक्टर ने दोनों को खतरे से बाहर बताया है दोनों महिला गोपालगंज जिले की सिपाही है। चार दिन की ट्रेनिंग पर मुजफ्फरपुर आई थी। दो महिला सिपाही के पैर से डॉक्टर ने गोली निकाल दिया है। दोनों महिला सिपाही अब खतरे से बाहर है। घटना की सूचना पर डीएसपी विनता सिन्हा ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। DSP 2 विनता सिन्हा ने बताया कि झपहा सीआरपीएफ कैंपस में गोपालगंज जिला पुलिस फायरिंग प्रैक्टिस के लिए आई थी। फायरिंग प्रैक्टिस के दौरान मिस फायर में दो महिला सिपाही के पैर में गोली लगी है। दोनों अभी वे सुरक्षित हैं। उनका इलाज चल रहा है। दोनों खतरे से बाहर है। ट्रेनिंग सेंटर में एक हवलदार हैं, उसी से मिसफायर हुई थी। दोनों के पैर से गोली निकाल ली गई है।

मजदूरी का पैसा मांगने गए शख्स पर हमला

सीवान। के मैरवा थाना क्षेत्र के इंगलिस नोनिया टोला में हाउस वायरिंग करने का पैसा मांगने पर मकान मालिक विशाल पंडित ने युवक की पिटाई करवा दी। इससे वह बेहोश होकर गिर गया। इसके बाद उसकी हालत गंभीर होने पर पुलिस ने रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने घायल की हालत नाजुक देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायल मजदूर दरौली के बेलाव गांव निवासी सुमित कुमार राय बताया जाता है। मामले को लेकर पीड़ित ने आधा दर्जन लोगों को आरोपी बनाते हुए आवेदन दिया है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। मैरवा थाना अध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष की ओर से मजदूरी के बदले मारपीट करने और अन्य कुछ चीजों के छिनने के मामले में आवेदन मिला है।

ट्रैक पर रखे सीमेंटेड पोल से टकराई चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस

मोतिहारी। में मंगलवार की देर रात चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस एक रेलवे ट्रैक पर रखे एक पोल से टकरा गई। असामाजिक तत्वों ने डाउन रेलवे ट्रैक पर सीमेंट का पोल रख दिया था। ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश की थी। लेकिन लोको पायलट की सूझबूझ से हादसा टला। ट्रेन आनंद विहार से आ रही थी। घटना मुजफ्फरपुर-नरकटियागंज रेल खंड के बापूधाम रेलवे स्टेशन से 169 किलोमीटर दूर चैलाहा हॉल्ट के पास घटी है। घटना की सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल, स्थानीय पुलिस और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। जांच में सामने आया कि चैलाहा हॉल्ट पर यात्रियों के लिए रखी गई सीमेंटेड बेंच को तोड़कर उसके हिस्सों को ट्रैक पर रखा गया था। ऐसा प्रतीत होता है कि यह जानबूझकर किया गया था ताकि ट्रेन को गंभीर दुर्घटना का शिकार बनाया जा सके। जैसे ही

ट्रेन चालक ने ट्रैक पर रखे मलबे और सीमेंटेड बोल्डर को देखा, उसने तुरंत ब्रेक लगाकर रेलगाड़ी रोक दी। हालांकि, बोल्डर से हल्की टक्कर हुई, लेकिन ट्रेन रुकने के कारण किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ। रेलवे सुरक्षा बल के पोस्ट कमांडर चंदन पासवान ने बताया कि इस घटना में शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा, 'यह एक गंभीर मामला है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रेलवे प्रबंधन सुरक्षा उपायों को और सख्त करेगा ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।'

डी.आर.आई ने जब्त किए 80 लाख के इंसानी बाल

मुजफ्फरपुर। में DRI (राजस्व खुफिया निदेशालय) की टीम ने मंगलवार की देर रात इंसानी बालों से भरे एक ट्रक को पकड़ा है। टीम ने 3 तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। जब्त बाल की कीमत 80 लाख रुपए बताई गई है। गिरफ्तार तस्करों ने पूछताछ में बताया कि 'उन्होंने तिरूपति से बाल खरीदे थे, जिसे ट्रक पर लोड कर नेपाल के रास्ते चीन ले जाना था।' डी.आर.आई ने मधुबनी जिले के मधवापुर बॉर्डर के पास संदिग्ध ट्रक देखा तो उसकी तलाशी ली। ट्रक के अंदर 1680 किलो इंसानों के बाल थे। इस मामले में बंगाल के मुर्शिदाबाद के अताउर रहमान, अब्दुल अजीम शेख और बिहार के एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। बिहार के तस्कर की पहचान नहीं हो सकी है। तीनों से मुजफ्फरपुर में पूछताछ की जा रही है। मुजफ्फरपुर डी.आर.आई ने पहली बार जब्त किए इंसानी बाल पहली बार

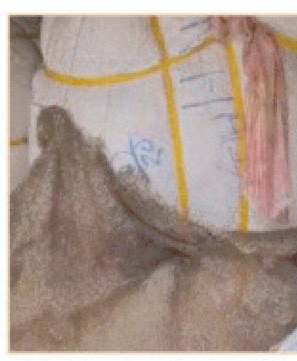

मुजफ्फरपुर डी.आर.आई ने इंसानी बाल को जब्त किया है। डी.आर.आई सूत्रों ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर मधवापुर-नेपाल बॉर्डर पर गश्ती शुरू की और फिर ट्रक को आते देख कार्रवाई की।चीन में भारतीय इंसानों के बाल से बनी विग की डिमांड है। इसकी कीमत भी ज्यादा होती है। इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय तस्कर बाल जुटाकर नेपाल के रास्ते चीन भेजते हैं। डी.आर.आई के मुताबिक, जब्त बाल तिरूपति से खरीदकर गया था। तिरूपति और अन्य धार्मिक स्थलों पर मुंडन के लिए बड़े पैमाने पर लोग जुटते हैं। हेयर प्रोडक्ट्स कंपनी नाइल्सन की रिपोर्ट के मुताबिक, हर साल यह बिजनेस 10% की दर से बढ़ रहा है। 2023 में यह कारोबार करीब 75 हजार करोड़ का था। इंसानी बाल खरीदने में चीन सबसे आगे है। इसके बाद अमेरिका, अफ्रीका और यूरोप के देशों का नाम आता है। एक अनुमान के मुताबिक, एक किलो बाल में 25 विग बनाए जा सकते हैं। एक किलो बाल की कीमत एक से डेढ़ लाख रुपए होती है। इस व्यापार में भारत नंबर वन है। अन्य देशों में भारत के बालों की डिमांड भी अधिक है। भारत 90 प्रतिशत तक बालों की आपूर्ति करता है। बालों की कीमत उनकी क्वालिटी पर निर्भर करती हैं। मार्केट रिसर्च कंपनी एरिजटोन के मुताबिक, 2021 में विग और बालों का ग्लोबल बिजनेस 47 हजार करोड़ रुपए का हुआ। 6350 करोड़ के बाल भारत से खरीदे गए। जिसके आइटम बने और फिर मार्केट में बिके। 2020 के मुकाबले यह दोगुना था। क्या आप जानते हैं कि कटे हुए बालों से केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सालाना 12 से 15 करोड़ रुपए कमा रहे हैं। गडकरी को नए बिजनेस आइडिया के लिए जाना जाता है। साल 2018 में गडकरी ने वेस्ट से पैसा कमाने का यह बिजनेस आइडिया एक टीवी कार्यक्रम में शेयर किया था। उन्होंने बताया कि वे सालभर में ट्रक भर बाल खरीदते हैं। इन बालों से गांव में ही लगाई एक फैक्ट्री में अमीनो एसिड तैयार करवाते हैं। इसके लिए दुबई से उन्हें 180 कंटेनर का ऑर्डर भी मिला था। एक्सपर्ट के मुताबिक 1 किलो बाल से 8 लीटर अमीनो एसिड बन सकता है। जो फलीदार फसलों में खाद का काम करता है।

10 करोड़ रुपए के सोना लूटकांड मामला

समस्तीपुर। के मोहनपुर रोड में पिछले साल हुए रिलायंस ज्वेलर्स से 10 करोड़ के सोना लूट मामले में फरार चल रहे वैशाली के कर्मवीर समेत जिले के 12 बदमाशों पर इनाम की घोषणा की गई है। बदमाशों पर 5000 से लेकर 2 लाख रुपए तक का इनाम घोषित किया गया है। इन बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस के साथ बिहार STF की टीम भी लगी हुई है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी की गई सूची में वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के दाउदनगर खिलवत के कर्मवीर कुमार उर्फ धर्मवीर पर सरकार ने दो लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। रिलायंस ज्वेलर्स लूट कांड में फरार चल रहे मोहम्मद साहिल और राजा साह (वैशाली जिले के ही दाउदनगर खिलवत निवासी) पर भी एक-एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया

है। इन बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लगातार पुलिस की टीम छापेमारी कर रही है पुलिस सूत्रों ने बताया कि रोसरा के अरूण महतो हत्या मामले में आरोपी दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के शाहपुर पगड़ा गांव के रहने वाले सुभाष झा पर भी सरकार ने दो लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। सुभाष झा बेगूसराय जिले में हुए सोना लूट मामले में भी फरार चल रहा है। जिन पर इनाम घोषित, उनमें ये भी शामिल दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के ही केवटा गांव के रहने वाले सोनू पासवान उर्फ मिथिलेश पासवान पर पुलिस मुख्यालय की ओर से 25 हजार का इनाम घोषित किया है। इसकी तलाश दलसिंहसराय में पिछले वर्ष हुए पोल्ट्री फार्म संचालक की हत्या मामले में की जा रही है। लेकिन इसकी गिरफ्तारी अब तक नहीं हो पाई है। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के चक बेगम गांव के रहने वाले शिवचंद्र पासवान के बेटे रितेश कुमार पर भी 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के ही भुट्टा चौक निवासी मोहम्मद अकबर उर्फ लफुआ के पुत्र मोहम्मद हैदर पर 10 हजार का इनाम घोषित किया गया है।ताजपुर थाना क्षेत्र के दरगाह रोड निवासी मोहम्मद अशरफ के बेटे मोहम्मद साजिद उर्फ बबलू पर भी 5 हजार जबकि कपूरी ग्राम थाना क्षेत्र के आधारपुर गांव निवासी गणेश सिंह के पुत्र अंकित कुमार उर्फ आरडीएक्स पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। राज्य मुख्यालय की ओर से जारी की गई सूची में खानपुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव निवासी तरुण सहनी के बेटे अरविंद सहनी पर 10 हजार का इनाम की घोषणा की गई है।इसके साथ ही मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जितवारपुर कन्हैया चौक निवासी संतलाल महतो के पुत्र बलराम महतो पर 25 हजार जबकि इसी थाना क्षेत्र के बीएड कॉलेज आजाद नगर मोहल्ला निवासी देव शंकर झा के पुत्र केशव कुमार झा पर सरकार की ओर से 5000 का इनाम घोषित किया गया है।

एक करोड़ 30 लाख की कोरियन सिगरेट मुजफ्फरपुर में जब्त

मुजफ्फरपुर। डीआरआई की टीम ने मुजफ्फरपुर दरभंगा फोरलेन पर मैठी टोल प्लाजा के पास एक करोड़ 30 लाख की विदेशी सिगरेट जब्त की है। टीम ने एक कंटेनर ट्रक को पकड़ा जिसके आगे उत्तराखंड का नंबर प्लेट तो पीछे हरियाणा का नंबर प्लेट लगा था। ये सिगरेट दिल्ली ले जाई जा रही थी। ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। डीआरआई सूत्रों के मुताबिक, उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कोरिया में बनी विदेशी सिगरेट की एक बड़ी खेप कंटेनर ट्रक से लाई जा रही है। सूचना में कंटेनर का नंबर भी दिया गया था। जैसे ही कंटेनर मैठी टोल प्लाजा के पास पहुंचा, डीआरआई टीम ने उसे रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में एक तहखाना मिला जिसमें सिगरेट के बंडल छिपाकर रखे गए थे। पूछताछ में ट्रक चालक ने दिल्ली में माल प्राप्त करने वाले तस्करों के

बारे में जानकारी दी। डीआरआई टीम अब इस जानकारी के आधार पर आगे की जांच और कार्रवाई कर रही है। बता दें कि अब तक छह बार मैठी टोल प्लाजा के पास से विदेशी सिगरेट की बड़ी खेप पकड़ी गई है। पिछली बार एक करोड़ 30 लाख रुपये की दक्षिण कोरियाई सिगरेट की खेप जब्त की गई थी। उस मामले में भी बरेली का एक ट्रक चालक गिरफ्तार किया गया था। लगातार हो रही इन घटनाओं में दिल्ली के सुल्ह बार में विदेशी सिगरेट की तस्करी करने वाले एक बड़े रैकेट का पता चलता है।

नवजात शिशुओं पर गिरते तापमान का असर सबसे अधिक

लखीसराय। में पड़ रही कड़ाके की ठंड ने लोगों में कंपकपा दिया है। ठंडी हवाओं और गिरते तापमान का असर छोटे बच्चों और नवजात शिशुओं पर सबसे अधिक पड़ रहा है। खासकर, अस्पताल में भर्ती नवजात के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसको ध्यान में रखते हुए सदर अस्पताल स्थित स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (SXNXCXU) में ठंड से बचाव के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। SXNXCXU में भर्ती नवजात शिशुओं को ठंड से बचाने के लिए रेडियंट हीटर का उपयोग किया जा रहा है। इन हीटरों के माध्यम से शिशुओं को एक स्थिर और गर्म वातावरण प्रदान किया जाता है। इससे वे ठंड के दुष्प्रभाव से बचे रहते हैं। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ राकेश कुमार ने बताया कि

SXNXCXU में सभी उपकरणों की नियमित जांच की जा रही है। ताकि ठंड के दौरान कोई तकनीकी समस्या न आए। ठंड से नवजात शिशुओं को खतरा डॉक्टरों के अनुसार, नवजात शिशु अत्यधिक संवेदनशील होते है और ठंड के कारण उनमें हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान सामान्य से कम हो जाना) का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में उनके लिए सही तापमान बनाए रखना बहुत जरूरी है। डॉ कुमार ने बताया कि रेडियंट हीटर के साथ-साथ नवजातों को गर्म कपड़ों और कंबल से ढका जा रहा है।

ईंट चिमनी भट्ठा पर 2 राउंड फायरिंग, एक की मौत

बेगूसराय। में ईंट चिमनी भट्ठा पर काम करने वाले झारखंड के एक आदिवासी मजदूर की गोली मारकर हत्या कर दी है। बदमाशों ने 3 मजदूरों को रॉड से पीट-पीटकर कर घायल भी कर दिया। घटना नावकोठी क्षेत्र के पहसारा स्थित आको सिंह के ए-वन चिमनी की है। मृतक की पहचान झारखंड के गुमला जिला स्थित सिसई थाना क्षेत्र के भूसंव निवासी लक्ष्मण उरांव के रूप में की गई है। चिमनी भट्ठा पर काम कर रहे मजदूरों ने बताया कि हम लोग ईंट पकाने के लिए कोयला लोडिंग कर रहे थे। रात करीब 12 बजे चिमनी पर दो तरफ से आठ बदमाश आए। सभी रॉड और लाठी-डंडे से लैस थे। आते ही मारपीट करने लगे, जिसमें लक्ष्मण के सीने में गोली मार कर उसकी हत्या कर दी गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया

है, जिसमें स्पष्ट रूप से दिख रहा कि आठ बदमाश पहले चिमनी के ऑफिस के पास पहुंचे। ऑफिस का गेट बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद बदमाशों ने वहां लगे सीसीटीवी को भी तोड़ दिया। सभी चिमनी के ऊपर पहुंचे, जहां की मजदूरों के साथ मारपीट की और गोली चलाई। एक गोली लक्ष्मण के सीने में लग गई। लक्ष्मण के गिरते ही सभी बदमाश वहां से भाग निकले। मृतक मजदूर के चचेरे भाई राम ने बताया कि हम और लक्ष्मण एक महीना पहले इस चिमनी पर काम करने पहुंचे थे। कल उसकी शाम 4 बजे से रात 1 बजे तक की ड्यूटी थी। हमारी एक बजे से सुबह तक की ड्यूटी होनी थी। अगले महीने भी युवक की शादी भी चिमनी के बगल में ही बने अस्थाई घर में सोया हुआ था। सुबह में पता चला कि रात में बदमाश आए थे। सबके साथ मारपीट की और हमारे भाई को गोली मारकर हत्या कर दी। लक्ष्मण अभी कुंवारा ही था और फरवरी में उसकी शादी होनी थी। उसके लिए सब कुछ तय हो गया था। 15-16 तारीख को हम लोग गांव जाते, शादी होती, लेकिन सब कुछ बर्बाद हो गया। चिमनी मालिक आको सिंह और गोलकी सिंह के बीच विवाद में घटना की आशंका जताई जा रही है। बताया गया कि दोनों का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। चिमनी मालिक आको सिंह ने बताया कि उसका गांव में ही गोलकी सिंह से विवाद चल रहा है। 2021 में हमारे ड्राइवर की हत्या हो गई थी, उसमें गोलकी के भी एक व्यक्ति की हत्या हो गई थी। जिसमें हम लोगों को आरोपी बनाया गया था, मामला कोर्ट में है। इधर, 22 दिसंबर को हम पर जानलेवा हमला किया गया। 10 लाख की रंगदारी भी मांगी थी गोलकी सिंह ने 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी जा रही थी। हमने चिमनी लीज पर दे रखी है, चिमनी उमेश सिंह चलाते हैं, लेकिन वह लोग हमारी चिमनी को बंद कराना चाहते हैं। इसलिए पहले 10 लाख की रंगदारी मांगी, हमने पुलिस को भी सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। AK-47 रखता है आरोपी गोलकी सिंह गोलकी सिंह का पहसारा में डिपो है, वहां सीसीटीवी लगा हुआ है। उसमें स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है वह AK-47 रखता है। हम पुलिस को भी सूचना देते हैं तो पुलिस कार्रवाई नहीं करती है। हमने चिमनी उमेश सिंह को लीज पर दे रखा है, लेकिन वह चाहता है कि चिमनी बर्बाद हो जाए। इसलिए घटना को अंजाम दिया गया है। बखरी डीएसपी कुंदन कुमार ने बताया कि सुबह सात बजे घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है।

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशूहर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

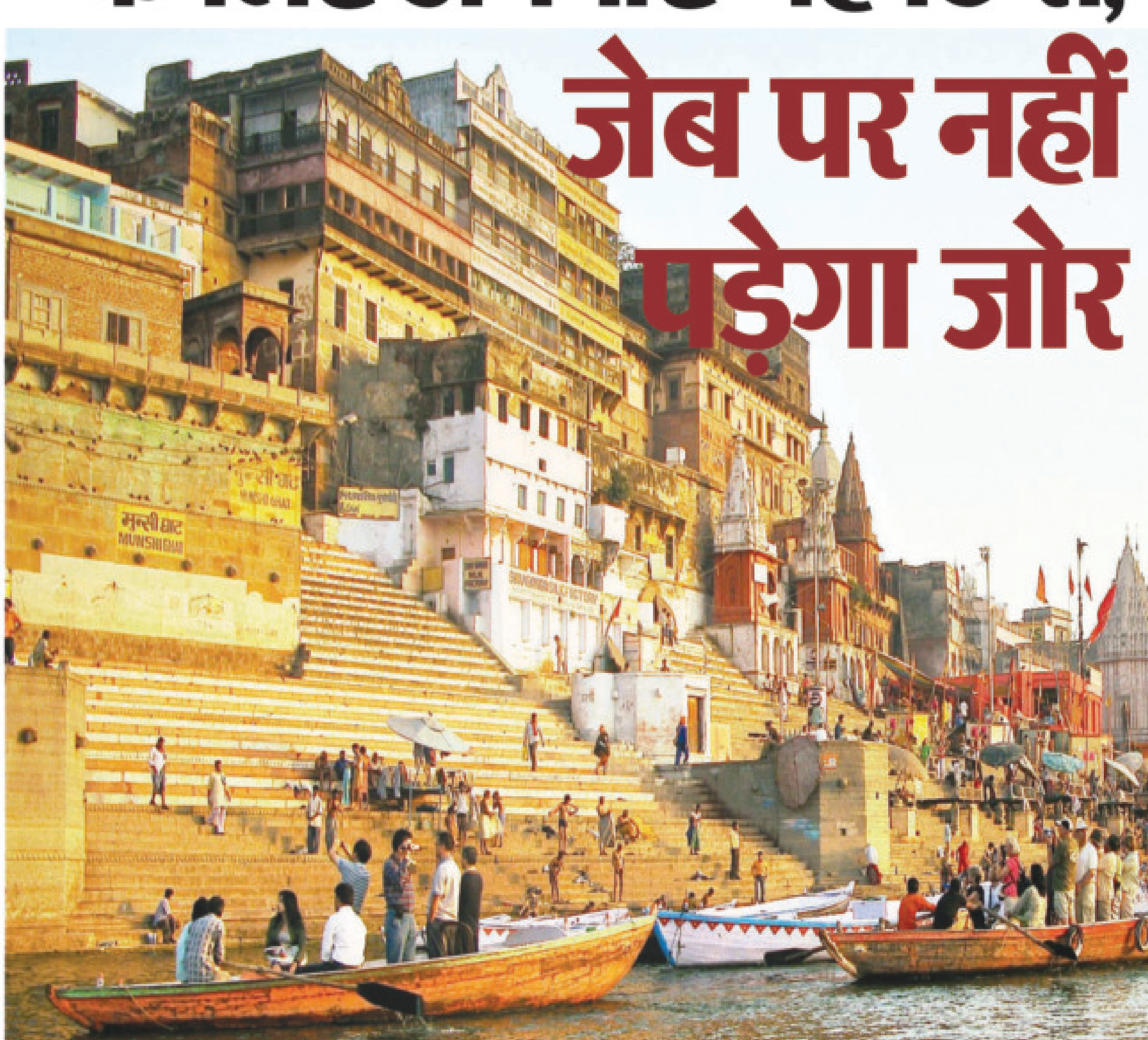

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफे और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेंटिक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

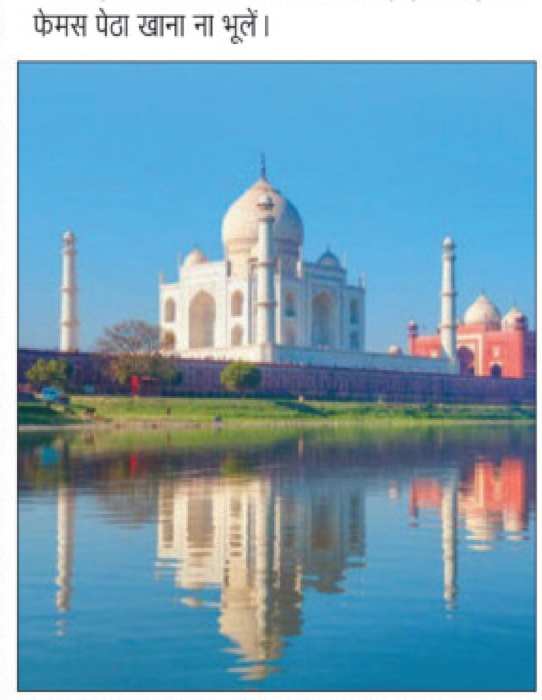

खो-खो विश्व कप 2025 : नई दिल्ली में पहले संस्करण की मेजबानी को भारत तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली : देश की राजधानी दिल्ली में होने जा रहे पहले खो-खो विश्व कप के लिए सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस बीच आज, मंगलवार को खो खो विश्वकप का कार्यक्रम भी घोषित किया गया। इस महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से 19 जनवरी तक होगा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा समर्थित खो-खो प्रतियोगिता के पहले संस्करण में 20 पुरुष और 19 महिला टीमें शामिल होंगी। खास बात यह है कि इस प्रतियोगिता को देखने के लिए मुफ्त टिकट की व्यवस्था है, हालांकि टिकट ऑनलाइन बुक करना होगा। दिल्ली के आईटीओ स्थित इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस विश्वकप में छह महाद्वीपों के 24 देश शिरकत करेंगे। इसमें पुरुषों की 20 टीमें और महिलाओं की 19 टीमें प्रतिभाग करेंगी। एशिया की टीमों में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमें प्रमुख रूप से शामिल हो रही हैं। 13 जनवरी से 16 जनवरी तक लीग मुकाबले खेले जाएंगे। जबकि क्वार्टरफाइनल मैच 17 जनवरी को, सेमीफाइनल मुकाबला 18 जनवरी को और 19 जनवरी को फाइनल मैच खेला जाएगा। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया कि खिलाड़ियों के ठहरने के लिए खेल गांव बसाने की भी योजना है, ताकि देश-विदेश में इस खेल की चर्चा हो सके। विश्व कप में दो शानदार ट्रॉफी होंगी। पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए चमकदार नीली ट्रॉफी तैयार की गई है और महिलाओं के लिए हरी ट्रॉफी, जो गतिशील भावना को दशार्ता है। नीली ट्रॉफी विश्वास, दृढ़ संकल्प और सार्वभौमिक अपील का प्रतीक है, जबकि हरी ट्रॉफी विकास और जीवन शक्ति का प्रतीक है। सुधांशु मित्तल ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वर्ल्ड कप भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस विश्व कप का आयोजन खो-खो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने के लिए किया जा रहा है, ताकि इस खेल को ओलंपिक्स में शामिल कराया जा सके। इस आयोजन से दुनिया भर के लोग खो-खो के कौशल, गति और टीम वर्क का प्रदर्शन देख सकेंगे। यह विविध देशों की संस्कृतियों को खेल के माध्यम से एकजुट करेगा। फेडरेशन के महासचिव एमएस त्यागी ने कहा कि विश्वकप में 24 देशों की भागीदारी खो-खो की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता को दर्शा रही है। इस खेल के शुभंकर तेजस और तारा हैं। तारा मार्गदर्शन और आकांक्षा का प्रतीक है, जबकि तेजस गति और टीमवर्क की पहचान है।

पुरुषों की खो-खो टीमे-:
ग्रुप एः भारत, नेपाल, पेरू, ब्राजील, भूटान
ग्रुप बीः दक्षिण अफ्रीका, घाना, अर्जेंटीना, नीदरलैंड, ईरान
ग्रुप सीः बांग्लादेश, श्रीलंका, कोरिया गणराज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका, पोलैंड
ग्रुप डीः इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, केन्या
महिलाओं की खो-खो टीमें-
ग्रुप एः भारत, ईरान, मलेशिया, कोरिया गणराज्य
ग्रुप बीः इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, केन्या, युगांडा, नीदरलैंड
ग्रुप सीः नेपाल, भूटान, श्रीलंका, जर्मनी, बांग्लादेश
ग्रुप डीः दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पोलैंड, पेरू, इंडोनेशिया।

शादी के बाद एकबार फिर एक्शन में दिखेंगी पीवी सिंधु

एजेंसी

नई दिल्ली : पीवी सिंधु अपने 2025 सीजन की शुरूआत योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन से करेंगी। इंडिया ओपन सुपर 750 के तीसरे संस्करण की शुरूआत 14 जनवरी से इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव हॉल में होगी, जहां पर विश्वभर के खिलाड़ी शिरकत करते हुए नजर आएंगे। पिछले साल शादी के बंधन में बंधने वाली सिंधु इस बार सुपर 750 के टूर्नामेंट में वुमेंस सिंगल्स में खेलते हुए नजर आ सकती हैं। भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु अपने 2025 सीजन की शुरूआत योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन से करेंगी। इंडिया ओपन सुपर 750 के तीसरे संस्करण की शुरूआत 14 जनवरी से इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव हॉल में होगी, जहां पर विश्वभर के खिलाड़ी शिरकत करते हुए नजर आएंगे। पिछले साल शादी के बंधन में बंधने वाली सिंधु इस बार सुपर 750 के टूर्नामेंट में वुमेंस सिंगल्स में खेलते हुए नजर आ सकती हैं। पीवी सिंधु ने अंतिम बार सैयद मोदी इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2024 में शिरकत किया था, जहां उन्होंने चाइना की लुओ यू वू को सीधे सेंटो में हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। सुपर 750 भारतीय बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित मुख्य प्रतियोगिता रही है, टूर्नामेंट के इस सीरीज में ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेल्सन, एन से यंग और विश्व नंबर एक खिलाड़ी शि यूकी मैदान में फैंस के बीच अपना जलवा बिखेरते हुए जर आएंगे, ये टूर्नामेंट शुरूआत से विश्व टूर का हिस्सा रहा है, जहां पर विजेता को 9,50,000 यूएस डॉलर की धनराशि और 11000 पॉइंट्स मिलते हैं, टूर्नामेंट के तीसरे सीजन में मेजबान भारत की ओर से 21 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत की ओर से 21 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत के लिए मेंस सिगल्स में 3, विमेंस सिंगल्स में 4, मेंस डबल्स में 2, विमेंस डबल्स में 8 और मिक्स्ड डबल्स में 4 खिलाड़ी अपनी दावेदारी पेश करेंगे, पिछले दो सीजनों में भारत की ओर से 14 खिलाड़ियों ने प्रवेश किया था। इस सीजन में मेंस डबल्स एशियन गोल्ड मेडलिस्ट सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, एशियन गेम्स ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एचएस प्रणय पर सभी की निगाहें होंगी। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पिछली बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी, वहीं प्रणॉय का सफर अंतिम चार में थम गया था, इसके साथ ही 2022 के इंडिया ओपन सुपर 750 के मेंस सिगल्स चैंपियन और दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगी।

एडिडास ने नए एफ1 सीजन के लिए मर्सिडीज के साथ मिलाया हाथ

एजेंसी

बर्लिन : जर्मन स्पोर्ट्सवियर निमार्ता एडिडास ने मंगलवार को मर्सिडीज-एएमजी पेट्रोनास फॉमूर्ला वन (एफ1) टीम के साथ बहु-वर्षीय साझेदारी की घोषणा की। इस सहयोग के तहत टीम 2025 एफआईए फॉमूर्ला वन विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेगी, जिसमें मार्च में होने वाली एफ1 चीनी ग्रैंड प्रिक्स भी शामिल है। मर्सिडीज-एएमजी पेट्रोनास एफ1 टीम के आधिकारिक टीम पार्टनर के रूप में, एडिडास ड्राइवरों, मैकेनिक्स और इंजीनियरों सहित पूरी टीम के लिए प्रदर्शन और शैली को मिलाकर एक पूरी श्रृंखला तैयार करेगा। एडिडास के सीईओ ब्योर्न गुल्डेन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम मोटरस्पोर्ट की दुनिया में वापस आकर बहुत खुश हैं। हम दोनों ही गति, नवाचार और प्रदर्शन के लिए जुनून साझा करते हैं। हम ड्राइवरों और टीम को ट्रैक पर सीमाओं को आगे बढ़ाने में सहायता करेंगे। 2025 एफ 1 सीजन की शुरूआत 14 से 16 मार्च तक ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स से होगी, जिसमें पूरे साल में 24 रेस होंगी। सीजन का दूसरा पड़ाव, चीनी ग्रैंड प्रिक्स, 21 से 23 मार्च तक शंघाई में होगा। यह शहर सीजन की पहली एफ1 स्प्रिंट रेस और एफ1 अकादमी के शुरूआती दौर की मेजबानी भी करेगा, जिसमें सिर्फ. महिलाएँ ही भाग लेंगी। आधिकारिक एफ 1 आंकड़ों के अनुसार, चीन में एफ1 प्रशंसकों की संख्या 150 मिलियन को पार कर गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा ने पिछले चार सालों में इस खेल का अनुसरण करना शुरू किया है।

ईस्ट बंगाल एफसी ने वेनेजुएला के फारवर्ड रिचर्ड सेलिस के साथ किया करार

एजेंसी

कोलकाता : ईस्ट बंगाल एफसी ने मौजूदा सत्र के शेष भाग के लिए वेनेजुएला राष्ट्रीय टीम के फॉरवर्ड रिचर्ड एनरिक सेलिस सांचेज के साथ करार किया है। सेलिस, जिन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में वेनेजुएला के शीर्ष डिवीजन में एकेडेमिया प्यूर्टो कैबेलो के लिए खेला था, इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब में अंतरराष्ट्रीय अनुभव का खजाना लेकर आए हैं। आईएसएल प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हेड कोच ऑस्कर ब्रुजन ने कहा, ₹हमें उम्मीद है कि रिचर्ड की प्रतिभा, कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प ईस्ट बंगाल के मूल्यों को मूर्त रूप देंगे। हमें उम्मीद है कि वह एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे क्योंकि हम तत्काल सफलता के लिए एक साथ प्रयास करते हैं। सेलिस एक बहुमुखी हमलावर है जो लेफ्ट विंगर और सेंटर-फॉरवर्ड दोनों के रूप में खेल सकता है, उन्होंने वेनेजुएला में कई शीर्ष-स्तरीय क्लबों का प्रतिनिधित्व किया है जैसे एटलेटिको वेनेजुएला सीएफ, डेपोर्टिवो जेबीएल, कराकास एफसी और एकेडेमिया प्यूर्टो कैबेलो, इसके अलावा कोलंबिया के मिलोनारियोस एफसी और स्लोवाकिया के एफके सेनिका। सेलिस ने अतीत में फीफा विश्व कप क्वालीफायर और कोपा अमेरिका में वेनेजुएला की राष्ट्रीय टीम का भी प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने घरेलू लीग और कोपा लिबटार्डोरेस में 250 से अधिक शीर्ष स्तरीय क्लब मैचों में महत्वपूर्ण गोल किए हैं। सेलिस ने 2019 में काराकस को वेनेजुएला प्राइमेरा डिवीजन का खिताब जीतने और मिलोनारियोस के 2022 कोपा कोलंबिया अभियान को जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेलिस ने ईस्ट बंगाल एफसी में शामिल होने को लेकर कहा, मैं ईस्ट बंगाल में शामिल होने के लिए रोमांचित हूं, यह एक ऐसा क्लब है, जिसका इतिहास इतना समृद्ध है और जिसके प्रशंसक बहुत भावुक हैं।

हैमस्ट्रिंग सर्जरी के बाद पुनर्वास पर गए बायोनिक मैन बेन स्टोक्स

एजेंसी

नई दिल्ली : इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने अपने बाएं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवाने के बाद खुद को बायोनिक मैन बताया है।33 वर्षीय स्टोक्स को दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के तीसरे टेस्ट के दौरान गेंदबाजी करते समय चोट की पुनरावृत्ति का सामना करना पड़ा, सबसे पहले अगस्त में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ पुरुषों के हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए बल्लेबाजी करते समय उनकी हैमस्ट्रिंग फट गई थी। उस शुरूआती चोट के कारण वे दो महीने तक खेल से बाहर रहे, साथ ही श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की घरेलू टेस्ट सीरीज से चूक गए। बाद में उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान और न्यूजीलैंड में टीम के शीतकालीन असाइनमेंट के लिए समय पर फिट होने की उनकी दौड़ ने उन्हें ₹शारीरिक रूप से थका दिया और उनको नुकसान पहुंचा दिया। हालांकि, इंग्लैंड को मई में जिम्बाब्वे के दौरे तक कोई टेस्ट नहीं खेलना है, इसलिए स्टोक्स ने तीन महीने तक मैदान से बाहर रहने का फैसला किया है, जिसमें अगले महीने होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर रहना भी शामिल है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वे सर्जरी के बाद कार की पिछली सीट पर लेटे हुए हैं, एक बड़ा लेग ब्रेस पहने हुए हैं और तकिए का सहारा लिए हुए हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, थोड़ी देर के लिए बायोनिक मैन, साथ में एक हंसी वाला इमोजी और साइन-ऑफ भी पोस्ट किया।हैमिल्टन में चोट लगने से पहले स्टोक्स ने 36.2 ओवर फेंके थे, जो 2022 में ट्रेंट ब्रिज में 40 ओवर (न्यूजीलैंड के खिलाफ भी) के बाद से टेस्ट में उनकी सबसे अधिक गेंदबाजी है। टेस्ट के पहले दिन, उन्होंने 23 ओवर फेंके, जो एक दिन में उनके द्वारा फेंके गए सबसे अधिक ओवर थे, जिन्हें उन्होंने आठ, आठ और सात के स्पैल में विभाजित किया। अक्टूबर 2023 में घुटने की सफल सर्जरी के बाद इंग्लैंड के घरेलू समर में आने के बाद, उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों में 49 ओवर फेंके, जिसमें पांच विकेट लिए। हैमिल्टन टेस्ट से पहले उन्होंने कहा था,₹मुझे अपने काम को करने के लिए शारीरिक रूप से बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन पिछले दो मैचों में मैंने काफी ओवर फेंके और मैं एक दिन में कई स्पैल खेलने को लेकर अधिक आश्वस्त हूं। मैं अपनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से पहले यहीं तक पहुंच गया था। मैंने गर्मियों में अच्छी गेंदबाजी की, एक झटका लगा, लेकिन अब मैं इससे उबर चुका हूं और आगे कुछ और होने की चिंता नहीं करता।

एक्टर अजित कुमार का रेसिंग ट्रैक पर एक्सीडेंट, कार के उड़े परखच्चे

एजेंसी

नई दिल्ली : अजित कुमार एक कार एक्सीडेंट में बाल-बाल बचे हैं। दरअसल, रेसिंग के लिए अजित कुमार का जुनून कोई नई बात नहीं है, उन्हें टीनएज से ही मोटर स्पोर्ट्स में दिलचस्पी थी और 2000 के दशक में उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक लेकर रेसिंग पर भी ध्यान लगाया। लेकिन हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है जिसमें उनकी कार के परखच्चे उड़ गए हैं। साउथ सुपरस्टार अजित कुमार एक कार एक्सीडेंट में बाल-बाल बचे हैं। दरअसल, रेसिंग के लिए अजित कुमार का जुनून कोई नई बात नहीं है, उन्हें टीनएज से ही मोटर स्पोर्ट्स में दिलचस्पी थी और 2000 के दशक में उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक लेकर रेसिंग पर भी ध्यान लगाया। लेकिन हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है जिसमें उनकी कार के परखच्चे उड़ गए हैं। बता दें कि, दुबई 24 ऑवर रेस की तैयारी कर रहे अजित कुमार मंगलवार को रेसिंग ट्रैक पर हुए हादसे के बाद सुर्खियों में हैं। वीडियो में अजित की तेज रफ्तार कार ट्रैक की सेफ्टी फेंस से टकराती है और घूमकर रुक जाती है। दुर्घटना के बाद अजित को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। इस वीडियो के वायरल होने के बाद से ही फैंस के बीच हड़कंप मच गया। हालांकि, राहत की बात ये है कि अजित इस हादसे में बाल-बाल बचे हैं और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। अब एक दशक के बाद वह अपनी टीम अजित कुमार रेसिंग के साथ ट्रैक पर लौटे हैं। इस रेस में उनका मुकाबला अपने टीम साथी मैथ्यू डेट्री, फैबियन डुफिक्स और कैमरन मैकलियोड से होने वाला था। उनके मैनेजर सुरेश चंद्रा ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि, अजित ठीक हैं और स्वस्थ्य हैं, हादसे के समय वह 180 किमी की रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे। हालांकि, रेसिंग में इस प्रकार की घटनाएं सामान्य हैं फिर इस वीडियो ने फैंस को परेशान कर दिया। गौरतलब है कि, अजित कुमार तमिल सिनेमा के सुपरस्टार हैं जिन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। इसके साथ ही उन्हें रेसिंग का कीड़ा भी है। फिलहाल वे अपनी आने वाली फिल्मों में बिजी हैं, जिनमें विदमुइरची और गुड बैड अग्ली शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

दुनिया भर के खिलाड़ियों में ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग को लेकर उत्साह

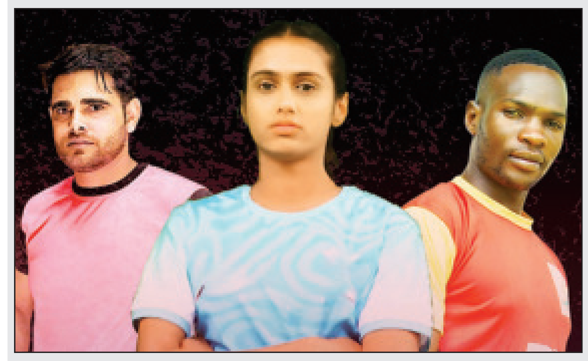

गुरुग्राम : ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) पूरे विश्व में धूम मचा रही है और अपने प्लेयर ड्राफ्ट और सीजन की शुरूआत से पहले ही वैश्विक स्तर पर चर्चा में है। मिस्र, केन्या, अर्जेंटीना, ताइवान और पोलैंड जैसे देशों की भागीदारी के चलते जीआई-पीकेएल में खेलने के इच्छुक खिलाड़ियों की होड़ सी लग गई है। सॉविन नरवाल, संदीप कंडोला, अजय कुमार और कपिल नरवाल जैसे भारतीय खिलाड़ी पहले से ही लीग का हिस्सा हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता एम अनिता, इंद्रा रोहिणी, अरुल संथिया और सेल्वरेबिक्शा जैसे खिलाड़ियों के साथ ही सुनील नरवाल, शिव कुमार और विकास दहिया, आंध्र प्रदेश के रेडर वेंकटेश्वर गौड़ जैसे खिलाड़ी भी मैदान में शिरकत करते नजर आएंगे। भागीदारी को लेकर खिलाड़ियों के उत्साह पर बोलते हुए होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कांथी डी. सुरेश ने कहा, ₹जीआई-पीकेएल को लेकर उत्साह कबड्डी की लोकप्रियता और संस्कृतियों को एकजुट करने और बाधाओं को तोड़ने की शक्ति को उजागर करता है। वैश्विक और घरेलू खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया कबड्डी के लिए एक समावेशी और गतिशील मंच बनाने के हमारे दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। जीआई-पीकेएल उद्घाटन सत्र में 6 महिला और 6 पुरुष टीमें शामिल होंगी। प्रत्येक टीम भारत की संस्कृति और भाषाई समृद्धि का प्रतीक है। टीमों की क्षेत्रीय पहचान बनाए रखने के लिए उनको उसी हिसाब से नामित किया गया है। तेलुगु और तमिल टीमों का स्वामित्व टॉलीवुड और क्रिकेट की हस्तियों के पास होने की संभावना है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास पुरुष और महिला दोनों टीमें होंगी, जो कि समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने वाली, कबड्डी में अपनी तरह की पहली व्यवस्था है। दिसंबर 2024 में ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) और इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) का विलय हुआ था, जिससे जीआई-पीकेएल का निर्माण हुआ, जहां पुरुष और महिलाएं दोनों एक ही मैट आकार पर प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो कि कबड्डी इतिहास में पहली बार होने जा रहा है। जिसके बाद से ही कबड्डी जगत में इसका हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्सुकता देखी जा रही है। लगभग एक महीने तक चलने वाली इस लीग के पहले सीजन में कुल 66 मैच खेले जाएंगे। लीग में हिस्सा ले रही टीमें इस प्रकार हैं : महिला टीमें : मराठी फाल्कंस, भोजपुरी लेपर्ड्स, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायंस, पंजाबी टाइगर्स, हरियाणवी ईगल्स। पुरुष टीमें : मराठी वल्चर्स, भोजपुरी लेपर्ड्स, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायंस, पंजाबी टाइगर्स, हरियाणवी शार्कस।

गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में बुमराह नंबर एक पर बरकरार

नई दिल्ली : पिछला सप्ताह टेस्ट क्रिकेट से भरपूर रहा, जिसमें तीन शृंखलाएं संपन्न हुईं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी, दक्षिण अफ्रीका की पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट शृंखला और जिम्बाब्वे की अफगानिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट शृंखला शामिल हैं। तीनों शृंखलाओं के आखिरी मैच में दमदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को पुरुष खिलाड़ियों की ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी की है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पर बने हुए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने 29 स्थान की लंबी छलांग लगाकर टॉप 10 में जगह बना ली है। बुमराह ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा 32 विकेट झटके थे। वे 908 रेटिंग अंक के साथ नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज बने हुए हैं। बुमराह के अलावा अनुभवी स्पिनर रवींद्र जडेजा टॉप 10 में रहने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं। जडेजा 745 रेटिंग अंक के साथ 9वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने भारत के खिलाफ सिडनी टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था। बोलैंड ने सिडनी टेस्ट में 86 रन देकर कुल 10 विकेट झटके थे। उनके प्रयासों ने ऑस्ट्रेलिया की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को फिर से हासिल करने के लिए ऑस्ट्रेलिया का एक दशक का लंबा इंतजार खत्म हुआ। यह सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से अपने नाम की। बोलैंड आखिरी मैच में मैन ऑफ द मैच रहे थे। अब बोलैंड ने आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 29 पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए पहली बार आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाई है। वे 745 रेटिंग अंक के साथ जडेजा के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। इनके अलावा एक स्थान के फायदे के साथ दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं। कमिंस के 841 रेटिंग अंक हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगीसो रबाडा भी एक स्थान का फायदा लेते हुए 837 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर आ गए हैं। रबाडा ने पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी टेस्ट में कुल 6 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को दो स्थान का नुकसान हुआ है वे 835 रेटिंग अंक के साथ चौथी रैंक पर आ गए हैं।

ट्यूरिन में होने वाले शीतकालीन यूनिवर्सियाड में 48 एथलीट भेजेगा चीन

TORINO 2025 | FISU WORLD UNIVERSITY GAMES WINTER

बीजिंग : चीन ने मंगलवार को इटली के ट्यूरिन में होने वाले 2025 एफआईएसयू शीतकालीन विश्व विश्वविद्यालय खेलों के लिए आधिकारिक तौर पर अपने प्रतिनिधिमंडल की घोषणा की। 84 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में 13 विश्वविद्यालयों के 48 एथलीट शामिल हैं, जो अल्पाइन स्कीइंग, क्रॉस-कंट्री स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग, स्की पर्वतारोहण, कर्लिंग और शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। एथलीटों की औसत आयु 22 वर्ष है, जिनमें से 45 विश्व बहु-खेल आयोजन में अपनी शुरूआत कर रहे हैं। तैयारी में, चीन विश्वविद्यालय खेल महासंघ ने चयन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की है। प्रशिक्षण शिविर वर्तमान में बीजिंग और पूर्वोत्तर चीन के जिलिन प्रांत में चल रहे हैं। चीनी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख लियू लिक्सिन ने उम्मीद जताई कि एथलीट वैश्विक मंच पर चीन की युवा पीढ़ी की सकारात्मक छवि का प्रदर्शन करेंगे, दुनिया भर के युवाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय मित्रता का निर्माण करेंगे और भाग लेने वाली टीमों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। 11 खेलों वाले शीतकालीन यूनिवर्सियाड का आयोजन 13 से 23 जनवरी तक ट्यूरिन में किया जाएगा, जिसमें 55 देशों और क्षेत्रों से 2,600 से अधिक एथलीट और अधिकारी भाग लेंगे।

मोदी 13 जनवरी को श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर जेड मोड़ सुरंग का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

श्रीनगर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहेंगे। वह श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर जेड मोड़ सुरंग का उद्घाटन करेंगे, ताकि सोनमर्ग को सभी मौसमों में पर्यटन स्थल बनाया जा सके। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जेड मोड़ सुरंग गगनगीर से सोनमर्ग तक सड़क को बाईपास करेगी, जिससे आगंतुक और स्थानीय लोग पूरे साल हिल स्टेशन का दौरा कर सकेंगे। वर्तमान में सड़क का गगनगीर-सोनमर्ग खंड भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के कारण अवरुद्ध हो जाता है। जेड मोड़ सुरंग जम्मू और कश्मीर के गांदरबल जिले में गगनगीर और सोनमर्ग के बीच 6.5 किलोमीटर लंबी 2-लेन वाली सड़क सुरंग है।

इसका नाम सड़क के जेड आकार के खंड के नाम पर रखा गया है, जिसे सुरंग में बदल दिया है। निकटवर्ती जोजी-ला सुरंग के साथ श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर यह भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सुरंग बालटाल, कारगिल और लद्दाख क्षेत्र के अन्य स्थानों को साल भर मौसम-प्रूफ संपर्क प्रदान करेगी। सोनमर्ग को हर मौसम में संपर्क प्रदान करने के अलावा सुरंग स्थानीय युवाओं को रोजगार में मदद करेगी और क्षेत्र में पर्यटन और संबद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देगी। यह 31 सड़क सुरंगों में से एक है, जिनमें से 20 जम्मू और कश्मीर में और 11 लद्दाख में हैं। सुरंग का निर्माण 2018 में शुरू हुआ था। 20 अक्टूबर, 2024 को सुरंग के कर्मचारी आतंकी हमले की चपेट में आ गए थे, जब दो आतंकवादी गगनगीर में श्रमिकों के शिविर में आ घुसे थे। जेड मोड़ सुरंग का निर्माण कर रही इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के छह गैर-स्थानीय श्रमिकों सहित सात नागरिक मारे गए थे। हमले में एक स्थानीय डॉक्टर की भी मौत हो गई थी।

एक नजर

बांग्लादेश में नहीं थम रहा हिंदुओं पर अत्याचार, एक और युवक की हत्या

कोलकाता : बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का सिलसिला अबतक जारी है। ताजा घटना में हमलावरों ने इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स व्यवसायी हिंदू युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। यह घटना झालकाठी जिले के रामपुर गांव के बउकाठी बाजार में हुई। मृतक की पहचान सुधीब हलदार के रूप में हुई है। इस निर्मम हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कोलकाता इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग से कड़ा सवाल किया है कि यह अत्याचार कब थमेगा। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा, क्या हम 21वीं सदी में रह रहे हैं या पत्थर के युग में यह सब कब रुकेगा। मंदिरों पर भी हो रहे हैं हमलेहाल के दिनों में बांग्लादेश में कई मंदिरों पर हमले और मूर्तियों को तोड़े जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं। मयमनसिंह और दिनाजपुर में तीन मंदिरों की कुल आठ मूर्तियां तोड़ दी गईं। जानकारों का कहना है कि बांग्लादेश को पूर्ण रूप से मुस्लिम राष्ट्र बनाने के लिए जमात जैसे कट्टरपंथी संगठन हिंदुओं के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं। इससे भी गंभीर बात यह है कि इन कट्टरपंथियों को यूनुस सरकार का समर्थन मिल रहा है। इसी वजह से कानून तोड़ने के बावजूद इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

कश्मीर में रात का तापमान -9.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

श्रीनगर : कश्मीर घाटी में मंगलवार रात का तापमान फिर से गिर गया। गुलमर्ग जैसे पर्यटन स्थलों में -9.8 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में -8.2 डिग्री सेल्सियस और सोनमर्ग में -10.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 15 जनवरी तक मौसम आमतौर पर शुष्क रहने और जम्मू के मैदानी इलाकों में हल्की बारिश और 11 और 12 जनवरी को जम्मू और कश्मीर में छिटपुट स्थानों पर बर्फबारी की संभावना जताई है। अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में तापमान -9.0 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जबकि पिछली रात तापमान -6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यह उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले के पर्यटन स्थल के लिए दिन का सामान्य से -20 डिग्री सेल्सियस कम था। पहलगाम में मंगलवार को -7.8 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान -8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस अवधि के दौरान दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पर्यटन स्थल के लिए यह सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम था। मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के सुरम्य सोनमर्ग में भी मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि के दौरान दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान -10.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

एड्स कॉलोनी प्रवेश मार्ग का विधि सम्मत हल निकाले : मंत्री

भोपाल : पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने कहा है कि गोविंदपुरा क्षेत्र में आने वाली द एड्स कॉलोनी प्रवेश मार्ग का विवाद विधिनुसार हल किया जाये। इस संबंध में उन्होंने बुधवार को मंत्रालय में एसडीएस कोलार, टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग, नगर निगम और रहवासियों के साथ संयुक्त बैठक ली। मंत्री गौर ने कहा कि 13 जनवरी को सभी पक्ष अपने दस्तावेज के साथ एसडीएम कोलार कार्यालय में उपस्थित होंगे। एसडीएम सभी पक्ष की सुनवाई कर सर्वमान्य और विधि सम्मत हल निकालेगें। मंत्री गौर ने निर्देश दिये है कि नगर निवेशक, नगर निगम तथा टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग के अधिकारी संयुक्त रूप से स्थल भ्रमण भी करें।

योगी सरकार ने पूर्वोत्तर के संतों को स्टेट गेस्ट का दर्जा देकर किया है आमंत्रित

एजेंसी

महाकुम्भ नगर : इस बार महाकुम्भ में पूर्वोत्तर के राज्यों के संतो यानि आश्रमों की व्यापक उपस्थिति और संस्कृति की झलक देखने को मिल रही है। यहां असमिया संस्कृति पर आधारित नामघर की परंपरा में सत्राधिकार आयोजित होने जा रहे हैं। इस बार पूर्वोत्तर के संतो की सारी परंपराएं महाकुम्भ में हिस्सा लेने आ रही हैं। पूर्वोत्तर के संतों को योगी सरकार ने स्टेट गेस्ट का दर्जा देकर आमंत्रित किया है। महाकुम्भ परिसर में प्राग ज्योतिषपुर क्षेत्र में इसे लेकर खास तैयारियां हो रही हैं और 12 जनवरी से यहां

आयोजनों की शुरूआत हो जाएगी।

सातों राज्यों की संस्कृतियों को किया जा रहा प्रदर्शित

योगाश्रम बिहलांगिनी असम के महंत महामंडलेश्वर स्वामी केशव दास महाराज ने बताया कि महाकुम्भ के प्राग ज्योतिषपुर क्षेत्र में नामघर बन रहा है। यह कुम्भ में पहली बार हो रहा है। सत्राधिकार यहां रहेंगे और शाही स्नान में भाग लेंगे। धर्म सभाएं होंगी। अखंड भागवत होगा। यह लगातार 7 दिन 168 घंटे चलेगा। इसकी शुरूआत 21 जनवरी को होगी और समापन 27 जनवरी को होगा। नॉर्थ ईस्ट के सातों राज्यों की सारी संस्कृतियों को प्रदर्शित करते हुए एक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस प्रदर्शनी में पूर्वोत्तर के समाज, संस्कृति और धर्म की समग्र तस्वीर देखने को मिलेगी। कलाकार आ चुके हैं और इसे तैयार कर रहे हैं। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 12 जनवरी को होगा।

बन रहा कामाख्या का मॉडल

उन्होंने आगे बताया कि आयोजन में राम विजय भावना का मंचन होगा। यह मंचन रामलीला की तर्ज पर होता है। मणिपुरी नृत्य रास भी होगा। सत्रीय नृत्य का आयोजन होगा। नागालैंड का बैंबो डांस होगा। अप्सरा नृत्य होगा। यह अब सत्रीय संस्कृति के अंतर्गत है। माटी अखाड़ा में भक्त अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। यह एक प्रकार की योग साधना की परंपरा है, जिसका स्वरूप अलग है। कामाख्या का मॉडल बनेगा और कामाख्या का जल वितरित किया जाएगा।

नॉर्थ ईस्ट से 125 संतों को स्टेट गेस्ट के रूप में किया आमंत्रित

मेले की व्यवस्थाओं पर उन्होंने कहा कि अच्छी व्यवस्थाएं हैं। मेला प्रशासन कोशिश कर रहा है कि सभी साधु संत संतुष्ट हों और उन्हें सुविधाएं प्राप्त हों।

खनौरी में डल्लेवाल का आमरण अनशन 44वें दिन जारी

चंडीगढ़ : पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन बुधवार को 44वें दिन भी जारी रहा। डल्लेवाल की तबियत लगातार बिगड़ती जा रही है। बुधवार को भी पंजाब सरकार के डॉक्टरों की टीम वहां मौजूद रही, लेकिन डल्लेवाल ने किसी प्रकार का डॉक्टरी इलाज करवाने से इनकार कर दिया। आज डल्लेवाल को बोलने में भी दिक्कत हो रही है। जिसके चलते उन्होंने अपने आसपास मौजूद लोगों को इशारों से समझाने का प्रयास किया। पहले दिन से डल्लेवाल के साथ मौजूद युवा किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि यदि उनके साथ कुछ अनहोनी हो गई तो शायद उसके बाद जो स्थिति पैदा होगी उसे केंद्र सरकार संभाल नहीं पाएगी। इसलिए समय रहते केंद्र सरकार को किसानों के मुद्दों को हल करना चाहिए।

रेल मंत्रालय ने चालू वित्तीय वर्ष के पूंजीगत व्यय का 76 प्रतिशत किया खर्च

एजेंसी

नई दिल्ली : रेल मंत्रालय ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आवंटित बजटीय पूंजीगत व्यय का 76 प्रतिशत वर्ष के पहले नौ महीने और 4 दिनों में खर्च कर दिया है। भारतीय रेलवे की नवीनतम व्यय रिपोर्ट के अनुसार 5 जनवरी तक क्षमता वृद्धि में भारी निवेश किया गया है, जिसका उद्देश्य भारत में रेल यात्रा को विश्व स्तरीय बनाना है। रेल मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि बजट अनुमान 2024-25 में रेलवे के लिए कुल पूंजीगत व्यय 2,65,200 करोड़ रुपये है, जिसमें सकल बजटीय सहायता 2,52,200 करोड़ रुपये है। इसमें से 1,92,446 करोड़ रुपये पहले ही खर्च किए जा चुके हैं। रोलिंग स्टॉक के लिए बजटीय प्रावधान 50,903 करोड़ रुपये का था। इसमें से 5 जनवरी तक 40, 367 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो रोलिंग स्टॉक के लिए आवंटित बजट का 79 प्रतिशत है। सुरक्षा संबंधी कार्यों में 34,412 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन में से खर्च की गई राशि 28,281 रुपये है, जो आवंटित राशि का 82 प्रतिशत है। रेलवे के अनुसार सरकार ने भारतीय रेलवे को एक विश्व स्तरीय इकाई में बदलने को प्राथमिकता दी है, जो कि औसतन 2.3 करोड़ भारतीयों को प्रतिदिन देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक सस्ती कीमत पर पहुंचाती है। पिछले एक दशक से लगातार पूंजीगत व्यय का फल 136 वंदे भारत ट्रेनों, ब्रॉड गेज के लगभग 97 प्रतिशत विद्युतीकरण, नई लाइनें बिछाने, गेज परिवर्तन, ट्रैक के दोहरीकरण, यातायात सुविधा कार्य, सार्वजनिक उपक्रमों और महानगरीय परिवहन में निवेश के रूप में दिखाई दे रहा है। इस पूंजीगत व्यय से अरबों भारतीयों को मामूली लागत पर तेज, सुरक्षित और विश्व स्तरीय यात्रा का अनुभव हुआ है।

अर्थव्यवस्था के निराशाजनक आंकड़े नए केंद्रीय बजट के लिए चिंताजनक : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस पार्टी ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए केंद्र सरकार द्वारा जीडीपी ग्रोथ में गिरावट के अनुमान को निराशाजनक बताया है। पार्टी का कहना है कि अर्थव्यवस्था से सम्बंधित लगातार सामने आ निराशाजनक आंकड़े आगामी केंद्रीय बजट के लिए चिंताजनक पृष्ठभूमि तैयार करते हैं। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद जयराम रमेश ने बुधवार को यहां एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 में सिर्फ 6.4 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ का अनुमान है। यह चार साल का सबसे निचला स्तर है और वित्त वर्ष 2024 में दर्ज 8.2 प्रतिशत के ग्रोथ की तुलना में स्पष्ट गिरावट है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के हालिया 6.6 प्रतिशथ के ग्रोथ

के उस अनुमान से भी कम है, जो खुद ही पहले के 7.2 प्रतिशत अनुमान से कम है। कुछ ही हफ़्तों में भारतीय अर्थव्यवस्था निचले स्तर पर आ गई है। अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर उस तरह से नहीं बढ़ रहा है, जिस तरह से बढ़ना चाहिए। सरकार अब देश के ग्रोथ में गिरावट की वास्तविकता और इसके विभिन्न पहलुओं से इनकार नहीं कर सकती है। जयराम रमेश ने कहा कि पिछले दस वर्षों में देश की उपभोग कहानी रिवर्स स्विंग में चली गई है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरी है। इस वर्ष की दूसरी तिमाही के आंकड़ों में निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) ग्रोथ पिछली तिमाही के 7.4 प्रतिशत से धीमा होकर 6 प्रतिशत रह गया।

नेपाल से ड्रग्स लाकर उत्तराखंड और यूपी में सप्लाई कर रहा था तस्कर, एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड एसटीएफ ने 11 वर्षों से फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी और अंतर्राष्ट्रीय ड्रग तस्कर रविन्द्र को बिहार के नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि 12 दिसम्बर 2013 को थाना काठगोदाम जनपद नैनीताल में अभियुक्त प्रदीप पुत्र सुखीराम निवासी जिन्द हरियाणा एवं रवीन्द्र सिंह पुत्र बादल सिंह निवासी महिपालपुर थाना वसन्तकुंज दिल्ली को 6.610 किलोग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जिसमें न्यायालय की ओर से दोनों की जमानत कर दी गयी थी परंतु जमानत पर बाहर निकलने के

पश्चात अभियुक्त रविन्द्र दुबारा कभी न्यायालय में पेश नहीं हुआ। जिस पर न्यायालय की ओर से वर्ष 2013 में गिरफ्तारी का आदेश जारी किया गया था। इस मामले में रविन्द्र के साथी प्रदीप को न्यायालय की ओर से 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। वहीं, अभियुक्त रविन्द्र की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से जनपद स्तर व रेंज स्तर पर काफी प्रयास किए गये परंतु अभियुक्त गिरफ्तार नहीं हो पाने पर उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊँ परिक्षेत्र की ओर से 50 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था।

जिस पर एसटीएफ के निरीक्षक अबुल कलाम के नेतृत्व में गठित टीम की ओर से अभियुक्त रविन्द्र के बारे में मैनुवली सूचनाएं एकत्रित की गई। जानकारी मिली कि फरार अभियुक्त रविन्द्र ने कस्बा परवाणीपुर जिला बिरगंज नेपाल में अपना मकान बना लिया है और वहीं से ही ड्रग्स की सप्लाई उत्तर प्रदेश के कानपुर,आगरा, उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर व दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों मे कर रहा है। जांच के दौरान पता चला कि उसने जिला मोतीहारी, बिहार में अपना एक और मकान बनाया है। एसटीएफ की ओर से पिछले कई हफ्तों से कस्बा मोतीहारी में भेष बदल कर रहकर उसके परिवार से मिलने जुलने वालों की रेकी की गई। इसी के फलस्वरूप मंगलवार की रात को रवीन्द्र सिंह पुत्र बादल सिंह निवासी महिपालपुर थाना वसन्तकुंज दिल्ली की गिरफ्तारी में सफलता प्राप्त हुई है। अभियुक्त से पूछताछ में यह पता चला कि अभियुक्त ने अपना एक काफी बड़ा ड्रग नेटवर्क तैयार कर लिया था। जिसके माध्यम से वह उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली मे चरस सप्लाई कर रहा था। एसटीएफ ने पूछताछ में कई ड्रग तस्करों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की है। जिस पर आगे कार्यवाही की जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

उमरांग्सू कोयला खदान से एक शव बरामद, बचाव अभियान जारी : मुख्यमंत्री

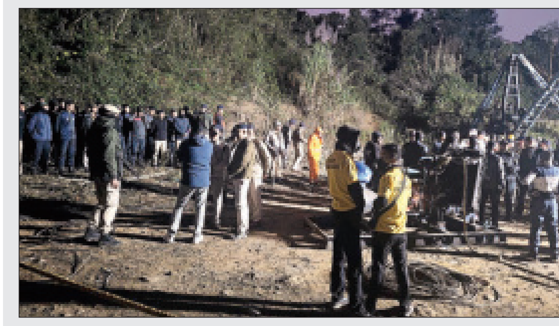

गुवाहाटी : उमरांग्सू कोयला खदान से सेना की 21 पैरा टीम के गोताखोरों ने कुएं के भीतर से एक शव को बरामद किया है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने बताया कि बचाव अभियान तेजी से जारी है। सेना और एनडीआरएफ के गोताखोर कुएं में प्रवेश कर चुके हैं। नौसेना के कर्मी भी मौके पर मौजूद हैं और अगले चरण की तैयारी कर रहे हैं। इस बीच, एसडीआरएफ के डी-वॉटरिंग पंप उमरांगसू से रवाना हो चुके हैं। वहीं, ओएनजीसी का डी-वॉटरिंग पंप कुंभिग्राम में एमआई-17 हेलीकॉप्टर पर लोड किया गया है और मौसम की अनुकूलता के इंतजार में है। उल्लेखनीय है कि बचाव कार्य के पहले दिन मंगलवार शाम को खराब मौसम और जलस्तर में वृद्धि के कारण अभियान को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा था। अभियान बुधवार सुबह नए सिरे से शुरू किया गया। 6 जनवरी को उमरांग्सू क्षेत्र की '3 किलो' में कोयला खदान में पानी भरने के कारण अनेक मजदूर फंस गए। प्रशासन ने घटना के तुरंत बाद राहत कार्य तेज कर दिए। खदान से 10 मजदूरों को जहां सुरक्षित निकाल लिया गया, वहीं कम से कम 12 मजदूर के अभी तक फंसे होने की सूचना है। हालांकि, मजदूरों की सही संख्या को लेकर कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली है।

असम की कोयला खदान में फंसे खनिकों को बचाएगी नौसेना

नई दिल्ली : भारतीय नौसेना ने असम के दीमा हसाओ जिले के एक दूरदराज के औद्योगिक शहर उमरंगसो में फंसे खनिकों को बचाने में सहायता के लिए एक विशेष टीम को तैनात किया है। इस टीम में एक अधिकारी और ग्यारह नाविक हैं, जिसमें अत्यधिक प्रशिक्षित क्लीयरेंस डाइवर्स शामिल हैं। यह टीम गहरे पानी में गोता लगाने और बचाव कार्यों में कुशल है। नागरिक प्रशासन के अनुरोध पर तैनात की गई नौसेना की टीम इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील मिशन के लिए पूरी तरह से उपकरणों के साथ लैस है। टीम के पास खोज और बचाव के लिए गहरे पानी में गोता लगाने के उपकरण और पानी के नीचे रिमोट से संचालित वाहन जैसे विशेष उपकरण हैं। यह प्रयास भारतीय सेना, एनडीआरएफ और स्थानीय नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर किया जा रहा है, ताकि तत्काल और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

भारतीय नौसेना की टीम को विशाखापट्टनम से 07 जनवरी को वायु सेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर से घटनास्थल पर पहुंचाया गया है। गहन खोज और बचाव अभियान के साथ समय पर बचाव अभियान को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ नियमित रूप से सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। भारतीय नौसेना संकट के समय में त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो जीवन की रक्षा करने और आपात स्थि तियों में राष्ट्र का समर्थन करने के अपने संकल्प को प्रदर्शित करता है। असम के उमरंगसो क्षेत्र की कोयला खदान में 6 जनवरी को पानी भरने के कारण अनेक मजदूर फंस गए। प्रशासन ने घटना के तुरंत बाद राहत कार्य तेज कर दिए। खदान से 10 मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन कम से कम 12 मजदूर के अभी तक फंसे होने की सूचना है।

खेलों से महिलाओं को मानसिक व शारीरिक तौर पर मजबूत बनाना जरूरी : चंद्रलेखा

यमुनानगर : यमुनानगर के तेजली खेल परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की सीडीपीओ चंद्रलेखा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बुधवार को सीडीपीओ चंद्रलेखा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि तेजली खेल परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़ी महिलाओं के लिए अनेकों प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। महिलाओं के लिए दौड़, साइकिलिंग, म्यूजिकल चेयर, डिस्क थ्रो जैसे खेलों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इन खेलों में महिलाएं अपनी आयु के हिसाब से इन खेलों में भाग ले रही हैं। खेलों में भाग लेने वाले प्रतियोगी को सामान देकर उसका उत्साह बढ़ाने का काम भी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन खेलों के आयोजन करने का उद्देश्य महिलाओं के शारीरिक और मानसिक विकास को और अधिक मजबूत बनाना है ताकि महिलाओं को कार्य करने में किसी प्रकार की कोई भी असुविधा महसूस ना हो। महिलाओं को हर क्षेत्र में उन्नति और तरक्की के समान रूप से अवसर दिए जाएं। महिलाओं को हर जगह सम्मान दिया जाए महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए इस उद्देश्य से इन खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के सिविल लाइन स्थित आवास के बाहर आआपा नेता ने दिया धरना

नई दिल्ली : दिल्ली में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से राष्ट्रीय राजधानी में मुख्यमंत्री आवास का मुद्दा गरमा गया है। भाजपा लगातार पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शीश महल (सरकारी आवास) पर करोड़ों रुपये खर्च करने को लेकर घेर रही है। वहीं आम आदमी पार्टी मुख्यमंत्री आतिशी का बंगला खाली कराने को लेकर भाजपा पर हमलावर हो गई है। इसी क्रम में बुधवार को आआपा सांसद संजय सिंह और दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री के सिविल लाइन स्थित आवास के बाहर धरना दिया। इसके बाद दोनों नेता सात, लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री के सरकारी आवास के पास धरने पर बैठ गए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री का सरकारी आवास कोरोना काल के दौरान बना था लेकिन इसमें कोई अनियमितता नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों के सरकारी आवास करदाताओं के पैसे से बने हैं। अगर टैक्स की बबार्दी का सवाल उठता है, तो दोनों आवासों पर उठना चाहिए, ना कि केवल मुख्यमंत्री के आवास पर। उन्होंने कहा कि हमें दिल्ली पुलिस रोक रही है। सवाल यह है कि वे क्यों नहीं चाहते कि जनता प्रधानमंत्री का आवास देखे। धरने पर बैठे संजय सिंह ने कहा कि भाजपा का काम केवल झूठ फैलाना है। दिल्ली के मुख्यमंत्री के सरकारी आवास को लेकर पूरे देश में झूठा प्रचार किया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि मुख्यमंत्री आवास में सोने के टॉयलेट, स्विमिंग पूल, मिनी बार और महंगे झूमर लगे हुए हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**